@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/ qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

मंगलवार, 9 दिसम्बर 2025

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 35 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुनाई 'वंदे मातरम्' की गौरव गाथा

● कहा- गीत से अंग्रेजों को ईंट का जवाब पत्थर से दिया गया

● मोदी बोले- कांग्रेस ने वंदे मातरम् के टुकड़े किए: 60 मिनट के भाषण में 13 बार कांग्रेस, 7 बार नेहरू और 3 बार जिन्ना का जिक्र

एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने सोमवार को लोकसभा में वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर चर्चा की शुरुआत की। उन्होंने एक घंटे की स्पीच में कहा 'वंदे मातरम् अंग्रेजों को करारा जवाब था, ये नारा आज भी प्रेरणा दे रहा। आजादी के समय महात्मा गांधी को भी यह पसंद था। उन्हें यह गीत नेशनल एंथम के रूप में दिखता था।

पीएम ने कहा, उनके लिए इस गीत की ताकत बड़ी थी। फिर पिछले दशकों में इसके साथ इतना अन्याय क्यों हुआ। वंदे मातरम् के साथ विश्वासघात क्यों हुआ। वो कौन सी ताकत थी, जिसकी इच्छा पूज्य बापू की भावनाओं पर भी भारी पड़ी।

पीएम मोदी ने एक घंटे की स्पीच में वंदे मातरम् 121 बार, देश 50, भारत 35, अंग्रेज 34, बंगाल 17, कांग्रेस का 13 बार जिक्र किया। उन्होंने वंदे मातरम् के रचयिता बंकिम चंद्र चटर्जी का नाम 10 बार, नेहरू 7 बार, महात्मा गांधी 6 बार, मुस्लिम लीग 5 बार, जिन्ना 3 बार,संविधान 3 बार, मुसलमान 2 बार, तुष्टिकरण 3 बार कहा।

जिन्ना के सामने झुके नेहरू

मोदी ने कहा कि मोहम्मद अली जिन्ना ने लखनऊ से 15 अक्टूबर 1936 को वंदे मातरम् के खिलाफ नारा बुलंद किया। कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखा।

पीएम ने कहा कि बजाय इसके कि नेहरू मुस्लिम लीग के आधारहीन बयानों को करारा जबाब देते, उसकी निंदा करते, लेकिन उल्टा हुआ। उन्होंने वंदे मातरम् की ही पड़ताल शुरू कर दी।

वंदे मातरम् के 150 साल पर भारत तेजी से बढ़ रहा: जब वंदे मातरम् के 50 वर्ष पूरे हुए थे, तब देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। जब इसके 100 वर्ष पूरे हुए, तब देश आपातकाल के अंधेरे में था। आज जब इसके 150 वर्ष हो रहे हैं, तो भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तेजी से आगे बढ़ रहा है।

1906 का एक किस्सा सुनाया: वंदे मातरम् से जुड़ा किस्सा सुनाते हुए कहा- 20 मई 1906 को बारीसाल (अब बांग्लादेश में है) में वंदे मातरम् जुलूस निकाला, जिसमें 10 हजार से ज्यादा लोग सड़कों पर उतरे थे। इसमें हिंदू और मुस्लिम समेत सभी धर्म और जातियों के लोगों ने वंदे मातरम् के झंडे हाथ में लेकर सड़कों पर मार्च किया था।

लोकसभा में 'वंदे मातरम्' पर चर्चा के दौरान गौरव गोगोई बोले- कांग्रेस ने दिया राष्ट्रगीत का दर्जा

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ पर चल रही विशेष चर्चा के दौरान सोमवार को कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि आज का दिन भारतीय इतिहास और स्वतंत्रता आंदोलन की याद दिलाने वाला है, क्योंकि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि आजादी की लड़ाई की आत्मा था। गौरव गोगोई ने कहा, 'मैं वंदे मातरम् की 150वीं जयंती पर हो रही इस अहम चर्चा में भाग ले रहा हूं। बंगाल की पवित्र भूमि में एक अद्भुत शक्ति है। यही भूमि हमें राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत, दोनों देती है। उस समय के कवियों और लेखकों ने ऐसे गीत रचे, जिनसे स्वतंत्रता सेनानियों को अंग्रेजों के खिलाफ आवाज उठाने की ताकत मिली।' उन्होंने याद दिलाया कि आजादी की लड़ाई के दिनों में कई नारे और गीत थे, जिन्होंने क्रांतिकारियों में उत्साह भरने का काम किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने ही 'वंदे मातरम' को राष्ट्रगीत का दर्जा दिया था। गोगोई ने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए कहा कि 1905 में बनारस में हुए कांग्रेस अधिवेशन में वंदे मातरम् का सार्वजनिक प्रदर्शन हुआ था। इसी गीत के माध्यम से भारतीयों में आत्मविश्वास और साहस बढ़ा।सांसद गोगोई ने प्रधानमंत्री मोदी के भाषण पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा, 'मैंने पीएम मोदी का भाषण ध्यान से सुना। ऐसा लग रहा था, जैसे वे यह दिखाना चाहते हों कि उनके राजनीतिक पूर्वज ब्रिटिश शासन के खिलाफ सीधी लड़ाई में शामिल थे। उनके बयान से इतिहास को दोबारा लिखने की कोशिश झलक रही थी। '

'वंदे मातरम्' पर चर्चा: कंगना रनौत ने कहा- 'यह केवल गीत नहीं, बल्कि भारतीय राष्ट्रीय चेतना की नींव है'

एजेंसी

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने संसद में 'वंदे मातरम' पर चल रही चर्चा को लेकर अपनी भावनाएं साझा कीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस गीत के पूरे इतिहास और उसकी महत्ता को संक्षेप में बताया कि कैसे आजादी की लड़ाई के दौरान, इसने विरोध की बुझती हुई लौ को फिर से जलाया और एक ऐसी चिंगारी जलाई, जिसने पूरे ब्रिटिश साम्राज्य को चुनौती दी। कंगना ने कहा, ''एक कलाकार के तौर पर मुझे गर्व है कि संसद में इस तरह के एक गीत, एक कविता, एक कलाकृति पर दस घंटे तक चर्चा हो रही है। यह गीत आज राष्ट्रवादी चेतना की नींव के रूप में खड़ा है और इसकी यात्रा सदियों तक फैली हुई है।'' कंगना ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा कला और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा दिया है। कंगना ने अपने बयान में कांग्रेस पर भी तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि 2014 में जब भारत ने अमृत काल की शुरुआत की, उस समय अर्थव्यवस्था प्रधानमंत्री के सामने सबसे बड़ी चुनौती थी। कांग्रेस ने महिलाओं के

आत्मसम्मान को क्षति पहुंचाई और देश के विकास को पीछे धकेल दिया था।''उन्होंने कहा, ''मेरा खुद का व्यक्तिगत अनुभव है, कांग्रेस ने मेरे काम और मेरे पहनावे तक पर सवाल उठाए। जहां-जहां भाजपा की सरकार होती है, उस क्षेत्र की महिलाओं पर भी उंगली उठाई गई। कांग्रेस की सोच हमेशा से महिला विरोधी रही है। उन्होंने मध्य प्रदेश की महिलाओं को लेकर भी अपमानजनक टिप्पणी की थी।''

जो महापुरुष उनके नहीं, उन्हें भी भाजपा अपनाना चाहती है : अखिलेश यादव

नई दिल्ली । लोकसभा के शीतकालीन सत्र में सोमवार को भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में विशेष चर्चा चल रही है। इस दौरान समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर सबकुछ अपनाने का आरोप लगाया। लोकसभा में वंदे मातरम पर विशेष चर्चा के दौरान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा, 'वंदे मातरम के 150 वर्ष के होने के उपलक्ष्य में हम राष्ट्रीय गीत को सदन में याद कर रहे हैं। हमें इस बात का गर्व है। हम इस मौके पर बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय को भी याद करें, जिन्होंने इतना शानदार गीत राष्ट्र को दिया, जिसने लाखों-लाख लोगों को जागृत किया और उनके बीच उत्साह भरा।' उन्होंने कहा, 'आजादी के उस समय पर, जिस समय अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी जा रही थी, वंदे मातरम हमें ऊर्जा और ताकत देता था।

गडकरी, योगी सहित कई नेताओं ने जनरल विपिन रावत को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के प्रथम चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल विपिन सिंह रावत की चौथी पुण्यतिथि पर सोमवार को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से लेकर कई प्रमुख नेताओं ने उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

गडकरी ने कहा कि जनरल रावत ने भारत की सैन्य शक्ति को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्र की रक्षा, सैन्य आधुनिकीकरण और सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में उनका योगदान अविस्मरणीय है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून के कनक चौक स्थित पार्क में जनरल रावत की प्रतिमा पर पुष्पचक्र अर्पित किया। उन्होंने कहा कि जनरल रावत का व्यक्तित्व साहस, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक था। इस अवसर पर दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। कार्यक्रम में सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी, विधायक खजान दास और सविता कपूर भी उपस्थित रहे। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'पद्म विभूषण' जनरल बिपिन रावत की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा संरचना को आधुनिक, सक्षम और समन्वित बनाने में उनका अद्वितीय योगदान भारतीय सैन्य इतिहास में सदैव स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। जनरल रावत का जीवन कर्तव्य, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति का अनुपम उदाहरण है। मां भारती की रक्षा के लिए उनका समर्पण देश के प्रत्येक युवा में राष्ट्रसेवा की भावना को और सुदृढ़ करेगा। उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। राष्ट्र की सुरक्षा संरचना को आधुनिक और सक्षम बनाने में जनरल रावत का योगदान हमेशा स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जनरल रावत के शौर्य, दूरदर्शिता और राष्ट्रभक्ति को याद करते हुए उन्हें नमन किया।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जनरल रावत का शौर्य, दूरदर्शिता और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण आज भी हमारी सेनाओं को प्रेरित करता है। जनरल रावत ने भारतीय सेना के आधुनिकीकरण और सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में जो अमूल्य योगदान दिया, उसे देश कभी नहीं भुला पाएगा। उन्हें और हेलीकॉप्टर दुर्घटना में शहीद हुए सभी वीर सपूतों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

● उल्लेखनीय है कि 8 दिसंबर 2021 को तमिलनाडु के कुन्नूर में एक हेलिकॉप्टर दुर्घटना में जनरल रावत, उनकी पत्नी मधुलिका रावत और 11 अन्य सैन्य अधिकारियों का निधन हो गया था।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सलियों ने ठेकेदार की हत्या की

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने ठेकेदार इम्तियाज की हत्या कर दी। वह पामेड़ थाना क्षेत्र के ग्राम मेटागुड़म में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण कार्य करा रहा था। नक्सली ठेकेदार इम्तियाज अली और उसके सहयोगी को रविवार देर शाम करीब 5 बजे अपहरण कर अपने साथ ले गये थे। ठेकेदार का एक सहयोगी नक्सलियों के चंगुल से तो बचकर इरापल्ली के मेटागुड़म सुरक्षा कैंप पहुंच गया और जवानों को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। सुरक्षा बलों को सूचना मिलते ही तत्काल घटनास्थल की ओर टीमें रवाना कर दी गईं। लेकिन ठेकेदार इम्तियाज अली को नक्सलियों के कब्जे से बचाया नही जा सका। नक्सलियों ने ठेकेदार इम्तियाज अली की हत्या कर शव को फेंक दिया।

गोवा हादसा: क्लब मालिक सौरभ और गौरव के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी

● नाइट क्लब के मालिकों के खिलाफ पहले ही एफआईआर दर्ज कर ली गई थी।

एजेंसी

गोवा । गोवा के अरपोरा में हुए हादसे के बाद पुलिस ने फरार क्लब मालिक सौरभ और गौरव लूथरा के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी कर दिया है। नाइट क्लब के मालिकों के खिलाफ पहले ही एफआईआर दर्ज कर ली गई थी।

पुलिस ने उन पर गैर इरादतन हत्या का आरोप लगाया है। गोवा पुलिस के अनुसार, घटना के बाद से दोनों आरोपियों ने गोवा छोड़ दिया है और अब देश से बाहर जाने की कोशिश में हैं, जिसे देखते हुए लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। सभी एयरपोर्ट और पुलिस स्टेशनों पर इन दोनों आरोपियों की फोटो भेजकर हाई अलर्ट किया गया है। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपी लगातार अपनी लोकेशन बदल रहे हैं। इनकी गिरफ्तारी के लिए कई टीमों का गठन किया गया है जो लगातार इनकी तलाशी कर रही है, जल्द ही इन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

'सिद्धू मूसेवाला की तरह करेंगे हाल'

● पवन सिंह को मिली जान से मारने की धमकी

एजेंसी

पटना । भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार पवन सिंह को अज्ञात नंबर से फोन कॉल और मैसेज के जरिए जान से मारने की धमकी दी गई है। धमकी देने वाले ने खुद को कुख्यात बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया और चेतावनी दी कि अगर उन्होंने 'बिग बॉस 19' में सुपरस्टार सलमान खान के साथ स्टेज शेयर किया, तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। जान से मिली धमकी के बावजूद पवन सिंह रविवार रात 'बिग बॉस 19' के ग्रैंड फिनाले में पहुंचे और सलमान खान के साथ स्टेज शेयर किया। उन्होंने 'बिग बॉस' की एक्स कंटेस्टेंट नीलम गिरी के साथ डांस परफॉर्मेंस भी दी। पवन सिंह के मैनेजर ने बताया कि धमकी भरा पहला कॉल 6 दिसंबर की रात लगभग 10 बजे आया। इस कॉल में अज्ञात व्यक्ति ने लगातार धमकियां देना शुरू कर दिया और पवन सिंह की टीम के सदस्य प्रियांशु को कॉल किया। कॉलर ने पवन सिंह के मैनेजर और टीम के अन्य सदस्यों को लगातार मैसेज भेजे। शुरुआत में कॉलर को यह समझाने की कोशिश की गई कि शायद यह गलत नंबर पर कॉल हो रही है, बावजूद इसके लगातार धमकियां मिलती रहीं। इस धमकी में कॉलर ने पवन सिंह से मोटी रकम की भी मांग की। पवन सिंह के मैनेजर के अनुसार, कॉलर ने 15 से 20 लाख रुपये की डिमांड की और कहा कि यह पैसा जल्द से जल्द जमा करना होगा।

साथ ही, कॉलर ने धमकी दी कि अगर पवन सिंह ने सलमान खान के साथ मंच साझा किया, तो उनके साथ वही हाल होगा, जो उन्होंने सिद्धू मूसेवाला के साथ किया था। इस पूरे मामले के सामने आने के बाद पवन सिंह की टीम ने तुरंत सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस को जानकारी दी। मुंबई के एक पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई, और पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि कॉल करने वाला कौन था, वह कहां से था, और किस गिरोह से जुड़ा था।

पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद का मुद्दा सोची-समझी रणनीति का हिस्सा: गिरिराज

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद का मुद्दा एक सोची समझी रणनीति का हिस्सा है। संसद भवन परिसर में सोमवार को गिरिराज सिंह ने मीडिया के एक सवाल पर यह बात कही। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा 'बाबरी मस्जिद' की नींव रखने के सवाल पर केन्द्रीय मंत्री ने कहा, यह सारा खेल हुमायूं कबीर ने नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने करवाया है। वह जानबूझकर बंगाल की धरती पर हिंदू-मुसलमान के नाम पर विवाद पैदा कर रही हैं। यह बाबरी मस्जिद का मुद्दा एक सोची-समझी रणनीति के तहत लाया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस काम के लिए ममता बनर्जी को केवल बंगाल में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में विरोध का सामना करना पड़ेगा और इसकी सजा भुगतनी पड़ेगी। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि 'वंदे मातरम' गीत देश को 'एकता के सूत्र में' बाँधने वाला एक शक्तिशाली प्रतीक है। यह स्वतंत्रता सेनानियों के लिए एक नारा और प्रेरणा स्रोत है। अगर लोकतंत्र के मंदिर (संसद) में 'वंदे मातरम' पर बात नहीं होगी, तो फिर कहां होगी? कुछ लोग 'वंदे मातरम' को नहीं, बल्कि 'बाबरी मस्जिद' को मानते हैं।

एक करोड़ के इनामी रामधेर मज्जी समेत 11 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

'सरेंडर करने वालों में सीसीएम, डीवीसीएम, एसीएम और पीएम स्तर के नक्सली भी शामिल हैं।'

एजेंसी

खैरागढ़ । छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाकों में चलाए गए एंटी-नक्सल ऑपरेशन को बड़ी सफलता मिली है। खैरागढ़ में सक्रिय सीसीएम मेंबर रामधेर मज्जी समेत 11 नक्सलियों ने हथियारों के साथ आत्मसमर्पण कर दिया है। सामूहिक आत्मसमर्पण खैरागढ़ के बकरकट्टा थाना क्षेत्र में रविवार दरम्यानी रात में हुआ। सभी नक्सलियों ने पुलिस और सुरक्षा बलों के समक्ष अपने हथियार डाल दिए । सोमवार सुबह आत्मसमर्पण की औपचारिक प्रक्रिया पूरी की गई। आत्मसमर्पण के बाद पुलिस अधिकारियों ने प्रेसवार्ता कर

इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरेंडर करने वालों में 6 महिला नक्सली भी शामिल हैं। इसके साथ ही रामधेर मज्जी का समर्पण करना बहुत बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि इस पर 1 करोड़ रुपए का भी इनाम घोषित था। उन्होंने बताया कि रामधेर मज्जी लंबे समय से नक्सली संगठन के शीर्ष नेतृत्व में शामिल था और कई गंभीर नक्सली घटनाओं में उसका नाम सामने आ चुका है। जिसके बाद से पुलिस लगातार इसकी तलाश कर रही थी, बचने के लिए रामधेर लगातार अपना स्थान बदल रहा था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सरेंडर करने वालों में सीसीएम, डीवीसीएम, एसीएम और पीएम स्तर के नक्सली भी शामिल हैं। रामधेर मज्जी के सरेंडर के बाद माना जा रहा है कि नक्सलियों का एमएमसी जोन लगभग खत्म हो गया, क्योंकि इसे यही कंट्रोल किया करता था। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि आने वाले दिनों में और भी नक्सली हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौट सकते हैं।

देशभर में ग्रैप जैसी नीति की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से किया इनकार, कहा-हाईकोर्ट या एनजीटी जाएं

एजेंसी

नई दिल्ली । देशभर में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली के ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) की तर्ज पर नीति बनाने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई से इनकार कर दिया। अदालत ने साफ कहा कि यह मामला सीधे सुप्रीम कोर्ट के पास आने योग्य नहीं है, इसलिए याचिकाकर्ता अपनी मांग हाईकोर्ट या नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल (एनजीटी) के सामने रखें। याचिका में कहा गया था कि जब भी किसी शहर में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 200 या उससे ज्यादा हो, तो ग्रैप की तरह तुरंत लागू होने वाली एक ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए। साथ ही देशभर में और अधिक प्रदूषण मॉनिटरिंग स्टेशन स्थापित करने की भी मांग की गई थी। इससे पहले 1 दिसंबर को दिल्ली-एनसीआर में लगातार बढ़ते प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद गंभीर रुख अपनाया था। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा था कि वायु प्रदूषण का मुद्दा अब केवल अक्टूबर में ही नहीं सुना जाएगा, बल्कि पूरे साल इसकी नियमित सुनवाई होगी। अदालत ने निर्देश दिया था कि कम से कम महीने में दो बार इस पर सुनवाई हो ताकि स्थिति को सुधारने के लिए तत्काल और

प्रभावी कदम उठाए जा सकें। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने देश की हवा की वास्तविक स्थिति और वैज्ञानिक विश्लेषण पर सवाल उठाया था। उन्होंने पूछा था कि आखिर देश में प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण क्या है? उन्होंने पराली के मुद्दे को लेकर भी साफ कहा था कि अदालत इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहती क्योंकि किसानों का प्रतिनिधित्व अदालत में बेहद कम होता है। सीजेआई ने यह भी याद दिलाया था कि कोविड काल के दौरान भी पराली जलाई गई थी, लेकिन उस समय लोगों ने साफ, नीला आसमान देखा था। इसलिए पराली को राजनीतिक बहस या अहंकार का मुद्दा नहीं बनाया जाना चाहिए। सुनवाई में सीजेआई ने कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) से यह जानना चाहा था कि दिल्ली-एनसीआर की हवा तुरंत सुधारने के लिए उनका शॉर्ट-टर्म प्लान क्या है। जवाब में सीएक्यूएम ने कहा था कि वे पहले ही अपना हलफनामा दाखिल कर चुके हैं। केंद्र सरकार की ओर से पेश हुई अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एश्वर्या भाटी ने कहा था कि हरियाणा, पंजाब, सीपीसीबी और अन्य एजेंसियों की रिपोर्ट के आधार पर सरकार एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) दाखिल कर सकती है। सीजेआई ने कहा था कि अदालत का उद्देश्य किसी पर आरोप लगाना नहीं, बल्कि समाधान ढूंढना है। उन्होंने कहा कि हम हाथ पर हाथ धरकर नहीं बैठ सकते और सभी संबंधित पक्षों को एक प्लेटफॉर्म पर लाकर मिलकर समाधान निकालने की जरूरत है।

दिल्ली ब्लास्ट केस: चार आरोपियों की एनआईए कस्टडी 4 दिन बढ़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में हुए ब्लास्ट मामले की जांच लगातार आगे बढ़ रही है। इसी सिलसिले में पटियाला हाउस कोर्ट ने सोमवार को गिरफ्तार चार आरोपियों की एनआईए कस्टडी 4 दिन और बढ़ा दी है। इन आरोपियों में डॉ. मुजम्मिल, डॉ. शाहीन सईद, मुफ्ती इरफान अहमद और आदिल अहमद के नाम शामिल हैं। इन आरोपियों को 10 दिन की पिछली कस्टडी पूरी होने के बाद अदालत में पेश किया गया था। अब एजेंसी को उनसे आगे की पूछताछ के लिए अतिरिक्त समय मिल गया है। इससे पहले 5 दिसंबर को अदालत ने एक अन्य आरोपी शोएब की एनआईए कस्टडी 10 दिन और बढ़ाने की मंजूरी दी थी। एजेंसी का आरोप है कि शोएब ने धमाके से ठीक पहले आतंकवादी उमर नबी को पनाह दी थी और उसे लॉजिस्टिक सपोर्ट प्रदान किया था।

अच्छे कानून बनाने के लिए सांसद व्हिप से मुक्त हो, कांग्रेस नेता तिवारी ने पेश किया निजी बिल

भविष्य में वे सांसद पार्टी लाइन से हटकर वोट कर सकें

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने सांसदों को व्हिप की बाध्यता को कम करने के लिए लोकसभा में एक निजी बिल पेश किया है। इसमें उन्होंने प्रस्ताव दिया है कि अच्छे कानून बनाने के लिए सांसदों को व्हिप से मुक्त करे, ताकि भविष्य वे पार्टी लाइन से हटकर भी सांसद वोट कर सकें।

शुक्रवार को दलबदल रोधी कानून में संशोधन के लिए गैर-सरकार विधेयक पेश करने वाले कांग्रेस नेता तिवारी ने कहा कि बदलाव से सांसद जनता की आवाज के मुताबिक फैसला होगा, न कि सिर्फ पार्टी आदेशों के मुताबिक होगा। कांग्रेस नेता तिवारी ने कहा कि इसका इरादा अच्छे कानून बनाना और लोकतंत्र में सांसदों की आजाद राय सुनिश्चित करना है। ताकि वे पार्टी लाइन का पालन किए बिना अपने विवेक से किसी भी बिल-प्रस्ताव पर वोट करने या न करने का फैसला ले सकें।

फिलहाल यदि सांसद पार्टी व्हिप के खिलाफ जाकर वोट करते हैं, तब उनकी सदस्यता खतरे में आ जाती है, लेकिन बिल से सांसदों की सदस्यता सिर्फ तभी खत्म होगी, जब वे विश्वास-अविश्वास प्रस्ताव, स्थगन प्रस्ताव, मनी बिल या वित्तीय मामलों पर पार्टी निर्देश के खिलाफ वोट दें या अनुपस्थित रहें। किसी बिल या प्रस्ताव पर जारी पार्टी निर्देश की जानकारी हाउस के चेयरमैन या स्पीकर सदन में घोषित करते है। यदि कोई सदस्य निर्देश के खिलाफ जाता है, तब सदस्यता स्वतः समाप्त होगी। सदस्य को 15 दिनों के भीतर स्पीकर/चेयरमैन के पास अपील करने का अधिकार होगा और अपील का निपटारा 60 दिनों में होना चाहिए। कांग्रेस सांसद तिवारी ने कहा कि संसद में कई बार कोरम पूरा नहीं होता और लॉमेकिंग में सांसदों की भूमिका सीमित हो गई है। कानून मंत्रालय में तैयार होते हैं, मंत्री तैयार बयान पढ़ते हैं और व्हिप के कारण ट्रेजरी और विपक्ष दोनों तयशुदा लाइन पर वोट करते हैं। उन्होंने कहा कि 1950 से 1985 तक व्हिप लगाए जाते थे, लेकिन वे बाध्यकारी नहीं थे। 1967 में 'आया राम गया राम' की घटनाओं के बाद दलबदल बढ़ा और आखिर में तब के प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने 10वां शेड्यूल लागू किया।

राहुल गांधी मानहानि केस– परिवादी की गवाही दर्ज, आज भी होगी जिरह

सुलतानपुर (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े मानहानि प्रकरण में लोकसभा में नेतापक्ष कांग्रेस के राहुल गांधी के खिलाफ एमपी-एमएलए कोर्ट मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत में सोमवार को परिवादी के गवाह की गवाही दर्ज की गई। परिवादी पक्ष के अधिवक्ता संतोष पांडेय के अनुसार गवाह रामचंद्र दूबे अदालत में उपस्थित हुए, जिनकी मुख्य गवाही दर्ज की गई। इसके बाद बचाव पक्ष के वकील ने गवाह से जिरह शुरू की, किंतु जिरह पूर्ण न होने पर अदालत ने शेष जिरह के लिए कल नौ दिसंबर की तारीख तय की है। गौरतलब है कि यह मामला वर्ष 2018 का है। चार अगस्त को कोऑपरेटिव बैंक के पूर्व चेयरमैन व भाजपा नेता विजय मिश्र ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि वाद दायर किया था। आरोप है कि राहुल गांधी ने बेंगलुरु की एक जनसभा में तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिससे आहत होकर परिवादी ने अदालत शरण ली। कोर्ट ने मामले में 27 नवंबर 2023 को राहुल गांधी को तलब किया था। राहुल गांधी ने 20 फरवरी 2024 को पेश होकर जमानत कराई थी। बाद में 25 जुलाई को उनका बयान दर्ज हुआ था, जिसमें उन्होंने इस मुकदमे को राजनीतिक साजिश बताया था। अब गवाह रामचंद्र दूबे से बचाव पक्ष की शेष जिरह पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

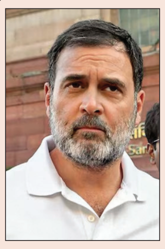

पालघर पुलिस स्टेशन में महिला से दुष्कर्म, आरोपी कांस्टेबल गिरफ्तार

पालघर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक महिला के साथ दुष्कर्म के आरोप में कासा पुलिस स्टेशन के एक 40 वर्षीय कांस्टेबल को गिरफ्तार किया गया है। घटना पिछले सप्ताह थाने में तब हुई जब पीड़िता को बयान दर्ज कराने के बहाने बुलाया गया था। पीड़ित महिला की शिकायत के अनुसार, कांस्टेबल ने थाने में उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। मामले के सामने आते ही पुलिस विभाग ने आरोपी के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज कर रविवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। घटना को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। कासा पुलिस स्टेशन के इंचार्ज को भी इस मामले के बाद ट्रांसफर कर दिया गया है। वरिष्ठ अधिकारी पूरे मामले की जांच की निगरानी कर रहे हैं।

गिर सोमनाथ में भूकंप के हल्के झटके, किसी नुकसान की खबर नहीं

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में सोमवार सुबह 10:51 बजे भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.1 दर्ज की गई। स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीमों ने बताया कि अब तक कहीं से किसी प्रकार के नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं मिली है। अधिकारियों के अनुसार भूकंप का केंद्र गिर सोमनाथ क्षेत्र के निकट था। झटके महसूस होने के कारण लोग बड़ी संख्या में घरों से बाहर नहीं निकल आए। फिलहाल किसी प्रकार के जान-माल के नुक्सान की कोई सूचना नहीं है। फिर भी प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। भूकंप के झटके और खतरे को लेकर भू-विज्ञान विशेषज्ञों का कहना है कि 3.1 तीव्रता के झटके सामान्य माने जाते हैं और इनमें गंभीर नुकसान की संभावना बेहद कम होती है। इसके बावजूद संबंधित विभाग सतर्कता के साथ सभी पहलुओं की निगरानी कर रहे हैं।

ऑल वेदर रोड के खिलाफ उतरा संघ... 7 हजार देवदार के पेड़ों को काटने का विरोध

उत्तरकाशी (एजेंसी)। उत्तराखंड में केन्द्र और राज्य सरकार की महत्त्वकांक्षी गंगोत्री हाईवे परियोजना यानी ऑल वेदर रोड के खिलाफ संघ यानी आरएसएस खुलकर विरोध में आ गया है। संघ के सह-सरकार्यवाह डॉ कृष्ण गोपाल और भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री मुरली मनोहर जोशी ने परियोजना के तहत 7 हजार देवदार के पेड़ों को काटने का विरोध किया है। इसके बाद उत्तरकाशी के हर्षिल में 100 से ज्यादा लोगों ने देवदार के पेड़ों को रक्षा सूत्र बांधा। इसका समर्थन देने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती भी पहुंचे। पर्यावरण जानकार ने बताया कि ये पेड़ भागीरथी इकोनॉमिक सेंसेटिव जोन में काटे जाएंगे, जिससे गंगा का पानी सूख जाएगा। इसका असर पूरे उत्तर भारत में देखने को मिलेगा और बर्फबारी में कमी होगी। इसी साल नवंबर में उत्तराखंड के वन विभाग के अनुसार, ऑल वेदर रोड के कारण 41.92 हेक्टेयर वन क्षेत्र का नुकसान होगा, इसमें कई देवदार के पेड़ भी शामिल हैं। इससे पहले बताया गया था कि 900 किलोमीटर लंबी परियोजना में कुल 56 हजार से ज्यादा पेड़ काटे होने थे, जिनमें से लगभग 36,000 पेड़ पहले ही काटे जा चुके थे।

प्रतिबंधित क्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ते 34 मछुआरे गिरफ्तार, दो नौकाएं भी जब्त

कोच्ची (एजेंसी)। ओडिशा के वन अधिकारियों ने केंद्रपाड़ा जिले के गहिरमाथा समुद्री अभयारण्य से 34 मछुआरों को गिरफ्तार किया है और दो नौकाएं भी जब्त किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वन विभाग के अधिकारी ने बताया कि ये गिरफ्तारियां पिछले 48 घंटों में की गईं। आरोप है कि मछुआरे प्रतिबंधित क्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ रहे थे। भितरकनिका के सहायक वन संरक्षक ने बताया कि अभयारण्य के निषिद्ध क्षेत्रों में पहुंचे मछुआरों की नौकाएं वन गश्ती दलों ने जब्त कर ली हैं। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार मछुआरे बालासोर और मयूरभंज जिलों के निवासी हैं। बाद में उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। नौकाएं अभयारण्य के प्रतिबंधित गलियारों तक घुस आईं और उन्होंने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, ओडिशा समुद्री मत्स्य विनियमन अधिनियम और समुद्री अभयारण्य से जुड़े अनिवार्य नियमों का उल्लंघन किया। ओलिव रिडले समुद्री कछुओं के प्रजनन क्षेत्रों में मछली पकड़ने के आरोप में अब तक करीब 200 मछुआरों को गिरफ्तार किया जा चुका है। बता दें राज्य सरकार ने लुप्तप्राय ओलिव रिडले कछुओं के प्रजनन काल को ध्यान में रखते हुए एक नवंबर से धामरा से देवी नदी के मुहाने तक 20 किलोमीटर के इलाके में सात महीने के लिए मछली पकड़ने पर बैन लगा दिया है। हालांकि, गहिरमाथा को समुद्री अभयारण्य का दर्जा प्राप्त होने के कारण यहां यह प्रतिबंध पूरे साल लागू रहता है।

पटना में जेडीयू ऑफिस के बाहर पोस्टर... अब पार्टी की कमान संभालें निशांत

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत की राजनीति में एंट्री को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। राजधानी पटना स्थित जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के दफ्तर के बाहर पोस्टर लगे हैं, जिन पर लिखा है, अब पार्टी की कमान संभालें निशांत और नीतीश सेवक मांगें निशांत। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने भी निशांत के राजनीति में आने के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी सदस्य और समर्थक चाहते हैं कि निशांत पार्टी में शामिल हों, लेकिन अंतिम फैसला निशांत को ही लेना है। राजधानी पटना में ये पोस्टर तब समय पर सामने आए हैं जब जदयू ने राज्य में 2025 से 2028 तक के लिए सदस्यता अभियान की शुरुआत की है। बात दें कि निशांत कुमार नीतीश कुमार और मंजू सिन्हा के इकलौते बेटे हैं। उन्होंने सेंट केरन्स (पटना), मानव भारती इंडिया इंटरनेशनल स्कूल (मसूरी) और बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीटीआई) मेसरा से सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग की शिक्षा ली है। 2017 में उन्होंने राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं होने की बात कही थी और कहा था कि उनका पहला प्यार आध्यात्म है। हालांकि, इस साल जनवरी में वह बख्तियारपुर में एक कार्यक्रम में नजर आए थे और पिता के लिए समर्थन जुटा रहे थे। यह घटनाक्रम दिखाता है कि जदयू के भीतर और समर्थकों के बीच निशांत को सक्रिय राजनीति में लाने की मांग बढ़ रही है।

मस्जिद की नींव हुमायूं ने नहीं, ममता बनर्जी ने रखी... वह ड्रामा कर रही

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का टीएमसी पर आरोप

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद की नींव रखने को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर सवाल उठा दिए हैं। भाजपा के आरोप हैं कि सीएम ममता अपने नेताओं और सांसदों से ही इसके खिलाफ बयान दिला रही हैं। तृणमूल कांग्रेस ने विधायक हुमायूं कबीर को निलंबित कर दिया है। उन्होंने मुर्शिदाबाद जिले में मस्जिद की नींव रखी थी।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, हुमायूं ने नहीं, ममता बनर्जी ने नींव रखी हैं, और वह ड्रामा कर रही हैं और अपने नेताओं और सांसदों से इसके खिलाफ बयान दिलवा रही हैं। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा, ममता बंगाल की धरती को हिंदू मुसलमान में बांटने के लिए ये बाबरी मस्जिद हिडन एजेंडा के रूप में कबीर के द्वारा इन्होंने लाया है। इसका विरोध पूरे देश में जिस ढंग से अब दूसरी जगह हो रहा है। ममता बनर्जी को इसकी सजा भुगतनी पड़ेगी।

केंद्रीय मंत्री सिंह ने संसद में होने वाली चर्चा पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, अगर भारत के सबसे बड़े लोकतंत्र के मंदिर में वंदे मातरम् पर चर्चा नहीं होगी, तब कहां होगी? वंदे मातरम् अपनी 150वीं वर्षगांठ मना रहा है। आजादी का यह गीत बंगाल की धरती से था, इस पर चर्चा होनी चाहिए। यह भारत की विरासत है...।

रिपोर्ट्स के अनुसार, टीएमसी से निलंबित होने के बाद अब कबीर नई पार्टी बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इसे लेकर वह 22 दिसंबर को बड़ी घोषणा कर सकते हैं। खबरें थीं कि मस्जिद की नींव रखने के प्रस्ताव के बाद से ही सीएम बनर्जी विधायक से नाराज थीं। हालांकि, पार्टी ने इस लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है।

तमिलनाडु में 84 लाख से ज्यादा वोटर्स के कट सकते हैं नाम, 11 दिसंबर तक जमा होंगे फार्म

–मध्यप्रदेश में 14.88 लाख ऐसे वोटर जिनके नाम 2003 की लिस्ट से नहीं हो मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) के फॉर्म 11 दिसंबर तक जमा होंगे। इस बीच तमिलनाडु में अब तक मिले डेटा से पता चलता है कि मसौदा मतदाता सूची से 84 लाख से ज्यादा वोटर्स के नाम कट सकते हैं। राज्य में अब तक 84.91 लाख एन्यूमरेशन फॉर्म अनकलेक्टेबल श्रेणी में हैं यानी इन फॉर्म को अलग-अलग कारणों से इकट्ठा नहीं किया सकता है। इसमें अधूरी जानकारी होना, 2003 की लिस्ट में नाम न मिलना, वोटर की मौत या शिफ्ट हो जाना प्रमुख कारण हैं।

वहीं बंगाल में शुक्रवार तक अनकलेक्टेबल एन्यूमरेशन फॉर्म की संख्या 54.59 लाख थी यानी इनके नाम वोटर्स लिस्ट से कटने की आशंका है, जबकि केरल में जिन वोटरों का पता नहीं चल रहा है, जो मर चुके हैं या स्थायी रूप से शिफ्ट हो गए हैं। उनकी संख्या बढ़कर 20 लाख से ज्यादा हो गई है।

दरअसल बिहार के बाद देश के 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में एसआईआर 28 अक्टूबर से शुरू हुआ है। इस प्रोसेस में वोटर लिस्ट का अपडेशन होगा। नए वोटरों के नाम जोड़े जाएंगे और वोटर लिस्ट में सामने आने वाली गलतियों को सुधारा जाएगा।

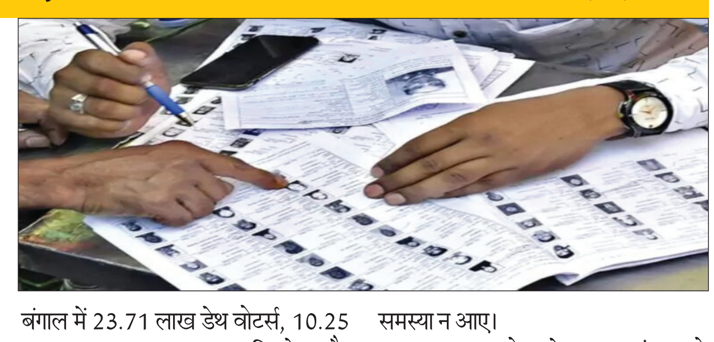

तमिलनाडु में 16 दिसंबर को प्रकाशित होने वाली मसौदा मतदाता सूची से इन नामों को हटाया जा सकता है। यह आंकड़ा राज्य के कुल 6.41 करोड़ मतदाताओं का 13.24फीसदी है। इसमें 44.22 लाख फॉर्म हमेशा के लिए शिफ्ट श्रेणी में हैं। वहीं 26.18 लाख को मृत, 10.73 लाख को अनुपस्थित और 3.5 लाख को डुप्लीकेट श्रेणी में रखा गया है। हालांकि मुख्य चुनाव अधिकारी ने कहा है कि प्रक्रिया अभी चल रही है। ये डेटा फाइनल नहीं है। केरल में अनकलेक्टेबल की लिस्ट में 20.75 लाख लोग हैं। इसमें से 7.39 लाख स्थायी रूप से शिफ्ट हो गए हैं। 6.11 लाख फॉर्म ऐसे लोगों के हैं, जो मर चुके हैं। वहीं 5.66 लाख का पता नहीं चला है। 1.12 लाख नाम डुप्लीकेट हैं। वहीं पश्चिम बंगाल में 23.71 लाख डेथ वोटर्स, 10.25 लाख लापता, 19.08 लाख शिफ्टेड और 1.26 लाख डुप्लीकेट वोटर्स शामिल हैं।

मध्यप्रदेश में 14.88 लाख ऐसे वोटर पाए गए हैं, जिनके नाम 2003 की वोटर लिस्ट से मैच नहीं हो रहे। इनका कोई लिंक न तो ब्लड रिलेशन से मिल रहा है और न ही वोटर लिस्ट में नाम दर्ज है। ऐसे वोटरों के नाम कटना तय माना जा रहा है। निर्वाचन आयोग के अफसरों ने सभी जिला प्रशासन को नो-मैपिंग वाले वोटरों की क्रॉस-चेकिंग करने की हिदायत दी है, ताकि नोटिस जारी करने में कोई समस्या न आए।

चुनाव आयोग ने 30 नवंबर को एसआईआर की समय सीमा एक सप्ताह बढ़ाने का फैसला किया था। आयोग ने कहा था कि अब अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी। मतदाता जोड़ने-हटाने का एन्यूमरेशन पीरियड यानी वोटर वेरिफिकेशन अब 11 दिसंबर तक चलेगा, जो पहले 4 दिसंबर तक तय था। वहीं, पहले ड्राफ्ट लिस्ट 9 दिसंबर को जारी होनी थी, लेकिन अब इसे 16 दिसंबर को जारी किया जाएगा।

सिद्दारमैया को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस: चुनावी वादों पर भ्रष्ट आचरण का आरोप

–चुनाव लड़ने से रोकने की मांग

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया को सुप्रीम कोर्ट ने वरुणा सीट से उनके 2023 के चुनाव के खिलाफ दायर एक याचिका पर नोटिस जारी किया है। याचिका वरुणा क्षेत्र के मतदाता शंकरा ने दायर की है, जिसमें निम्नलिखित की मांग की गई है कि सिद्दारमैया का चुनाव रद्द किया जाए। उन्हें अगले छह साल तक चुनाव लड़ने से रोका जाए।

याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि- 2023 के विधानसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणापत्र में जो पांच वादे किए थे, वे मतदाताओं को रिश्वत देने के समान हैं। यह घोषणापत्र सिद्दारमैया की सहमति से जारी हुआ था, इसलिए उन पर भ्रष्ट आचरण का मामला बनता है। इतना ही नहीं याचिकाकर्ता ने इन वादों को भ्रष्ट आचरण बताकर कहा है कि इनसे पुरुषों के साथ भेदभाव हुआ, जो संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है। प्रत्येक घर को 200 यूनिट मुफ्त बिजली, प्रत्येक महिला मुखिया को 2,000 रुपए प्रतिमाह, प्रत्येक बीपीएल परिवार के सदस्य को 10 किलो अनाज प्रतिमाह, बेरोजगार ग्रेजुएट्स को 2 साल तक 3,000 रुपए प्रतिमाह, डिप्लोमा धारकों को 1,500 रुपए प्रतिमाह और राज्य में सभी महिलाओं के लिए सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा।

हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का रुख

कर्नाटक हाईकोर्ट- अप्रैल में याचिका को यह कहकर खारिज कर दिया था कि चुनाव में किए गए वादे करप्ट प्रैक्टिस (भ्रष्ट आचरण) की श्रेणी में नहीं आते। सुप्रीम कोर्ट (जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच)-शुरुआत में बेंच ने याचिका खारिज करने की इच्छा जाहिर की है। हालांकि, अदालत को तमिलनाडु के लंबित मामले (एस. सुब्रमण्यम बालाजी बनाम तमिलनाडु सरकार, 2013) की जानकारी दी गई, जिसमें समान चुनावी वादों को भ्रष्ट आचरण माना जाए या नहीं, इस पर तीन न्यायाधीशों की बेंच के सामने चुनौती लंबित है। इसी कारण, सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में भी सुनवाई की अनुमति दी और सिद्दारमैया तथा अन्य पक्षों को जवाब देने के लिए नोटिस जारी किया। यह मामला भारतीय राजनीति और चुनावी नियमों के बीच एक महत्वपूर्ण कानूनी बहस बन गया है। सुप्रीम कोर्ट की अगली सुनवाई में यह तय होगा कि चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादों को कानूनी रूप से भ्रष्ट प्रैक्टिस माना जा सकता है या नहीं।

बीकानेर बार्डर पार करने की कोशिश कर रहे छात्र को सुरक्षाबलों ने पकड़ा, जासूसी का शक

–पाकिस्तान के रावलपिंडी में रहती है प्रेमिका, 2017 में जेल में हुई थी मुलाकात

बीकानेर (एजेंसी)। राजस्थान के बीकानेर के खाजूवाला सेक्टर में सुरक्षाबलों ने भारत-पाकिस्तान सीमा के पास पाकिस्तान में घुसने की कोशिश करते हुए आंध्र प्रदेश के एक बीटेक ग्रेजुएट छात्र को पकड़ा गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी का नाम प्रशांत वेदम है, जो विशाखापट्टनम का रहने वाला है। उसने सुरक्षा एजेंसियों को बताया कि वह पाकिस्तान में रहने वाली अपनी प्रेमिका से मिलने सीमा पार करने की कोशिश कर रहा था। वह एक बार पहले भी बॉर्डर पार कर पाकिस्तान जा चुका है।

मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि प्रशांत वेदम शुक्रवार दोपहर को खाजूवाला में एक बस से उतरा और इंटरनेशनल बॉर्डर की चला गया, तभी आर्मी कैंप के चक 17 के पास सैनिकों को उसका व्यवहार संदिग्ध लगा और उन्होंने उसे रोक लिया। थोड़ी देर पूछताछ के बाद उन्होंने उसे खाजूवाला पुलिस को सौंप दिया। खाजूवाला एसएचओ के मुताबिक प्रशांत वेदम खुलेआम पाकिस्तान जाने की बात कर रहा था और सीमा पार करने का आसान रास्ता ढूंढ रहा था। आर्मी इंटेलिजेंस को इसकी जानकारी मिली और उसे तुरंत पकड़ लिया। जांच अधिकारियों को शक है कि वह पाकिस्तान लौटने की कोशिश कर रहा था, उसके पाकिस्तान जाने का असली मकसद पूछताछ के बाद ही पता चलेगा। एसएचओ ने कहा कि अब उससे आर्मी और सुरक्षा एजेंसियां पूछताछ करेंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच में पता चला कि यह प्रशांत वेदम की पहली कोशिश नहीं थी। वह पहले 2017 में बीकानेर में करणी पोस्ट के रास्ते पाकिस्तान गया था। उस समय उसे पाकिस्तानी सेना ने गिरफ्तार कर लिया था और वह 2021 तक उनकी हिरासत में रहा था, जिसके बाद उसे अटारी बॉर्डर के रास्ते भारत भेज दिया गया। दोबारा यात्रा करने की उसकी कोशिश ने उसके बयान पर शक पैदा कर दिया है और आर्मी को भी उसके दावों पर शक है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एसएचओ ने बताया कि वह दावा कर रहा है कि उसे पाकिस्तान में एक महिला से प्यार हो गया था जिसे वह अपनी गर्लफ्रेंड प्रविता बता रहा है जो दूसरी सेल में जेल में थी जो रावलपिंडी में रहती है। प्रशांत ने पुलिस को बताया है कि वह उससे मिलने के लिए पाकिस्तान वापस जा रहा था। यह साफ नहीं है कि वह अभी भी उस लड़की के संपर्क में था या नहीं। अधिकारी ने बताया कि आंध्र प्रदेश में प्रशांत के परिवार को सूचना दे दी गई है और उसका भाई अधिकारियों की मदद के लिए खाजूवाला आने के लिए निकल गया है। उसके भाई ने बताया कि प्रशांत वेदम को कुछ मानसिक स्वास्थ्य समस्या है।

रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि प्रशांत बीटेक ग्रेजुएट है। वह चीन और अफ्रीका में भी काम कर चुका है। पुलिस ने बताया कि प्रशांत को अब खाजूवाला में सेफ हाउस में रखा गया है, जहां अलग-अलग खुफिया एजेंसियां उससे मिलकर पूछताछ कर रही हैं ताकि यह पता चल सके कि यह सीमा पार जासूसी का मामला तो नहीं है।

इंडिगो संकट... क्या डीजीसीए के फरमान के बाद भी लापरवाह बना रहा कंपनी का हाई-प्रोफाइल बोर्ड

–कंपनी की आंतरिक निगरानी प्रणाली की क्षमता पर भी प्रश्नचिह्न लगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो बीते पांच दिनों से गंभीर परिचालन संकट में है, जिससे हजारों यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी है। उड़ानों के लगातार रद्द और विलंब होने से एयरपोर्ट्स पर अराजकता का माहौल बना हुआ है। इस घटना ने न केवल इंडिगो के संचालन मॉडल पर सवाल उठा दिए हैं, बल्कि कंपनी के हाई-प्रोफाइल बोर्ड और उसकी आंतरिक निगरानी प्रणाली की क्षमता पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया हैं। सवाल उठ रहे हैं कि क्या इंडिगो प्रबंधन और बोर्ड ने संकट की आशंका को देखकर कोई ठोस रणनीति बनाई गई थी।

मामले के केंद्र में पायलटों के लिए लागू होने वाले फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियम हैं, जिन्हें नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने जनवरी 2024 में अधिसूचित किया था। शुरुआत में यह नियम 1 जून 2024 से लागू होने थे, लेकिन एयरलाइंस कंपनियों के विरोध के चलते इन्हें बाद में दो चरणों में 1 जुलाई और 1 नवंबर 2025 से लागू करने का फैसला हुआ। इसके बावजूद, इंडिगो इन्हें लागू करने की तैयारी समय रहते नहीं कर सकी, इसके परिणामस्वरूप पायलटों की कमी और ड्यूटी शेड्यूल में अव्यवस्था पैदा हुई और संचालन चरमरा गया।

रिपोर्ट के अनुसार, इंडिगो के बोर्ड में कई जानी-मानी हस्तियां हैं, लेकिन उनके बावजूद ऐसी चूक होना हैरान करने वाला है। बोर्ड में इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज के ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर और एयरलाइन के सह-संस्थापक राहुल भाटिया, पूर्व जी20 शेरपा अमिताभ कांत, सेबी के पूर्व चेयरमैन दामोदरन, पूर्व एयर चीफ मार्शल बीएस धनोआ, शार्दुल अमरचंद मंगलदास एंड कंपनी की मैनेजिंग पार्टनर पल्लवी श्रॉफ, ट्रांस वर्ल्ड एयरलाइंस के पूर्व वकील माइक व्हिटेकर और चेयरमैन विक्रम मेहता जैसे नाम शामिल हैं। इसके बावजूद, तैयारी में कमी उजागर होने से बोर्ड की जवाबदेही पर तीखी आलोचना हो रही है।

वहीं डीजीसीए पर भी सवाल उठ रहे हैं कि क्या नियामक समय रहते स्थिति को भांप सका था। हालांकि डीजीसीए ने कहा है कि उसने तैयारी पूरी करने के लिए एयरलाइन को लगातार चेतावनी और निर्देश दिए थे। यह पूरा मामला न केवल प्रबंधन क्षमता, बल्कि भारत की विमानन नियामक व्यवस्था की प्रभावशीलता पर भी गंभीर बहस छेड़ चुका है। यात्रियों की असुविधा का सिलसिला जारी है और अब सभी की निगाहें इंडिगो की सुधारात्मक कार्रवाई पर टिकी हैं।

झंडेवालान में निगम की कार्रवाई पर पुलिस को करना पड़ा विरोध का सामना

दिल्ली। झंडेवालान में शनिवार को एमसीडी की बुलडोजर कार्रवाई से इलाके में दिनभर तनाव बना रहा। 80 साल पुरानी पीर रतननाथ की मंदिर-दरगाह का हिस्सा टूटने की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में अनुयायी वहां पहुंच गए और विरोध शुरू कर दिया। पुलिस ने हालात संभालने के लिए कई लोगों को हिरासत में लिया, जबकि मौके पर देर शाम तक सुरक्षा बल तैनात रहे। सुबह करीब आठ बजे एमसीडी की टीम झंडेवालान पहुंची और पीर रतननाथ की पुरानी मंदिर-दरगाह के हिस्से को तोड़ने की कार्रवाई शुरू की। यह जगह नाथ परंपरा से जुड़ी मानी जाती है, जहां भैरवनाथ, शिव और अन्य देवताओं के साथ पीर रतननाथ की दरगाह भी है। इस मिलेजुले स्वरूप के कारण हिंदू, मुस्लिम और अन्य समुदायों के लोग यहां आस्था व्यक्त करते हैं। अनुयायियों के मुताबिक, करीब 1500 साल पहले गुरु गोरखनाथ के शिष्य रतननाथ हुए और करीब 80 साल पहले बाबा मनमोहन दास ने इस स्थान की स्थापना की थी। यहां बाबा मनमोहन दास और बाबा परिपूर्ण दास की समाधियां भी हैं। इसलिए कहा जाता है मंदिर-दरगाह = द्वारका से आए सेवादार शिव ने बताया कि मंदिर का कुछ हिस्सा तोड़ दिया गया। शनिवार को हम यहां छबील बांटने आए थे, आज चार बसें भरकर सेवादारों को हिरासत में ले गए। फरीदाबाद से पहुंचे राम नारायण ने कहा कि यह जगह सभी धर्मों की आस्था का केंद्र है। हरि, श्री, भोलेनाथ सब एक जगह विराजते हैं और मुस्लिम समुदाय भी यहां सजदा करता है। इसलिए इसे मंदिर-दरगाह कहा जाता है। कार्रवाई शुरू होते ही सूचना तेजी से फैली और दिल्ली-एनसीआर के अनुयायी बड़ी संख्या में यहां पहुंचे। उन्होंने भाजपा सरकार और नगर निगम पर आस्था को चोट पहुंचाने का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि इस तरह की कार्रवाई से बड़ा विरोध पैदा होगा। दिनभर चली तोड़फोड़ के बाद देर शाम प्रशासन ने कार्रवाई वाली जगह को ग्रीन आयरन शीट से ढक दिया। भारी पुलिस फोर्स और आरएएफ तैनात कर इलाके को पूरी तरह घेर लिया गया। बैरिकेडिंग लगाकर किसी को भी स्थल के पास जाने की अनुमति नहीं दी गई।

पहले बहन से की कोर्ट मैरिज...अब जीजा ने किया साले का कत्ल, सामने आया ये कारण; केशव हत्याकांड की पूरी कहानी

मेरठ। यूपी के मेरठ के वेस्ट एंड रोड निवासी राधेश्याम सोनकर के बेटे केशव (25) की बृहस्पतिवार देर रात उसके बहनोई ने गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपी ने जिस समय केशव के सीने से तमंचा सटाकर गोली मारी उस समय केशव की मां भी वहां खड़ी थीं। केशव एलएलबी अंतिम वर्ष का छात्र था। बहन टीना के मायके में रहने के कारण उसका अपने बहनोई अंश से विवाद चल रहा था और पहले कहासुनी भी हो चुकी थी। केशव के पिता राधेश्याम ने अपने दामाद अंश उसके चार दोस्तों के नामजद और सात-आठ अज्ञात युवकों के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई है। हत्यारोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर लोगों ने शुक्रवार को वेस्ट एंड पर आधे घंटे जाम लगाया। पुलिस ने हत्यारोपी अंश और उसके दोस्त आयुष को गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से तमंचा और स्कूटी बरामद हुई है। मृतक के पिता मेरठ विकास प्राधिकरण के कर्मचारी राधेश्याम सोनकर ने बताया कि बृहस्पतिवार रात 12.40 बजे केशव अपने मकान पर था। इसी दौरान उसके बहनोई अंश ने फोन करके उसे घर से बाहर वेस्ट एंड रोड पर बुलाया। जैसे ही वह घर के बाहर आया तो उसके सीने में गोली मार दी। इसके बाद हमलावर बाइक पर सवार होकर भाग गए। बृहस्पतिवार रात अंश ने केशव को फोन करके घर से बाहर बुलाया था। केशव बाहर निकला तो मां सोनू ने जाने से मना किया लेकिन केशव नहीं माना। मां सोनू भी उसके पीछे चल दी। सड़क पर बाइक लेकर अंश और उसका दोस्त आयुष बंसल खड़े थे। इसी बीच आरोपियों ने तमंचे से केशव के सीने में सटाकर गोली मार दी। हत्या की वारदात दीवान पब्लिक स्कूल के सामने लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में दिख रही है।

फुटेज को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। पिता राधेश्याम ने बताया कि केशव मवाना रोड स्थित ट्रांसलेम कॉलेज का छात्र था। शुक्रवार को उसका अंतिम पेपर था। केशव परतापुर में एक सॉफ्टवेयर कंपनी में जॉब भी करता था। परिजनों ने अनुसार केशव की आगरा में रिश्ते की बात चल रही थी। शुक्रवार को ही लड़की वाले उसे देखने आने वाले थे। उसकी हत्या से परिजनों का रोकर बुरा हाल है। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि केशव राधेश्याम सोनकर का इकलौता बेटा था। छोटी बेटी टीना ने जनवरी 2025 में अंश के साथ कोर्ट मैरिज की थी। बाद में दोनों के बीच मनमुटाव होने पर टीना अपने घर आ गई थी। वह काफी समय से मायके में ही रह रही है। इसी बात पर केशव और अंश में भी कहासुनी होती थी। आरोप है कि इसी विवाद में केशव की हत्या की गई है। एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने बताया कि हत्यारोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन टीम लगाई गईं हैं। मुख्य आरोपी अंश और उसके दोस्त आयुष को गिरफ्तार कर लिया है बाकी आरपियों की तलाश की जा रही है। एफएसएल टीम ने भी साक्ष्य एकत्र किए है। मृतक के मोबाइल फोन से भी कॉल डिटेल निकाली जा रही है। मेरठ विकास प्राधिकरण में कर्मचारी राधेश्याम सोनकर का बड़ा बेटा केशव था। इसके बाद दो बेटी भावना और टीना है। अंश का परिवार भी पड़ोस में रहता था। सीओ नवीना शुक्ला के अनुसार जनवरी में टीना घर से जेवरात व नकदी लेकर अंश के साथ चली गई थी। टीना के परिजनों ने अंश के खिलाफ अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। बाद में टीना और अंश ने कोर्ट मैरिज कर ली थी। टीना ने कोर्ट में अंश के पक्ष में बयान दिए। पुलिस ने केस में फाइनल रिपोर्ट लगा दी थी। दोनों की जाति अलग है। परिजनों ने विरोध किया तो अंश और उसके परिजन रोहटा रोड पर फाजलपुर में रहने लगे थे। केशव की हत्या के बाद आक्रोशित परिजन रोहटा रोड स्थित फाजलपुर में अंश के घर पहुंच गए और तोड़फोड़ कर दी। उन्होंने बाइक को भी तोड़ दिया। आगजनी की कोशिश भी की। ग्रामीणों ने भी परिजनों को शांत कराने का प्रयास किया। कंकरखेड़ा और अन्य थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले को शांत कराया।

दिन में भी ठंडी हवाएं करा रही सिहरन महसूस

नई दिल्ली। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी से राजधानी में ठंडी हवाएं चल रही है। ऐसे में रविवार को आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे और सुबह के समय धुंध छाई रहेगी। दिन में तेज सतही हवाएं 15-20 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से चलेगी। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान 24 और 9 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहेगा। ऐसे में लोगों को सुबह-शाम ठंडक का अहसास होगा। साथ ही, दिन में ठंडी हवाएं लोगों को परेशान करेगी। आने वाले दिनों में पारा 6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। इधर, शनिवार को सुबह से ही मौसम में ठंडक बनी हुई थी। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, वैसे-वैसे दिन में सूरज की गर्मी का हल्का अहसास हुआ। इसी बीच अधिकतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.7 डिग्री कम रहा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया, जो मौसम के औसत से 2.7 डिग्री अधिक रहा। दिल्ली में अधिकतम आर्द्रता 100 प्रतिशत और न्यूनतम आर्द्रता 40 प्रतिशत रही। वहीं, आया नगर सबसे ठंडा इलाका रहा। यहां न्यूनतम पारा 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा, लोधी रोड में 6.8, पालम में 7.5 और रिज में 8 न्यूनतम पारा दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, 8 से 12 दिसंबर तक दिल्ली में मौसम मुख्य रूप से साफ रहेगा।सुबह के समय हल्का कोहरा या धुंध रहने की संभावना है, जबकि दिन में तेज धूप और हल्के बादल रहेंगे। न्यूनतम तापमान 6 से 8 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 23 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। 8 दिसंबर को अधिकतर आसमान साफ रहेगा, लेकिन सुबह धुंध छाएगी। इसके अलावा, एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है।

किराना दुकान में लगी आग, शटर फंसने से दंपति नहीं निकल पाए बाहर

दिल्ली। दिल्ली में मुंडका के टिकरी कलां इलाके में शुक्रवार रात एक किराना दुकान में आग लगने से दंपती की मौत हो गई। मृतकों की शिनाख्त 31 साल के विनीत और 29 साल की रेणू के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी और आसपास लटके प्लास्टिक के पैकेट में लगने से आग फैल गई। जानकारी के अनुसार शटर में करंट फैल जाने से दंपति दुकान से बाहर नहीं निकल पाए और दोनों का दम घूंट गया। पुलिस कर्मियों ने किसी तरह से शटर को खोलकर दोनों को अचेत अवस्था में बाहर निकालकर पास के अस्पताल में लेकर गए। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि शुक्रवार रात करीब साढ़े आठ बजे स्कूल वाली गली, लेखराम पार्क, टिकरी कलां स्थित एक दुकान में आग लगने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने लकड़ी के लट्ठे से शटर को जबरदस्ती खोला और अचेतावस्था में पड़े दंपती को ऑस्कर अस्पताल बहादुरगढ़ ले गई, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। आस पास मौजूद लोगों और छानबीन में पता चला कि दुकान के काउंटर एरिया में शॉर्ट सर्किट होने से आग लगी। आग, धुएं और शटर से गजर रहे बिजली के करंट की वजह से पति-पत्नी बाहर नहीं निकल पाए।

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client Mrs. Poonam is the owner of Shop/House No. 216 area measuring 106 sq. yds. situated in Punjabi Mohalla Ward No.3 Lal Dora tehsil Ballabgarh, Faridabad, Haryana vide Transfer Deed which was registered as Doc No. 8532 in Book No.1, Vol No. 10/199 on pages 130.5/25-27 on date 24.01.2024 and Intend to mortgage the said property with Godrej Finance Limited. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 14 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot no. 100, First Floor
Okhla Phase III, Okhla Industrial
Estate, New Delhi – 110 020
Contact #011-49774545

NAME CHANGE
I hitherto known as Amrish Pal S/O: Surender Nath Pal, R/O Tea Stall Temporary, Gate No-2, Near SPA Hospital, Khizrabad, New Friends Colony, South Delhi, Delhi -110025, have changed my name and shall hereafter be known as Ram Pal.

NAME CHANGE
I FIROZ AHMAD ANSARI S/O BABU KHAN R/O HOUSE NO -B- 464 STREET NO-6 B-BLOCK NEHRU VIHAR NEW MUSTAFABAD MUSTAFABAD NORTH EAST DELHI 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO FIROZ AHMAD

Public Notice
It is for general information that I Kanhiya Lal S/O Chhedi Lal, R/O 2129/2, Gali No-3, Prem Nagar, Patel Nagar, Central Delhi, Delhi 110008, declare that name of mine has been wrongly written as Kanhaiya Lal in my minor daughter namely Sandhya Sharma aged 16 years in his 10th class educational documents.The actual name of mine is Kanhiya Lal, which May Be amended accordingly .

NAME CHANGE
I, MOHD ASLAM S/O MUNNAN KHAN Residing at C-162 F/F GALI NO-14 SUBHASH MOHALLA NORTH GONDA, DELHI 110053 have changed my name to MOHD ASLAM KHAN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SHAHINA W/O MOHD ASLAM KHAN Residing at C-162 F/F GALI NO-14 SUBHASH MOHALLA NORTH GONDA, DELHI 110053 have changed my name to SHAHINA PARVEEN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD ALI S/O MOHD ANIS Residing at H No-666 GALI NO-26 JAFRABAD DELHI 110053 have changed my name to MOHD ALI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SHAISTA W/O MOHD ALI Residing at H No-666 GALI NO-26 JAFRABAD DELHI 110053 have changed my name to SHAISTA PRAVEEN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD ANIS S/O SAEED AHMAD Residing at H No-D-206 STREET NO-2 KABIR NAGAR DELHI 110094 have changed my name to MOHD ANIS for all future purpose.

NAME CHANGE
It is for general information that I, PUSHKAR SINGH S/o PREM SINGH, R/o Quarter No. 501, Type-3, Block-D, Fifth Floor, Mohmmadpur R K Puram (Main), PO: R K Puram (Main), Dist. South West Delhi, Delhi-110066, declare that name of mine has been wrongly written as PUSKAR SINGH BISHT in my Service Record. Name of mine and my father have been wrongly written as PUSKAR SINGH GAIRA and PREM SINGH GAIRA in my 10th class Educational Documents. The actual name of mine and my father are PUSHKAR SINGH and PREM SINGH respectively.

NAME CHANGE
I, DEVANTI DEVI, M/O SERVICE NO. JC-394173M, RANK NB SUB SHYAM SAROJ TIWARY, UNIT 3IDSR R/O VILLAGE-SARSIWAN, POST-KRISHNAGARH, DIST.-BHOJPUR (ARA), STATE-BIHAR - 802313, wrongly mentioned my name DIVANTI DEVI and Date of birth is 01 July 1960 in my son service record. I have changed my name from DIVANTI DEVI and date of birth 01 July 1960 to DEVANTI DEVI and date of birth 12.04.1961 Vide Affidavit No. 03 Dated 24.11.2025. Before Notary Public Jharkhand.

NAME CHANGE
I ARSHAD FAROOQI S/O MOHD SWALEHEEN R/O F-317/2,4/F FRONT SIDE GALI NO 23 CHAND BAGH NORTH EAST DELHI 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD ARSHAD

NAME CHANGE
I, hitherto known as PARVEEN S/O MOHD. ASLAM R/O WARD NO-26, SILVER CITY, LONI DEHAT, PO-LONI, DIST GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201102 have changed my name and shall hereafter be known as MD PARVEZ.

NAME CHANGE
I, BINOD KUMAR TIWARI, F/O SERVICE NO. JC-394173M, RANK NB SUB SHYAM SAROJ TIWARY, UNIT 3IDSR C/O 56APO LEH (KARU) HOME ADDRESS-VILLAGE-SARSIWAN, POST-KRISHNAGARH, DIST.-BHOJPUR (ARA), STATE-BIHAR - 802313, wrongly mentioned my name as VINOD TIWARI and date of Birth is 01 July 1957 in my son service record, I have changed my name from VINOD TIWARI and date of birth 01 July 1957 to BINOD KUMAR TIWARI and date of birth 12.08.1961. Vide Affidavit No. 04, Dated 24.11.2025. Before Notary Public Jharkhand.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Mrs. Khursida in respect of **Property/Plot Bearing No.32, area measuring 60 sq. yards i.e.50.16 sq. meters, Carved out of Khasra No.475, Situated at Village-Loni (Within Chakbandi) in Block-B, Lakshmi Enclave, Pargana & Teshil-Loni, District-Ghaziabad, U.P**; claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Phone No: 011-49774545

NAME CHANGE
I TAMEEM JAHAAN W/O AZIZUL HUSSAIN R/O H.NO 486 BLOCK -A, OLD SEEMAPURI SHAHDARA DELHI- 110095, I have changed my name to TAMEEM JAHAN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I VISHNU DUTT S/O MUKH RAM SHARMA R/O , H NO- 601, 6TH FLOOR EVERGREEN SOCIETY SECTOR -2 BALLABGARH FARIDABAD HARYANA -121004, I have changed my name to VISHNU DUTT SHARMA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I mohammad tahoor S/O maqsood rahat R/O h no- 2487 bazar chitli qabar jama masjid chandani mahal delhi 110006 changed my name to mohd tahoor

NAME CHANGE
I Anita W/O dayal singh R/O 124-A-main chander vihar A-block mandawali delhi 110092 changed my name to Anjali.

NAME CHANGE
I hitherto known as Buddhe W/o Shri Karan singh R/o Village Girdharpur, Post Gurukul Sikandrabad Distt. Gautam Budh nagar U.P. 203202 have change my name and shall hereafter be known as Budhi Devi.

NAME CHANGE
I hitherto known as SOHAIL ARORA S/o JITENDER KUMAR R/o C-147 B, UGF, Moti Nagar, Ramesh Nagar, West Delhi, Delhi-110015, have changed my name and shall hereafter be known as SAMARTH ARORA, for all future purposes.

NAME CHANGE
I Akhilesh Kumar S/o Kalar R/o Chaklapurva, Rasyora, Sitapur, Uttar Pradesh - 261001, have changed my name to Guddu.

NAME CHANGE
I Kuldeep Singh S/o Rajveer Singh R/o Nagala Khiman, Darbatpur, Auraiya, Uttar Pradesh - 206120, have changed my name to Manoj Kumar.

PUBLIC NOTICE
Be it known to all concerned that my client Sh. SANJEEV KUMAR, S/o-KAMAL KANT Resident of RZ-211 D, Gali No.-13, Kailash Puri Extention, P.O.-Palam Village, District-Najafgarh, New Delhi-110045. By mistake Sanjeev Kumar's name was written as Sanjay Kumar in the medical document of his son Aviraj Kumar, date of birth 25/11/2022 (Shri Dadadev Matri Shishu Chikitshalaya, Dabri, Dwarka Road, Dabri, and MCDOLIR-0122-06122606 32. Now my client is declaring through this public notice that Sanjeev Kumar and Sanjay Kumar is one and same person and her correct and true name is SANJEEV KUMAR.
VIJAY SHANKAR GANDHI, Advocate Chamber No. 851, Dwarka Court Complex, New Delhi

NAME CHANGE
I, KISHAN MOHAN JHA S/o Radhakant Jha R/o H.No.858, N,I.T, Nangla Enclave, Part-2, Faridabad, Haryana-121005, have changed my name to KRISHAN MOHAN JHA permanently

NAME CHANGE
I, MANAWAR NAAZ / MANWAR NAAZ W/o Zakir Khan R/o J-3/106 B, J EXTN., Jawahar Park, near Anar Wali Masjid, Laxmi Nagar, Delhi-110092, have changed my name to MUNAWWAR NAAZ permanently

NAME CHANGE
I, SUNNY LODHWANI S/o Duni Chand Ledhwani R/o D-527, Tagore Garden Extension, New Delhi-110027, have changed my name to SUNNY LEDHWANI permanently.

NAME CHANGE
I KM ERAM ANIS W/O SHAFIQ AHMAD R/O HOUSE NO-116 GALI NO-2 OLD MUSTAFABAD MUSTAFABAD NORTH EAST DELHI 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO ERAM SHAFIQ

NAME CHANGE
I ANAM D/O LATE ZAKIR HUSSAIN R/O 28-A 1ST FLOOR BHARAT NAGAR NEW FRIENDS COLONY SOUTH EAST DELHI 110025 HAVE CHANGED MY NAME TO ANAM ZAKIR

NAME CHANGE
I, No-14862140M Rank-SEP Name-KRISHNA ISHWAR NAIK Presently residing at VILL-MANKI, PO-TALA-MAKKI, TEH-HONNAVAR, DIST-UTTARA KANNADA, KARNATAKA-581348, have changed my mother's name from LAXMI ISHWAR NAIK to LAKSHMI ISHWAR NAIK for all future purposes vide Affidavit dated 08/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-14862140M Rank-SEP Name-KRISHNA ISHWAR NAIK Presently residing at VILL-MANKI, PO-TALA-MAKKI, TEH-HONNAVAR, DIST-UTTARA KANNADA, KARNATAKA-581348, have changed my father's name from ISHWAR NAIK to ISHWAR NARAYAN NAIK for all future purposes vide Affidavit dated 08/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RAWATI SINGH W/O ARUN KUMAR SINGH R/O C-1305, CORONA OPTUS, SECTOR-37C, GAROLI KALAN (48), BASAI, GURGAON, HARYANA-122006, HAVE CHANGED MY NAME TO REWTI SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, SANDEEP R/O 26, OLD CHAUPAL CHOWK, SAMAS PUR KHALSA, DELHI-110073, HAVE CHANGED MY MINOR DAUGHTER NAME FROM MINAL TO MINAL DAGAR FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, P SOBHA Mother of No-15714004A Rank-HAV Name-SREEKANTH S Presently residing at VILL-VELLANAD, PO-PUTHUKULANGARA, TEH-NEDUMANGAD, DIST-TRIVANDRUM, KERALA-695541, have changed my name from P SOBHA to SOBHA P for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1968 instead of my correct date of birth as 01/01/1964 vide Affidavit dated 08/12/2025 before Notary Public Delhi.

उत्तर रेलवे के छह प्रमुख स्टेशनों की पार्किंग होगी पूरी तरह डिजिटल, लगेगी मनमानी पर रोक

नई दिल्ली। रेलवे ने पार्किंग में मनमानी और अतिरिक्त शुल्क वसूली की शिकायतों को देखते हुए उत्तर रेलवे के छह स्टेशनों तुगलकाबाद, मुरादनगर, शामली, सांपला, नरवाना और बुढलाडा की पार्किंग व्यवस्था पूरी तरह डिजिटल बनाने का निर्णय लिया है। जल्द ही इन पार्किंगों का ठेका नए ठेकेदारों को दिया जाएगा, जिन्हें बिना डिजिटल रसीद अतिरिक्त राशि वसूलने पर सख्त रोक रहेगी। नई प्रणाली के तहत सभी पार्किंग में डिजिटल पेमेंट अनिवार्य होगा। ठेकेदारों को क्यूआर कोड, पीओएस मशीन और फास्टैग आधारित स्वचालित एंट्री-एग्जिट सिस्टम लगाना होगा। वाहन का समय ऑटोमैटिक रिकॉर्ड होगा और उसी आधार पर बिल बनेगा। रसीद सीधे मोबाइल पर उपलब्ध होगी। संबंधित स्टेशनों पर पार्किंग ठेकेदारों की मनमानी और तय दरों से अधिक वसूली की शिकायतें लगातार मिलती रही हैं, जिनमें कई शिकायतें सोशल मीडिया तक पहुंचीं। समीक्षा में सामने आया कि कई जगह लंबे समय से एक ही ठेकेदार काम कर रहा था। अब ठेके केवल उन्हीं एजेंसियों को मिलेंगे जो पूरी तरह कैशलेस और डिजिटल सिस्टम लागू करेंगी। हर पार्किंग पर रेट लिस्ट हिंदी, अंग्रेजी और पंजाबी में लगाना अनिवार्य होगा। छह स्टेशनों के लिए नए ठेके पारदर्शी ओपन टेंडर प्रक्रिया से दिए जाएंगे। 15 दिसंबर की ई-नीलामी के बाद चुने गए ठेकेदार को तुरंत डिजिटल सिस्टम स्थापित करना होगा। साथ ही हर पार्किंग पर सीसीटीवी कैमरे, लाइट और सुरक्षा गार्ड अनिवार्य होंगे। ठेकेदार को शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करनी होगी और लापरवाही पाए जाने पर अनुबंध रद्द किया जा सकेगा। नई डिजिटल व्यवस्था से यात्रियों को अतिरिक्त शुल्क वसूली और रसीद न मिलने जैसी समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। रेलवे का उद्देश्य पार्किंग को आधुनिक मानकों पर लाना है। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और राजस्व में भी सुधार होगा। रेलवे भविष्य में अन्य स्टेशनों पर भी इसी तरह की डिजिटल पार्किंग प्रणाली लागू कर सकता है।

बरेली में 27 घरों के ध्वस्तीकरण पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक, दो माह तक नहीं होगी कार्रवाई

बरेली। बरेली के शाहबाद क्षेत्र में 27 घरों के ध्वस्तीकरण पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। इन घरों को नगर निगम ने अवैध बताकर ध्वस्तीकरण के नोटिस जारी किए थे। इसके बाद 27 मकानों के मालिक हाईकोर्ट की शरण में पहुंचे थे। हाईकोर्ट की डबल बेंच से उनको बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने दो माह का समय दिया है। इस अवधि में आवेदक अपना प्रत्यावेदन जमा कर सकते हैं। तब तक नगर निगम वहां कार्रवाई नहीं करेगा। नगर निगम द्वारा जिन घरों के लिए नोटिस जारी किए गए थे, उनमें प्रधानमंत्री आवास योजना के मकान भी शामिल थे, जिससे प्रभावित परिवारों ने याचिका दायर की थी। अदालत ने मामले की सुनवाई के लिए दो माह का समय निर्धारित किया है। नगर आयुक्त ने भी इसकी पुष्टि कर दी है। उन्होंने कहा है कि कोर्ट ने दो महीने तक कार्रवाई पर रोक लगाई है हाईकोर्ट के आदेश के बाद प्रभावित परिवारों को फिलहाल राहत मिली है, जो लगातार ध्वस्तीकरण नोटिस के खिलाफ आवाज उठा रहे थे।

हवा की गति धीमी, बेहद खराब श्रेणी में प्रदूषण बरकरार

नई दिल्ली। राजधानी में हवा की गति सुस्त रहने से प्रदूषण बेहद खराब श्रेणी में बरकरार है। शनिवार सुबह की शुरुआत धुंध और हल्के कोहरे से हुई। वहीं, आसमान में स्मॉग की हल्की चादर भी दिखी। इसके चलते दृश्यता भी कम रही। लोग मास्क पहने नजर आए। साथ ही, सांस के मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 330 दर्ज किया गया। यह हवा की बेहद खराब श्रेणी है। इसमें शुक्रवार की तुलना में 3 सूचकांक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। दूसरी ओर, एनसीआर में नोएडा की हवा सबसे अधिक प्रदूषित रही।

NAME CHANGE
It is for general information that I HINA KHAN D/O ISHAKAT ALI KHAN, R/O H No – 2516/27 , Urban Apartment T.F/F.S , Tughlakabad Extension , Kalkaji , PO: Kalkaji , DIST: South Delhi , Delhi-110019, declare that name of mine, my father and my mother has been wrongly written as HINA , ISHKAT and AMINA in my 12th class educational documents. The actual name of mine, my father and my mother are HINA KHAN , ISHAKAT ALI KHAN and AMINA BI KHAN respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as MOHAMAD WASEEM S/O MOHAMAD ILYAS R/O D – 13 , KH No – 25/24/1 , Meer Vihar , VTC : Madan Pur Dabas , Rani Khera , North West Delhi , Delhi - 110081 have changed my name and shall hereafter be known as WASEEM MIRZA.

NAME CHANGE
I Ved Parkash S/o Shyam Lal R/o WZ 164, Street No 3, Tihar Village, District West, Delhi - 110018 have changed my name to Ved Prakash Choudhary for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I RANJEET KUMAR SONI S/O JOGENDRA SHAH R/O H.NO.-12 GUPTA ENCLAVE VIKAS NAGAR, UTTAM NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110059, declare that name of mine and my wife have been wrongly written as RANJEET KUMAR and REENA in my minor daughter namely PRIYANSHI SONI aged 15 years in her 10th Class educational documents and Birth Certificate No. MCDOLR10006295. The actual name of mine and my wife are RANJEET KUMAR SONI and REENA DEVI respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It Is for general information that I, JAGDISH PRASAD S/O CHHOTE LAL R/O W-167, Prem Nagar-2, Kirari, Suleman Nagar, North West Delhi, Delhi-110086 declare that name of mine has been wrongly written as JAGDISH PRASAD CHAURSIYA in my minor daughter namely KRITIKA CHAURASIYA aged 16 years in her 10th class educational documents. The actual name of mine is JAGDISH PRASAD which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
I,hitherto known as VISHU BUDHIRAJA S/o Harish Budhiraja R/o P-410, Supertech Icon Nyay Khand 1, Indirapuram, Indirapuram, Indirapuram, PO: Shipra Sun City, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201014 have changed my name and shall hereafter be known as BHAVESH BUDHIRAJA

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Mahendra Pal Singh in respect of Residential Vacant Plot area measuring 200 Sq.Yds , Khasra no. 378, Village Kulsera , Pargana Dadri , Tehsil & Distt. Gautambudh Nagar , U.P, for lost property document i.e sale deed dated 04.07.2018 executed by Meharchand in favour of Smt. Aarti Saxena in respect of Property area measuring 42 Sq.Yds. (Doc no. 22703), in U.P., dated .04.07.2018. The document was misplaced on or around 12.02.2025 at 11:43. Online complaint has been lodged on 22.11.2025 vide application no. 20250000854303 with Uttar Pradesh Police. This property is mortgaged with SMFG India Home Finance Company Limited Any person(s)/Institution(s) found/finds the same may please send us to the address mentioned herein. Anyone misusing the same shall be liable for action under relevant provisions of the Law of the Land.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Phone No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given by **Ms. Anita** who is purchasing Residential Plot Area Measuring 50 Sq. Yds., i.e. 41.8 Sq. Mtrs., Khasa No. 35, Situated in Panch Vihar Chipiyana Bujurg Pargna and Tehsil Dadri, District Gautam Budh Nagar from Mr. Rohit Kumar Nagar and Mr. Sumit Kumar Yadav who are the owners of the above-mentioned property vide Sale Deed dated 14.11.2017 which was Registered as Doc. No. 16387, Book No. I, Vol. No. 11081, Pages No. 151 to 168, Dated 14.11.2017, SR-Dadri, Gautam Budh Nagar and will be taking financial assistance from **Motilal Oswal Home Finance Limited.** That the Original Sale Deed dated 22.12.2006 executed by Mr. Babu Ram in favour of Mrs. Akhilesh Singh Parmar in respect of the land admeasuring 50 sq. yards, out of Khasra no. 35, as doc. no. 17710, book no.1, vol. no. 405, Page no. 117 to 130, on 22.12.2006, SRO- Dadri is lost/Misplaced. Public is being warned not to deal with the said document. Any person dealing with the said document would do so at their own risk & responsibility. Owner shall not be liable in any manner whatsoever for any loss incurred by such person. If anybody found these document or notice any misuse of the above mentioned document, Concern person is required to communicate in writing to the undersigned at below address.

Khaitan & Khaitan
Plot no. 100, First Floor
Okhla Phase III, Okhla Industrial
Estate, New Delhi – 110 020
Contact #011-49774545

NAME CHANGE
I SANGITA YADAV W/O ABHISHEK KUMAR R/O PLOT NO - 62&63 BLOCK L-EXTN SOM BAZAR ROAD MOHAN GARDEN UTTAM NAGAR DELHI -110059 I have changed my minor child name SA RAJ RATN YADAV to HARSH YADAV

NAME CHANGE
I, SANA DAUGHTER OF SHRI ZAKIR HUSSAIN R/O HOUSE NO.A-37, GALI NO.1, CHAND BAGH, KARAWAL NAGAR ROAD, DELHI-110094 declare That my mother's correct name is MEHRUNNISHA But wrongly written in my 10th class cerificate record is as MLHRUNISA instead of MEHRUNNISHA. That my mother's name is correct and as MEHRUNNISHA for all future purposes.

NAME CHANGE
I, VINAY S/O DHURU NARAIN GUPTA R/O H NO-B-3/33, SECTOR-11, ROHINI NORTH WEST DELHI, DELHI-110085. have changed my name to VINAY GUPTA for all future purposes.

NAME CHANGE
I SHABANA KHATOON W/O PARVEZ ALAM R/O B-701, AMAN VIHAR , KIRARI SULEMAN NAGAR DELHI-110086, I have changed my name to SHABANA PARVEEN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I MOHD PARVEZ ALAM S/O MUSTAK AHMED R/O, B-701 AMAN VIHAR KIRARI SULEMAN NAGAR DELHI- 110086, I have changed my name to PARVEJ ALAM Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I KAVITA SHARMA W/O DILIP KUMAR SHARMA R/O 115/8 BABA HARI DASS GEETANJALI ENCLAVE JHORODA KALAN DELHI- 110072, I have changed my name to KAVITA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I ZUBAIR S/O MOHD ALTAF R/O 1760 GF LIG,HBC NEAR RAMA SWEETS SECTOR-29 FARIDABAD HARYANA - 121008, I have changed my name to ZUBAIR KHAN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I, KALAWATI DEVI Mother of No-14853038H Rank-HAV Name-SONU MAHTO Presently residing at VPO-KOLHUAN, TEH-CHHAPRA, DIST-CHHAPRA (SARAN), BIHAR-841422, have changed my name from KALAWATI DEVI to KALAVATI DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 08/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, INDRA DEO JHA S/O GANESH JHA R/O D-127, Shiv Enclave, Dichaon Road, Najafgarh, Dist: South West Delhi, Delhi-110043 declare that name of mine and my father has been wrongly written as INDRA DEO and GANESH in my Service Records. The actual name of mine and my father are INDRA DEO JHA and GANESH JHA respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, GUL CHAMAN alias REETU D/O SHABBIR KHAN W/O RAMESH KUMAR R/O H.No-350, L-Block, Gali No-5, Sunder Nagari, Nand Nagri, North East Delhi, Delhi-110093 do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced HINDUISM religion and renounced ISLAM religion with effect from 18-08-2022. have changed my name and shall hereafter be known as REETU.

NAME CHANGE
I Harneet Kaur Makker w/o Gurmeet Singh Makkad r/o 220 - E , SECOND FLOOR, MIG GREEN FLATS, RAJOURI GARDEN, NEW DELHI - 110027 HAVE CHANGED MY NAME TO HARNEET KAUR MAKKAD FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE
I iqbal S/O sahab khan R/O F-163-A-gali no 26 old mustafabad delhi 110094 changed my name to iqbal khan

NAME CHANGE
I mohammad tahoor S/O maqsood rahat R/O h no- 2487 bazar chitli qabar jama masjid chandani mahal delhi 110006 changed my name to mohd tahoor

NAME CHANGE
I shabana W/O asim ali khan R/O E-11/4 johri farm noor nagar new delhi 110025 changed my name to shabana rana .

NAME CHANGE
I kunwar asim ali khan S/O jaffar ali khan R/O E-11/4 johri farm noor nagar new delhi 110025 changed my name to asim ali khan .

NAME CHANGE
I Anita W/O dayal singh R/O 124-A-main chander vihar A-block mandawali delhi 110092 changed my name to Anjali.

NAME CHANGE
I, Manjeet W/O Hukam Sing R/O 138, Near Huda Market Sec 1 Rohtak Haryana 124001 Have changed my name to Manjeet Devi for all future purposes.

NAME CHANGE
I Aneeta Devi W/o Suresh Kumar, R/o Jakhauli, Jakhauli. Sonipat Haryana-131023 have changed my name to Anita Devi for all future purposes.

NAME CHANGE
I Kaushalya W/O Ranjeet Singh, R/o Flat No. L-82, Windsor Park, Vaibhav Khand, Indirapuram, PO: Shipra Sun City, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201014 have changed my name to Kaushal for all future purposes.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **82Cr.P.C.** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **फरमान पुत्रः निजाम, पताः** गरिमा गार्डन इकबाल कॉलोनी, शालीमार गार्डन, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, **FIR No. 04/2018, U/s 392/411/34 IPC,** थानाः नंद नगरी, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि इन्होनें किया है) और इन पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **फरमान** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **फरमान** फरार हो गया हैं (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 04/2018, U/s 392/411/34 IPC,** थानाः नंद नगरी, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **फरमान** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **13.01.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री दिपाक्षी राणा
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी—03
कोर्ट कमरा नं 19, पहली मंजिल
शाहदरा, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/16416/NE/2025
(Court Matter)

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

नशा समाज व राष्ट्र की प्रगति को बाधित करता है: अनिल राव

गुरुग्राम। आर्य युवा समाज की अध्यक्षता में डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, सेक्टर-14 द्वारा नो नशा नेशन अभियान रामलीला ग्राउंड भीम नगर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखते हुए उन्हें स्वस्थ, संयमित और उद्देश्यपूर्ण जीवन के लिए जागरूक करना था। कार्यक्रम का संचालन एवं मार्गदर्शन विद्यालय की प्रधानाचार्या अपर्णा एरी ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डी.ए.वी. कॉलेज प्रबंधक समिति के उपाध्यक्ष एवं पूर्व आईजी हरियाणा पुलिस अनिल राव उपस्थित रहे। आर्य केंद्रीय सभा के प्रधान अशोक आर्य विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे। अन्य गणमान्य अतिथि आर्य केंद्रीय सभा के महामंत्री धर्मेंद्र बजाज, आर्य विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रबंधक पंकज कालरा, आर्य समाज भीमनगर के मंत्री नरेंद्र आर्य तथा आर्य समाज सेक्टर-7 के मंत्री विकास रेलन मौजूद रहे। समारोह का शुभारम्भ वैदिक मंत्रोच्चार और संदेश शरीरं धर्मं कर्त्तव्यं च साधनम उच्चारण के साथ हुआ, जिसमें नशा-त्याग, शुचिता और सद्गुणों के पालन का प्रेरक संदेश निहित था। कार्यक्रम में शत-कुंडीय वैदिक हवन का विशेष आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य वैदिक रीति द्वारा शुद्धता, संयम तथा नशा-मुक्त जीवन के संदेश को व्यापक रूप से प्रसारित करना था। इस संदेश को जन-जन तक पहुंचाने हेतु एक जागरूकता रैली भी निकाली गई, जिसमें विद्यार्थी, शिक्षक, अभिभावक तथा आयोजन समिति के सदस्य उत्साहपूर्वक सहभागी बने।

पेयजल समस्या को लेकर बतख चौक पर लोगों ने लगाया जाम

जींद। अपराही मोहल्ला के लोगों ने पेयजल समस्या से परेशान होकर बतख चौक पर जाम लगा दिया। जाम लगने की सूचना मिलने पर शहर थाना प्रभारी पूर्ण सिंह मौके पर पहुंचे और कालोनीवासियों की समस्या का जल्द निदान करवाने का आश्वासन दे जाम खुलवाया। लगभग आधा घंटे लगे जाम के कारण यात्रियों तथा वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। अपराही मोहल्ले के लोगों का सुबह उस समय धैर्य जवाब दे गया जब कालोनी में पिछले पांच दिनों से पेयजल की सप्लाई नहीं आई। अधिकारियों को समस्या से अवगत करवाने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो कालोनीवासी बतख चौक पर आ गए और जाम लगा दिया। जाम लगाए कोलोनीवासियों ने बताया कि कालोनी में पिछले पांच दिनों से पेयजल की सप्लाई नहीं आ रही है। जिससे उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समस्या को लेकर अधिकारियों को अवगत करवाया जा चुका है लेकिन उनके द्वारा जलघर की मोटर खराब होने की बात कही जा रही है। कविता ने बताया कि जलघर में छोटी मोटर लगाई गई है, जो जल जाती है। यहां बड़ी मोटर लगाई जानी चाहिए, ताकि समस्या न हो। पिछले पांच दिनों से पानी न आने के कारण उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

गुरुग्राम में डॉ. योगी अनूप नाथ की पुस्तक भक्ति शक्ति यात्रा का हुआ विमोचन

गुरुग्राम। भारत विश्व शांति केंद्र में भारतीय सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक परंपरा का एक ऐतिहासिक पर्व मनाया गया। शाश्वत हिंदू संगठन द्वारा आयोजित इस समारोह में प्रख्यात शिक्षाविद्, औषधि संत एवं लेखक डॉ. योगी अनूप नाथ की पुस्तक भक्ति-शक्ति यात्रा का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में विजय कौशल जी महाराज, जैन मुनि लोकेश मुनि एवं प्रख्यात एस्ट्रोलॉजर पवन सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। यह आयोजन केवल एक पुस्तक विमोचन नहीं, बल्कि भारत की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय चेतना के नवसंगम का प्रतीक बन गया। पुस्तक भक्ति शक्ति यात्रा उस आध्यात्मिक साधना-पथ का सजीव वर्णन प्रस्तुत करती है, जिसकी शुरुआत मध्यप्रदेश के राजगढ़-ब्यावरा स्थित धूरेल पशुपतिनाथ मंदिर में 300 वर्षों बाद बुझ चुके धुने के पुनर्जीवन से होती है। यह घटना नाथ परंपरा की पुनर्स्थापना ही नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक निरंतरता और परंपरा-शक्ति का ऐतिहासिक प्रतीक मानी जा रही है। पुस्तक विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए प्रसिद्ध कथा वाचक विजय कौशल जी महाराज ने मंदिरों को भारतीय संस्कृति की संस्कारशाला बताते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण तभी संभव है जब समाज अपने मूल्यों और संस्कारों से जुड़ा रहे।

कुम्हार समाज को सरकार देगी बर्तन बनाने के लिए जमीन

सोनीपत। प्रदेश में नगर निगमों, परिषद एवं पालिकाओं में शामिल गांवों में भी कुम्हार समाज के लोगों को बर्तन बनाने-पकाने के लिए निर्धारित जमीन के आबंटन पत्र देने पर सरकार विचार कर रही है। निकाय विभाग ने सभी सम्बंधित 87 इकाइयों में पत्र लिखकर गांवों में आंवे-पंजावें या कुम्हारधाना के लिए आरक्षित भूमि को 2 दिन के अंदर रिपोर्ट मांगी है। सरकार द्वारा अगस्त 2025 माह में प्रदेश के सभी गांवों में कुम्हार समाज के नागरिकों को बर्तन बनाने एवं पकाने के लिए जमीन के आबंटन पत्र वितरित किये गए थे तब यह आवाज उठने लगी थी कि विशेषकर नगर निगम में शामिल गाँवो में भी यह सुविधा प्रदान की जावे। मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार एवं वर्तमान में सोनीपत के मेयर राजीव जैन ने इस विषय को लेकर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए 18 अगस्त 2025 को पत्र भेजा था। राजीव जैन ने पत्र में लिखा था कि शहरों में भी समाज के लोग बर्तन बनाने एवं पकाने का काम करते हैं जिनके लिए कोई जगह उपलब्ध नहीं है, यह काम उन्हें सड़कों पर करना पड़ता है। इस कारण वायु प्रदूषण तो फैलता ही है साथ में सड़क पर भी रुकावटें खड़ी होती हैं।

विज्ञान केवल करियर नहीं है, राष्ट्र निर्माण का माध्यम : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे विज्ञान को प्रयोगशालाओं की दीवारों से बाहर निकालकर उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं। जब उनका ज्ञान एक किसान की फसल बढ़ाता है, जब शोध एक मरीज की बीमारी ठीक करता है, जब नवाचार एक उद्यमी को सशक्त करता है, तभी विज्ञान सही मायने में 'समृद्धि' लाता है। मुख्यमंत्री पंचकूला के सेक्टर-5 में आयोजित चार दिवसीय 11वें इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल के दूसरे दिन मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। नायब सिंह सैनी ने समारोह में स्टूडेंटस साईंस एंड टैक्नोलॉजी विलेज का उद्घाटन किया। इस विलेज को आधुनिक भारत का 'नया नालंदा' की संज्ञा दी गई है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया और विज्ञान एवं नवाचार के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों में गहरी रूचि दिखाई। नायब सिंह सैनी ने

कहा कि विज्ञान केवल करियर नहीं है, राष्ट्र निर्माण का माध्यम है। युवा, छात्रों और वैज्ञानिकों से संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि वे ही भारत की वह पीढ़ी हैं जो भारत को विकसित बनाएगी। उन्होंने सभी वैज्ञानिकों, शोध संस्थानों, उद्योग जगत और स्टार्ट-अप्स से अनुरोध किया कि सब मिलकर विज्ञान आधारित विकास मॉडल बनाएं, जो हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण जीवन दे, भारत को वैश्विक नेतृत्व प्रदान करे और पर्यावरण की सुरक्षा कर इस धरती पर सतत भविष्य सुनिश्चित करे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह का आभार प्रकट करते है कि उन्होंने इतने बड़े साइंस फेस्टिवल के लिए हरियाणा को दूसरी बार मेजबानी का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि इस 4 दिवसीय 'विज्ञान महाकुंभ' में देश-विदेश के 40 हजार से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें खुशी है कि इस कार्यक्रम में विशेष रूप से जम्मू एवं कश्मीर, लद्दाख तथा उत्तर और पश्चिम राज्यों के युवाओं पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है, ताकि देश का हर क्षेत्र वैज्ञानिक प्रगति के पथ पर साथ चल सके। साइंस फेस्टिवल का उल्लेख करते हुए नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह पर्व विज्ञान, नवाचार, स्टार्ट अप ऊर्जा, भविष्य की तकनीक और नए भारत के सपनों का संगम है। उन्होंने कहा कि इस साइंस फेस्टिवल का थीम 'आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान से समृद्धि' अत्यंत प्रासंगिक है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को 'विकसित राष्ट्र' बनाने का संकल्प रखा है।

सोनीपत में 55 लाख से नई सीवरेज लाइन बिछाने का काम शुरू

एजेंसी

सोनीपत। विधायक निखिल मदान और मेयर राजीव जैन ने वार्ड नंबर 12 के मॉडलटाउन और 8 मरला क्षेत्र में 55 लाख रुपये की लागत से शुरू होने वाले सीवरेज सुधार कार्यों का शुभारंभ किया। इस दौरान निगम पार्षद लक्ष्मी नारायण तनेजा सहित क्षेत्र के लोग मौजूद रहे। विधायक निखिल मदान ने बताया कि मॉडल टाउन चिल्ड्रेन पार्क और 8 मरला स्थित शास्त्री पार्क के आसपास की गलियों में नई सीवरेज पाइपलाइन बिछाई जाएगी। लंबे समय से क्षेत्र में सीवरेज ओवरफ्लो और दूषित जल भराव की समस्या बनी हुई थी, जिसे दूर करने के लिए यह कार्य स्वीकृत किया गया है। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा विभिन्न वार्डों में सड़क, गली निर्माण और सीवरेज लाइन बिछाने के अन्य कार्य भी तेजी से चल रहे हैं, जिन्हें जल्द पूरा किया जाएगा। मेयर राजीव जैन ने बताया कि मॉडल टाउन और 8 मरला क्षेत्र में पुरानी सीवरेज लाइन काफी साल पहले बिछाई गई थी, जो अब पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। इसके कारण सीवरेज ब्लॉकेज और

गंदे पानी की समस्या गंभीर रूप ले चुकी थी। नई लाइन बिछाने का कार्य शुरू होने से क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस काम को इसी माह पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। उद्घाटन कार्यक्रम में निगम पार्षद लक्ष्मी नारायण तनेजा, मोहन टुटेजा, मनजीत सिंह, पारस हसीजा, प्रतीक सरदाना, पवन गोरा, संजय निझावन, के डी गुप्ता, नरेश सपड़ा, सिद्धार्थ अंतिल, सुरेंद्र मलिक, अनिल सेठ, सतीश विरमानी, कुलवंत, परवेश गुप्ता, राजन गुप्ता, अंकित शर्मा, अनमोल हसीजा सहित कई क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

हरियाणा के छह जिलों की तहसीलों के गांवों की होगी अदला-बदली

चंडीगढ़ में होगी मंत्रिमंडल की बैठक

विधानसभा के शीतकालीन सत्र की तय हो सकती है तारीख

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के जिला महेंद्रगढ़ स्थित नारनौल, रेवाड़ी, यमुनानगर, फरीदाबाद, सिरसा और जिला झज्जर के गांवों को एक उप तहसील व तहसील से निकालकर दूसरी उप तहसील व तहसीलों में स्थानांतरित करने के प्रस्ताव को मंत्रिमंडल द्वारा मंजूरी प्रदान की जाएगी। इसी बैठक में विधायकों के विभिन्न राज्यों के दौरों पर जाने के दौरान निजी आवास (होटल) किराये पर लेने की संशोधित दरों को मंजूरी प्रदन की जाएगी। यह पांच हजार रुपये प्रतिदिन हो सकती है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में सोमवार को होने वाली बैठक में विधानसभा के शीतकालीन सत्र की तरीख भी तय किए जाने की संभावना है। विधानसभा का शीतकालीन सत्र 26 दिसंबर से आरंभ हो सकता है, जो 30 या 31 दिसंबर तक चलने की संभावना है। मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा मोटर वाहन नियमों में बदलाव होगा। इसके तहत राज्य सरकार पर्यटन परमिटों के अंतर्गत संचालित पर्यटन वाहनों के संचालन की आयु निर्धारित करेगी। इससे सड़क दुर्घटनाएं रोकने में मदद मिलेगी।

मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा निजी विश्वविद्यालय अधिनियम 2006 में संशोधन किया जाएगा, जिसके माध्यम से एक निजी विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए विधेयक पेश किया जाना है। यह विश्वविद्यालय गुरुग्राम के सेक्टर 68 में खुलेगा और इसका नाम डिजाइन, नवाचार और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय है। बता दें कि इसी अधिनियम के माध्यम से पिछली हुड्डा सरकार ने साल 2013 में 17 निजी विश्वविद्यालयों को मंजूरी प्रदान की थी। आतंकी गतिविधियों के केंद्र के रूप में सामने आई फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी को भी इसी अधिनियम में संशोधन के तहत मंजूरी मिली थी।

राज्यपाल असीम घोष सोनीपत पहुंचे, पुलिस ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा के महामहिम राज्यपाल प्रोफेसर असीम घोष सोनीपत पहुंचे। उनके आगमन पर जिले के प्रशासनिक व सुरक्षा अधिकारियों द्वारा विशेष तैयारी की गई थी। दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस में उपायुक्त सुशील सारवान ने उन्हें श्रीमद् भागवत गीता भेंट कर औपचारिक रूप से स्वागत किया। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों ने राज्यपाल का अभिनंदन करते हुए जिले की गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी भी दी। राज्यपाल के सम्मान में हरियाणा पुलिस के जवानों ने प्रभावशाली गार्ड ऑफ ऑनर प्रस्तुत किया। प्रो. घोष ने परेड का निरीक्षण करते हुए जवानों के अनुशासन, वेश-भूषा और सटीक तालमेल की सराहना की। उनके आगमन को लेकर जिला प्रशासन पूरे समय सक्रिय रहा और सुरक्षा

व्यवस्था भी मजबूत रखी गई। राज्यपाल प्रो. असीम घोष सोनीपत जिले में आयोजित कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भाग लेंगे। दिन की शुरुआत वह अशोका यूनिवर्सिटी के दौरे से करेंगे, जहां वे शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा करेंगे। इसके बाद वह हरियाणा खेल विश्वविद्यालय, राई में आयोजित प्रथम दीक्षांत समारोह में शामिल होकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करेंगे।

बच्चे देश के भाग्य विधाता, अवसर देकर निखारें इनकी प्रतिभाः गौरव गौतम

एजेंसी

पलवल। हरियाणा सरकार में खेल, युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता, कानून विधायी राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि बच्चे हमारे देश के भाग्य विधाता हैं, शिक्षकों व अधिकारियों को चाहिए कि वे बच्चों को अवसर देकर बच्चों की प्रतिभा निखारें और इनका सर्वांगीण विकास करें ताकि ये जहां भी जाए छा जाए और प्रदेश, देश व दुनिया में पलवल जिले का नाम रोशन कर सकें। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2047 तक भारत देश को विकसित और आत्मनिर्भर देश बनाने का विजन रखा गया है। इस विजन को साकार करने में बच्चे और युवा अपनी योग्यता व काबिलियत के आधार पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और इस महत्वपूर्ण पल के साक्षी बनेंगे। खेल मंत्री गौरव गौतम संबोधित करते कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों में छुपी हुई प्रतिभा को निखारने के लिए मंच प्रदान करते हैं और हर क्षेत्र में निपुण बनाते हैं। यह कार्यक्रम बच्चों को

शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का भी अवसर प्रदान करते हैं। खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर देकर हर क्षेत्र में आने वाली कठिनाइयों से निपटने के लिए तैयार किया जा सकता है, जिससे यह देश के विकास में अपना अमूल्य योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि हर बच्चे में प्रतिभा है और उसे अवसर प्रदान कर निखारा जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह बच्चे तमाम प्रतिभाओं के गुणी हैं। इन्हें अवसर प्रदान किए जाने चाहिए, ताकि इन्हें भविष्य में आने वाली कठिनाइयों से निपटने का तरीका सिखाया जा सके। उन्होंने कहा कि जिला बाल कल्याण परिषद के अधिकारी इस क्षेत्र के बच्चों की प्रतिभा निखारकर देश-दुनिया के प्लेटफार्म पर लेकर जाएं।

खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि जीवन में मेहनत का कोई विकल्प नहीं है। सफलता पाने के लिए न तो शॉर्टकट होते हैं और न ही भाग्य हमेशा साथ देता है। मेहनत ही वह साधन है जो साधारण व्यक्ति को असाधारण बना सकती है। उन्होंने जिला बाल कल्याण परिषद पलवल को अपनी ओर से पांच लाख रुपए देने की घोषणा की। खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम व उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने पारितोषिक वितरण समारोह में विभिन्न वर्ग में अलग-अलग प्रतियोगिताओं के विजेता रहे विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभागियों को ट्राफी व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

किसान आंदोलन मेंमेरे इस्तीफे से क्या सरकार टूट जातीः दुष्यंत चौटाला

एजेंसी

जींद। पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि यह पार्टी का स्थापना दिवस बहुत महत्वपूर्ण क्षण है। आज हम सब यहां इकट्ठे हुए हैं। करीब पांच साल पहले की बात करें तो भाजपा को साढ़े 11 साल हरियाणा व केंद्र में सरकार चलाते हुए हो चुके हैं। आप सब जानते हो कैसे चला रहे हैं। अगर 2019 में गठबंधन नहीं होता तो अब जो जजपा के विधायक भाग गए हैं तो उस समय भी भाग जाते और ना ही चाबी का चुनाव का चिन्ह बचता।

दुष्यंत चौटाला जेजेपी पार्टी के आठवें स्थापना दिवस पर जुलाना में आयोजित रैली को संबोधित कर रहे थे। रैली मंच पर जब भाषण देने दुष्यंत चौटाला उठे तो लोगों के द्वारा आया-आया भावी मुख्यमंत्री आया आया के पूरे जोर-शोर से नारे लगाए गए। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि उन्होंने गठबंधन इसलिए किया था कि चंडीगढ़ में आपके लिए दरवाजे खुले रहें। चाहे मुलाकात हुई हो या ना हुई हो काम हुआ हो या नहीं हुआ हो लेकिन आप सबके लिए ठिकाना खुला था। आज वहां कोई नहीं बैठा जो आपके लिए दिन-रात कार्य कर रहा हो। ना ही आपकी कोई सुनने वाला चंडीगढ़ में है। उन्होंने कहा कि यदि मैं पूर्व में उप मुख्यमंत्री नहीं होता तो आपको बुढ़ापा पेंशन या अन्य लाभ नहीं मिलते लेकिन सारे संगठन हमारे पीछे षडयंत्र के तहत पड़ गए। इनकी सोच थी कि यदि जेजेपी को नहीं रोका तो मुश्किल होगी हमारे लिए खतरा होगा और उनकी अगली पीढियों के लिए भी खतरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन के समय कहा गया कि दुष्यंत चौटाला इस्तीफा दे दे, क्या मेरे इस्तीफा देने से सरकार टूट जाती। कांग्रेस की तरफ इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि जिसने भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ा, वह भी हमारे पीछे पड़ गए। जो लोग ड्राइंग रूम की राजनीति करते हैं।

किसानों के सशक्तिकरण में अपना योगदान दें मार्केट कमेटियांः डॉ अरविंद शर्मा

एजेंसी

सोनीपत। गन्नौर नई अनाज मंडी में आयोजित मार्केट कमेटी पदभार ग्रहण कार्यक्रम में सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार का स्पष्ट उद्देश्य किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि मार्केट कमेटियों में नियुक्त पदाधिकारी अब किसानों के हित में ठोस, पारदर्शी और निरंतर काम करें।

डॉ. अरविंद शर्मा ने बताया कि बीज से लेकर बाजार तक किसानों को संरक्षण देने के लिए सरकार अनेक कदम उठा रही है और नकली बीज से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए सख्त कानून लागू किए जा चुके हैं। उन्होंने अनाज मंडियों में अटल कैंटीन और एमएसपी पर हर दाना खरीदे जाने की नीति को किसानों की संतुष्टि का बड़ा कारण बताया। नवनियुक्त चेयरमैन निशांत छौक्कर और वाइस चेयरमैन योगेश कौशिक को शुभकामनाएं देते हुए डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं पर विश्वास जताते हुए उन्हें जिम्मेदारी सौंपी गई है और अब उनका दायित्व है कि इलाके के किसानों को हर योजना का लाभ दिलाएं और प्राकृतिक खेती की ओर आगे बढ़ाएं। शिक्षा मंत्री महिपाल निधि, मृदा स्वास्थ्य योजना और फसल बीमा योजना जैसे निर्णयों ने किसानों को वास्तविक सुरक्षा दी है। उन्होंने कहा कि सभी जन प्रतिनिधियों का दायित्व है कि वे किसान परिवार की आय बढ़ाने तथा खेती को

ढांडा ने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों के नाम पर छलावा करने वाली पुरानी राजनीति को खत्म कर दिया है। उन्होंने कहा कि आज किसान पूरी तरह जागरूक है और वोट के लिए बरसों तक किए गए प्रपंचों को समझ चुका है। ढांडा ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान आधुनिक तकनीकों से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास करें, ताकि खेती बाजार की मांग के अनुरूप हो सके। सोनीपत से विधायक निखिल मदान ने कहा कि किसान प्रदेश की आर्थिक धुरी है और मार्किट कमेटियों की जवाबदेही इस धुरी को मजबूत बनाने की है।

जींद के कृषि उपनिदेशक को सरकार ने दी क्लीन चिट, निलंबन आदेश रद्द

एजेंसी

चंडीगढ़। जींद जिले के सफीदों में कीटनाशक उत्पादन इकाई में अवैध रूप से आनलाइन ब्रिकी के खिलाफ कार्रवाई करने पर निलंबित किए गए कृषि उपनिदेशक को सरकार ने क्लीन चिट दे दी है। सरकार की ओर से कृषि उपनिदेशक डॉ.गिरीश नागपाल के निलंबन आदेश दिए गए हैं। यही नहीं, कोर्ट से निलंबन पर स्टे मिले और जांच कमेटी की रिपोर्ट में क्लीन चिट मिलने पर कृषि एवं कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल की ओर से निलंबन रद्द करने के आदेश जारी किए गए हैं।जींद कृषि उपनिदेशक द्वारा सफीदों में अवैध तौर पर आनलाइन कीटनाशक उत्पादन इकाई की छापेमारी कर कार्रवाई की गई थी। छापेमारी के बाद सरकार में बड़े ओहदे पर बैठे व्यक्ति द्वारा डीडीए की कार्रवाई को अवैध करार देते हुए सरकार को शिकायत की, जिसके बाद उन्हें निलंबित किया गया। वहीं, शिकायत के तथ्यों जांच के लिए विभाग की ओर से जांच कमेटी गठित की गई, जिसमें शिकायतकर्ता को बार-बार जांच कमेटी की ओर से तथ्य प्रस्तुत करने का आग्रह किया गया, लेकिन शिकायतकर्ता कोई तथ्यात्मक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाया, इसके बाद कमेटी की ओर से डीडीए को क्लीन चिट दे दी गई। यही नहीं, निलंबन के आदेशों के खिलाफ डीडीए डॉ. गिरीश नागपाल ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। हाईकोर्ट की ओर से याचिका पर सुनवाई करे हुए निलंबन के आदेशों पर स्टे दे दिया। यही नहीं, 13 नवंबर को सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने इस मामले में अपना जवाब दाखिल करने के लिए सरकार को आखिरी मौका दिया। हाईकोर्ट ने सरकार से यह पूछा है कि कृषि उपनिदेशक के निलंबन का आधार क्या था और उन्हें किन परिस्थितियों में निलंबित किया गया था। हाईकोर्ट में अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी, इस दौरान सरकार को अपना जवाब दाखिल करेगी।कृषि उपनिदेशक डॉ. गिरीश नागपाल ने बताया कि सफीदों में स्थित कीटनाशक उत्पादन इकाई में अवैध आनलाइन बिक्री की शिकायत मिलने के बाद उन्होंने टीम के साथ कीटनाशक उत्पादन इकाई में दबिश दी थी।

किसान हितैषी नीतियों को धरातल तक पहुंचाएं युवा प्रतिनिधिः मोहन लाल बडौली

एजेंसी

सोनीपत। गन्नौर अनाज मंडी में नवनिर्वाचित मार्केट कमेटी के पदग्रहण समारोह से पहले विधिवत हवन-यज्ञ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली ने चेयरमैन निशांत छौक्कर, वाइस चेयरमैन योगेश कौशिक सहित सभी 17 सदस्यों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि किसान हितैषी नीतियों को धरातल तक पहुंचाने की जिम्मेदारी अब इन युवा प्रतिनिधियों पर है। उन्होंने विश्वास जताया कि नई टीम किसानों और आढ़तियों के बीच मजबूत सेतु बनेगी। प्रदेश अध्यक्ष बडौली ने बताया कि पदभार संभालते ही गन्नौर मार्केट कमेटी क्षेत्र की आठ महत्वपूर्ण सड़कों को पास कराया गया है। यह कार्यशैली साफ दर्शाती है कि नई कमेटी किसानों की सुविधा बढ़ाने के लिए तत्पर है। उन्होंने मंडी को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने तथा किसानों की हर समस्या को प्राथमिकता से हल करने का आह्वान किया। इसके बाद चेयरमैन निशांत छौक्कर ने कहा कि वर्तमान में 8 एकड़ में संचालित गन्नौर अनाज मंडी को 40-50

एकड़ तक विस्तारित करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए शहर के समीप नई जमीन चयन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। साथ ही मंडी की सड़कों, प्रकाश व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा और मजदूरों के कल्याण से जुड़ी जरूरतों को शीघ्र पूरा किया जाएगा।

वाइस चेयरमैन योगेश कौशिक ने कहा कि किसानों को फसल का उचित मूल्य, सही तौल और समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। मजदूरों की मजदूरी और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए विशेष व्यवस्था बनाई जाएगी। उन्होंने युवाओं को आधुनिक खेती-मशरूम, ड्रैगन फ्रूट, बेबी कॉर्न, ब्रोकली, लिली-गेंदा जैसे फूलों-की ओर प्रेरित करने के लिए गांव-गांव में सेमिनार व कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी।

देश के हर नागरिक के अधिकार बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की देन

एजेंसी

नरवाना। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने धमतान साहिब नरवाना जिला जींद में आयोजित संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के 649 वें जन्मोत्सव को समर्पित कार्यक्रम में पहुंचकर उन्हें नमन किया और मंच से उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए गुरु रविदास जी द्वारा दिए गए समानता, न्याय और मानवीय मूल्यों के संदेश को साझा किया। साथ ही बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर उन्हें नमन करते हुए संविधान की रक्षा और सामाजिक न्याय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहराया। सांसद कुमारी सैलजा ने गुरु ग्रंथ साहिब स्वरूप माथा टेक कर नमन किया। कुमारी सैलजा ने कहा कि धमतान साहिब गुरु तेग बहादुर जी की पावन तपोभूमि रही है जहां वे तीन बार पधारे और यहां के विभिन्न स्थलों पर अपनी अनंत कृपा दृष्टि बरसाई। उन्होंने कहा कि धमतान साहिब में जो ऐतिहासिक कुआं स्थित है, वह उन्हीं के समय में बनाया गया था। इसी पवित्र भूमि पर गुरु साहिब ने अपनी कर कमलों से गुरु घर की नींव रखी थी। जो आज भी करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। सांसद ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर उन्हें नमन करते हुए संविधान की रक्षा और सामाजिक न्याय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहराया। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि देश का हर व्यक्ति चाहे वह किसी भी जाति धर्म का हो पर उसको मिले अधिकार बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की ही देन है। उन्होंने कहा कि संविधान की रक्षा करना हर व्यक्ति का दायित्व है। इस दौरान रघुबीर सिंह नैन (बिनैन खाप प्रधान) सतबीर सिंह दबलैन (पूर्व प्रत्याशी नरवाना), रविदास सभा के प्रधान जोधाराम, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी संदीप लौट, पूर्व विधायक राजरानी पूनम, धोला नैन, संजीव धमतान, महावीर सिंह, बृजेंद्र सिंह सुरजेवाला, जगरूप सिंह सुरजेवाला, आशुतोष शर्मा, सहित हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे।

NAME CHANGE

I hitherto known as PRADEEP S/o ANAR SINGH R/o Dwarika Nagar, Lal Manti, Jabalpur, PO: Jabalpur, Dist: Jabalpur, Madhya Pradesh-482001, have changed my name and shall hereafter be known as RAHUL, for all future purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as AKIB ALI S/o SAJID ALI, R/o 11/197, Maqbara Gwaltoli, Kanpur Nagar, PO: Gwaltoli, Dist. Kanpur Nagar, Uttar Pradesh-208001, have changed my name and shall hereafter be known as MOHAMMAD AQUIB, for all future purposes.

नवंबर में मोटर वाहन बिक्री बढ़ी, यात्री और वाणिज्यिक वाहनों की मांग मजबूत

- नवंबर में कुल बिक्री 33,00,832 इकाइयां, पिछले वर्ष की 32,31,526 इकाइयों की तुलना में 2 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली ।

त्योहारों के बाद भी मोटर वाहनों की खुदरा बिक्री में तेजी बनी रही। एक ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के अनुसार नवंबर 2025 में कुल बिक्री 33,00,832 इकाइयां, पिछले वर्ष की 32,31,526 इकाइयों की तुलना में 2 फीसदी बढ़ी। इस वृद्धि का मुख्य कारण यात्री वाहन, तिपहिया वाहन, वाणिज्यिक वाहन और ट्रैक्टर की मजबूत मांग रही। नवंबर में यात्री वाहनों का पंजीकरण 3,94,152 इकाई रहा, जो सालाना आधार पर 20 फीसदी अधिक है। जीएसटी में कटौती, विवाह सीजन की मांग, लोकप्रिय मॉडलों की बेहतर उपलब्धता और कॉम्पैक्ट एसयूवी की निरंतर मांग ने इस वृद्धि को बल दिया। दोपहिया वाहनों की बिक्री 25,46,184 इकाई रही, जो पिछले साल की तुलना में 3 फीसदी कम है। वाहन स्टॉक का समय घटकर 44-46 दिन रह गया, जो बेहतर मांग-आपूर्ति संतुलन को दर्शाता है। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 94,935 इकाई रही, सालाना आधार पर 20 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई। बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, माल ढुलाई, सरकारी निविदाओं और जीएसटी सुधारों ने इस वृद्धि में योगदान दिया। तिपहिया वाहनों की बिक्री 1,33,951 इकाई रही, जिसमें 24 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। ट्रैक्टर पंजीकरण 1,26,033 इकाई पर पहुंचा, जो पिछले साल की तुलना में 57 फीसदी अधिक है। मजबूत ग्रामीण आय और फसल से जुड़ी मांग ने इसे बढ़ावा दिया। ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के अनुसार अगले तीन महीनों के लिए बिक्री परिदृश्य सकारात्मक है। जनवरी में मूल्य वृद्धि, नए मॉडलों की पेशकश और ग्रामीण मांग के कारण बिक्री में और बढ़ोतरी की संभावना है। 74 फीसदी डीलरों को सभी क्षेत्रों में वृद्धि की उम्मीद है।

चीन का निर्यात नवंबर में 5.9 प्रतिशत बढ़ा

- अमेरिका के निर्यात में 29 प्रतिशत की गिरावट

हांगकांग ।

चीन के निर्यात ने नवंबर 2025 में 5.9 फीसदी की वृद्धि दर्ज की और कुल 330.3 अरब डॉलर तक पहुंच गया। यह अक्टूबर में 1.1 फीसदी गिरावट के बाद सुधार को दर्शाता है और अर्थशास्त्रियों के अनुमानों से बेहतर रहा। चीन के अन्य प्रमुख बाजार जैसे दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका और लातिन अमेरिका में निर्यात में बढ़ोतरी हुई, जबकि अमेरिका की ओर निर्यात में लगातार आठवें महीने दोहरे अंकों की गिरावट के साथ लगभग 29 फीसदी की कमी देखी गई। नवंबर में आयात में 1.9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो अक्टूबर की एक फीसदी वृद्धि से बेहतर रही। हालांकि संपत्ति क्षेत्र की मंदी अब भी उपभोक्ता खर्च और व्यावसायिक निवेश पर दबाव डाल रही है। फैक्ट्री गतिविधियां लगातार आठवें महीने घट रही हैं, जिससे संकेत मिलता है कि उद्योग क्षेत्र में कमजोरी बनी हुई है। अक्टूबर के अंत में हुई बैठक में अमेरिका और चीन ने एक साल के लिए व्यापार युद्ध विराम पर सहमति बनाई। अमेरिका ने शुल्क कम किए और चीन ने दुर्लभ खनिजों के निर्यात नियंत्रण समाप्त करने का वादा किया। विशेषज्ञों का कहना है कि यह निर्यात के लिए अस्थायी सकारात्मक संकेत है, लेकिन दीर्घकालिक प्रभाव अभी स्पष्ट नहीं है। चीन के निर्यात की मजबूती से अर्थशास्त्री मानते हैं कि देश इस वर्ष लगभग 5 फीसदी आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य पूरा कर लेगा। मॉर्गन स्टेनली का अनुमान है कि 2030 तक चीन की वैश्विक निर्यात में हिस्सेदारी 16.5 फीसदी तक पहुंच जाएगी। यह वृद्धि मुख्य रूप से उन्नत विनिर्माण, इलेक्ट्रिक वाहन, रोबोटिक्स और बैटरी जैसे उच्च-विकासशील क्षेत्रों में होगी।

एनएसई ने एफएंडओ मार्केट में पहली बार प्री-ओपन सेशन शुरू किया

8 दिसंबर 2025 से लागू नई व्यवस्था में 15 मिनट का प्री-ओपन

नई दिल्ली ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने सोमवार 8 दिसंबर से फ्यूचर्स और ऑप्शंस (एफएंडओ) मार्केट में पहली बार प्री-ओपन सेशन शुरू कर दिया है। यह कदम भारतीय डेरिवेटिव मार्केट की संरचना में एक बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। एक्सचेंज का मानना है कि इससे कीमत तय करने की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी होगी, लिक्विडिटी बढ़ेगी और मार्केट ओपन होते ही आने वाले तेज उतार-चढ़ाव में कमी आएगी। यह प्रणाली कैश मार्केट में चल रहे प्री-ओपन सेशन की तर्ज पर बनाई गई है। नया प्री-ओपन सेशन सुबह 9:00 बजे से 9:07/9:08 बजे तक चलेगा। इस दौरान निवेशक अपने ऑर्डर डाल सकते हैं, उन्हें बदल सकते हैं या आवश्यकता होने पर रद्द भी कर सकते हैं। यह सेशन 9֊07 से 9:08 के बीच किसी भी समय समाप्त हो सकता है। विशेष रूप से निवेशक मार्केट और लिमिट दोनों तरह के ऑर्डर दे सकेंगे, लेकिन **स्टॉप लॉस और आईओसी ऑर्डर को अनुमति नहीं होगी। शुरुआत में यह प्रणाली केवल करेंट-मंथ फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट्स* पर लागू होगी, जबकि महीने के अंतिम पांच दिनों में नेक्स्ट-मंथ कॉन्ट्रैक्ट् भी इसमें शामिल हो जाएंगे। ऑर्डर एंट्री समय समाप्त होने के बाद 9:08 से 9:12 बजे तक एनएसई ऑर्डर मैचिंग प्रक्रिया चलाएगा। पहले लिमिट ऑर्डर आपस में मिलाए जाएंगे, उसके बाद बची हुई लिमिट ऑर्डर मार्केट ऑर्डर से मैच होंगी। अंत में मार्केट ऑर्डर एक-दूसरे से मिलाए जाएंगे। इस प्रक्रिया के बाद जो कीमत निकलती है और जिस स्तर पर सर्वाधिक खरीद-बिक्री संभव होती है, उसे इक्विलिब्रियम प्राइस कहा जाता है। यही बाजार की ओपनिंग प्राइस बनेगी।

कॉरपोरेट बॉन्ड मार्केट नीतिगत दर में कटौती से उत्साहित

- पीएफसी-सिडबी बॉन्ड मार्केट में उतारेंगे 11,500 करोड़ के इश्यू

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति ने रेपो दर में 25 आधार अंक की कटौती की है। इससे बैंकों के लिए उधार सस्ता हुआ और बाजार में नकदी की उपलब्धता बढ़ी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम कॉरपोरेट बॉन्ड मार्केट को मजबूती देने के लिए सकारात्मक संकेत है। सरकारी वित्तीय संस्थाएं, पीएफसी और` सिडबी मंगलवार को बॉन्ड मार्केट से कुल 11,500 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी कर रही हैं। इससे निवेशकों के बीच दीर्घकालिक बॉन्ड में रुचि बढ़ने की संभावना है। हालांकि, पहले उच्च यील्ड के कारण पीएफसी ने 25 नवंबर को 3 वर्षीय बॉन्ड जारी करने का निर्णय वापस ले लिया था। नीतिगत घोषणाओं के बाद बाजार की धारणा में सुधार आया है। आरबीआई की ओपन मार्केट ऑपरेशन (ओएमओ) और रुपये-अमेरिकी डॉलर स्वैप से निवेशकों का विश्वास बढ़ा है कि नकदी की स्थिति अनुकूल रहेगी। कई फंड और संस्थाएं तत्काल निवेश नहीं कर रही हैं। उनका ध्यान

लंबी अवधि के निर्गमों पर है, ताकि भविष्य निधि और पेंशन फंड से राशि आकर्षित की जा सके। बड़े फंड पहले से पूंजी लगाने को प्राथमिकता देते हैं ताकि नियामक और परिसंपत्ति आवंटन आवश्यकताएं पूरी हों। अक्टूबर में कंपनियों ने कॉरपोरेट बॉन्ड के जरिए 17,500 करोड़ रुपये जुटाए थे। भारती टेलीकॉम ने दो खंडों में 10,500 करोड़ रुपये जुटाए। यह दिखाता है कि बॉन्ड बाजार में निवेशकों की रुचि लगातार बनी हुई है।

वोडाफोन आइडिया ने एजीआर बकाया में छूट और पुनर्गणना का प्रस्ताव दिया

कंपनी अपने वित्त से ब्याज का भुगतान करने में सक्षम होगी

नई दिल्ली ।

पिछले कई वर्षों से वित्तीय संकट झेल रही निजी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) ने दूरसंचार विभाग को प्रस्ताव सौंपा है। कंपनी ने एजीआर (एडजस्टड ग्रास रेवेन्यू) बकाया की पुनर्गणना करने और जुर्माने तथा ब्याज पर एकमुश्त छूट देने का अनुरोध किया है। प्रस्ताव में बकाया राशि की गणना में मौजूद अंकगणितीय त्रुटियों और दोहराव को हटाकर इसे समायोजित करने का प्रस्ताव है। सूत्रों के अनुसार इससे बकाया राशि करीब आधी हो सकती है, जिससे कंपनी अपने वित्त से ब्याज का भुगतान करने में सक्षम होगी।

वित्त वर्ष 2017 तक वीआई की एजीआर देनदारी 58,254 करोड़ रुपये थी। इसमें मूल राशि 12,797 करोड़, ब्याज 28,294 करोड़, जुर्माना 6,012 करोड़ और जुर्माने पर ब्याज 11,151 करोड़ शामिल थे। मार्च 2025 तक कुल देनदारी बढ़कर 83,400 करोड़ रुपये हो गई है, जिसमें वित्त वर्ष 2019 तक के लाइसेंस शुल्क के 9,450 करोड़ रुपये भी शामिल हैं। कंपनी की 25,000 करोड़ रुपये की फंडिंग प्रक्रिया, 50,000-55,000 करोड़ रुपये की पूंजीगत व्यय योजना का हिस्सा है। यह निवेश वीआई को 5जी सेवाओं के लिए प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद करेगा। सूत्रों ने बताया कि सर्कल स्तर पर एजीआर की पुनर्गणना प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

यह प्रस्ताव सितंबर में सर्वोच्च न्यायालय में पेश संशोधित याचिका के अनुरूप है, जिसमें वीआई ने कहा था कि बकाया राशि के कई घटक अंतिम रूप नहीं दिए गए थे।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2017 तक अपने एजीआर बकाया की व्यापक पुनर्गणना और देनदारियों की पुनर्मूल्यांकन की मांग की है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी का आईपीओ 12 को खुलेगा

नई दिल्ली । आईसीआईसीआई बैंक की अनुषंगी कंपनी, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी (ने अपने आगामी आईपीओ के लिए 2,061 से 2,165 रुपए प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। इससे कंपनी का अनुमानित मूल्यांकन 1.07 लाख करोड़ रुपए (लगभग 11.86 अरब डॉलर) हो गया है। कंपनी का आईपीओ 12 दिसंबर से 16 दिसंबर तक खुलेगा। बड़े (एंकर) निवेशक 11 दिसंबर से बोली लगा सकते हैं। यह आईपीओ पूरी तरह प्रवर्तक द्वारा 4.89 करोड़ से अधिक शेयरों की ऑफर फॉर सेल पर आधारित है। निवेशक इस अवसर के माध्यम से सीधे प्रवर्तक से शेयर खरीद सकेंगे। कंपनी के शेयर 19 दिसंबर को स्टॉक मार्केट में सूचीबद्ध हो सकते हैं।

इंडिगो के शेयर में भारी गिरावट, एक दिन में 13,774 करोड़ का नुकसान

- कंपनी का मार्केट कैप घटकर 1,93,875.18 करोड़ हुआ

नई दिल्ली । इंडिगो एयरलाइंस की पैरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के निवेशकों के लिए सोमवार, 8 दिसंबर का दिन मुश्किल भरा रहा। बाजार खुलते ही कंपनी के शेयरों में तेज दबाव आया और बीएसई पर स्टॉक लगभग 7 फीसदी गिरकर 5,015 के इंट्राडे लो पर पहुंच गया। शुक्रवार तक कंपनी का मार्केट कैप 2,07,649.40 करोड़ था, जो सोमवार को घटकर 1,93,875.18 करोड़ रुपए रह गया। निवेशकों को एक दिन में 13,774.22 करोड़ रुपए का नुकसान झेलना पड़ा। शेयरों में गिरावट उस समय आई जब डीजीसीए के सीईओ पीटर एल्बर्स को कारण बताओ नोटिस के जवाब की समयसीमा एक दिन बढ़ाई। एयरलाइन से पूछा गया कि हजारों यात्रियों को प्रभावित करने वाली उड़ानों में देरी और रद्दीकरण क्यों हुआ। डीजीसीए ने बताया कि यह संकट नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियमों को लागू करने में इंडिगो की कमजोर तैयारी के कारण उत्पन्न हुआ। एक ही दिन में 1,000 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं, जो भारतीय एविएशन इतिहास में किसी भी एयरलाइन द्वारा एक दिन में सबसे ज्यादा कैंसिलेशन है।

अदाणी ग्रीन ने टीएनएफडी ढांचे को अपनाया

नई दिल्ली । अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीएल) ने प्रकृति-संबंधी वित्तीय प्रकटीकरण (टीएनएफडी) ढांचे को अपनी मुख्य स्थिरता रणनीति में शामिल किया है। यह वैश्विक, विज्ञान-आधारित ढांचा कंपनियों को प्रकृति-संबंधी जोखिम और अवसरों की पहचान, प्रबंधन और प्रकटीकरण में मदद करता है। कंपनी ने इंडिया बिजनेस बायोडायवर्सिटी इनीशिएटिव (आईबीबीआई) पर हस्ताक्षर किए हैं। एजीएल ने 2030 तक जैव विविधता में 'नो नेट लॉस' सुनिश्चित करने और परियोजना स्थलों पर 2.786 करोड़ पेड़ लगाने की योजना बनाई है। एजीएल के पास वर्तमान में 16.5 गीगावाट से अधिक की क्षमता है, जो भारत में सबसे बड़ी है और 12 राज्यों में फैली है। कंपनी का लक्ष्य है 2030 तक 50 गीगावाट क्षमता हासिल करना। एजीएल के सीईओ आशीष खन्ना ने कहा कि प्रकृति कंपनी की वृद्धि का केंद्र है और टीएनएफडी अपनाकर नवीकरणीय ऊर्जा और मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र के अवसरों की पहचान हो रही है।

एचडी ह्युंडै तूतीकोरिन में 2 अरब डॉलर के निवेश से शिपयार्ड स्थापित करेगी

परियोजना से अनुमानित 55,000 रोजगार के मिलेंगे अवसर

नई दिल्ली ।

दक्षिण कोरियाई जहाज निर्माण कंपनी एचडी ह्युंडै की प्रमुख इकाई एचडी कोरिया शिपबिल्डिंग एंड ऑफशोर इंजीनियरिंग (एचडी केएसओई) तमिलनाडु के तूतीकोरिन में नया शिपयार्ड स्थापित करने की तैयारी कर रही है। इस परियोजना में करीब 2 अरब डॉलर का निवेश होने का अनुमान है। प्रारंभ में इसे शिपबिल्डिंग मेक इन इंडिया टुगेदर विद ह्युंडै के रूप में प्रस्तुत किया गया था, लेकिन अब इसे शिपबिल्डिंग मेक इन तमिलनाडु विद ह्युंडै कहा जा रहा है। तमिलनाडु सरकार ने इस निर्णय का स्वागत किया है। उद्योग मंत्री टीआरबी राजा के अनुसार तूतीकोरिन में शिपयार्ड के लिए विश्वस्तरीय जलवायु और भौगोलिक स्थिति है। राज्य ने स्पष्ट नीतिगत ढांचा, तेज समन्वय, और मजबूत तटीय वातावरण होने के कारण एचडी हुंडै का भरोसा जीत लिया। परियोजना के लिए व्यवहार्य स्थलों की पहचान और उन्हें प्रतिभा, बुनियादी ढांचा और प्रोत्साहन के साथ समर्थन भी प्रदान किया गया है। जहाज निर्माण श्रम-सघन उद्योग है और इससे कई सहायक क्षेत्रों को लाभ होता है। एक प्रत्यक्ष नौकरी से लगभग छह अप्रत्यक्ष नौकरियां बनती हैं। इस परियोजना से अनुमानित 55,000 रोजगार सृजित होंगे। इसके अलावा, कोचीन शिपयार्ड और मझगांव डॉक भी तूतीकोरिन में अलग-अलग परियोजनाओं के तहत निवेश कर रहे हैं, जिनका कुल मूल्य 30,000 करोड़ रुपये है। राज्य शिपयार्ड विकास को प्राथमिकता दे रहा है ताकि तटीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा, निवेश आकर्षित और प्रतिभा तैयार की जा सके। पिछले चार वर्षों में राज्य में लगभग 2.2 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ और 10 लाख से अधिक नौकरियां सृजित हुई हैं।

शेयर बाजार गिराट के साथ बंद

सेंसेक्स 609 अंक , निफ्टी 225 अंक फिसला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी होने से बाजार नीचे आया है। दिन भर के के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 609.68 अंक टूटकर 85,102.69 पर वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 225.90 अंक फिसलकर 25,960.55 पर बंद हुआ। सभी सूचकांक आज नुकसान के साथ ही लाल निशान में बंद हुए। निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी रियल्टी , निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी मीडिया, निफ्टी पीएसई और निफ्टी मेटल सबसे ज्यादा गिरे। वहीं सेंसेक्स पैक में बीईएल, , ट्रेंट, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, एसबीआई, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, एशियन पेंट्स, कोटक महिंद्रा के शेयर गिरे। टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक के शेयरों को लाभ हुआ है। लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में अधिक बिकवाली रही। निफ्टी मिडकैप 100 सूचकांक 1,106.50 अंक

बढ़कर 59,488.10 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 सूचकांक 456.10 अंक टूटकर 17,051.65 पर था।

शेयर बाजार में गिरावट का कारण दुनिया भर से मिले कमजोंर संकेत बताय गये हैं । वहीं आने वाले समय में निवेशकों की निगाहें अमेरिकी फेड के परिणामों पर रहेंगी।

इससे पहले आज सुबह घरेलू बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सेंसेक्स पिछले सत्र की तुलना में 109 अंक नीचे खेला। वहीं निफ्टी भी 26,153 के स्तर पर मामूली कमजोरी के साथ खुला। हालांकि शुरुआती घंटे में बाजार में कुछ स्थिरता दिखी, लेकिन इसके बाद करीब बिकवाली तेज हो गई, जिससे प्रमुख सूचकांकों पर दबाव बढ़ा।

एशियाई बाजार में आज मिले-जुले रुझान दिखे। चीन का सीएसई 300 0.48 फीसदी बढ़ा जबकि हांगकांग का हैंगसेंग 0.07 फीसदी गिरा। निवेशक चीन के नवंबर के व्यापार आंकड़ों का इंतजार कर रहे हैं। जापान का निक्केई 0.32 फीसदी नीचे गया क्योंकि तीसरी तिमाही में जीडीपी में गिरावट शुरुआती अनुमान से ज्यादा रही। अमेरिकी बाजार अमेरिकी शेयर बाजारों में शुक्रवार को तेजी रही। डाउ जोंस 0.22 फीसदी, एसएंडपी 500 0.19 फीसदी और नैस्डैक 0.31 फीसदी ऊपर बंद हुआ।

स्वास्थ्य उद्योग ने पान मसाला उत्पादन पर उपकर का किया स्वागत

विधेयक का लक्ष्य सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करना

नई दिल्ली । नई संसद में पारित स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक 2025 का लक्ष्य सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करना है। इस विधेयक के तहत विशेष रूप से पान मसाला जैसे अस्वास्थ्यकर उत्पादों के विनिर्माण या उत्पादन पर उपकर लगाया जाएगा। उद्योग विशेषज्ञों ने इसे प्रगतिशील कदम करार दिया है, क्योंकि इससे अस्वास्थ्यकर उत्पादों से होने वाले लाभ को सार्वजनिक स्वास्थ्य में निवेश के लिए इस्तेमाल किया जा सकेगा। विशेष बात यह है कि यह उपकर उत्पाद की वास्तविक मात्रा पर नहीं, बल्कि उत्पादन क्षमता पर आधारित होगा। इसमें मशीनों की प्रकार, गति, भार उठाने की क्षमता और मैनुअल प्रक्रियाओं की प्रकृति शामिल होगी। इसका मतलब यह है कि चाहे उत्पादन मशीनों या हाथों से हो, दोनों पर उपकर लागू होगा। विनिर्माताओं को मासिक रिटर्न दाखिल करना होगा और हर महीने की 7 तारीख तक उपकर का भुगतान करना अनिवार्य होगा। उद्योग को अपनी मशीनरी और मैनुअल प्रक्रियाओं की पूरी घोषणा करनी होगी। उद्योग और विशेषज्ञों ने कहा कि यह कदम अस्वस्थ उत्पादों से होने वाले लाभ को स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे में निवेश करने की दिशा में समय की आवश्यकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह नीतिगत बदलाव राष्ट्रीय सुरक्षा के बराबर सार्वजनिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने का संकेत देता है। इस विधेयक से भारत को गैर-संचारी रोगों, संक्रामक रोगों और मातृ-शिशु स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के लिए वित्तीय संसाधन सुनिश्चित होंगे। विशेषज्ञ इसे स्वास्थ्य और सुरक्षा को जोड़ने वाले क्रांतिकारी कदम मान रहे हैं।

रुपये में जारी गिरावट को रोकने ....आरबीआई ने उठाया बड़ा कदम

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एक बड़ा फैसला लिया है, जो रुपये में गिरावट को कम कर सकता है और फिर को फिर ऊपर ला सकता है। यह फैसला तब लिया गया है, जब रुपया 90 के ऊपर चला गया था। हालांकि अभी इसमें कुछ तेजी आई है।

दरअसल, आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने एमपीसी बैठक में लिए गए फैसले के बारे में बताया। इसमें 25 आधार अंकों की ब्याज दर में कटौती करने का भी ऐलान किया, लेकिन इसके साथ ही लिक्वि डिटी बढ़ाने पर भी फैसला लिया। आरबीआई ने दिसंबर में 1 लाख करोड़ रुपये की ओपेन मार्केट में खरीदारी, और 5 बिलियन अमेरिकी डॉलर की अदला-बदली का ऐलान किया।

ओपेन मार्केट से की जाने वाली इन दो बड़ी खरीदों का उद्देश्य बैंकिंग सिस्टम में कैश की मात्रा को बढ़ाना है। जब आरबीआई सरकारी बॉन्ड खरीदता है, तब वह बैंकों को एडवांस पेमेंट करता है और सीधे सिस्टम में पैसा आता है। इससे करेंसी मार्केट में दरें आसान होती है और किसी भी तरह की लिक्विडिटी संकट कम आती है। लिक्विडिटी की कमी अक्सर रुपये पर दबाव बढ़ा देती है, क्योंकि विदेशी निवेशक शॉर्ट टर्म फंडिंग की स्थिति में सतर्क हो जाते है। 1 लाख करोड़ रुपये का ओएमओ आरबीआई का यह संकेत देने का तरीका है कि फंडिंग का मार्केट सही तरह से चलता रहे।

रिपोर्ट के मुताबिक जानकार ने कहा कि ओएमओ और स्वैप मिलकर जीडीपी वृद्धि के संशोधित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक तरलता प्रदान करेंगे और महंगाई या करेंसी की चाल पर चिंता के बजाय पॉजिटिव और आशा से प्रेरित नजरिए को उभारने वाले है। 5 अरब अमेरिकी डॉलर का स्वैप करेंसी के ज्यादा करीब काम करता है। अभी डॉलर खरीदकर और बाद में उन्हें वापस बेचने का वादा करके, आरबीआई अपने भंडार को स्थायी रूप से कम किए बिना, सिस्टम में रुपया जारी करता है। यह स्वैप तत्काल लिक्विडिटी पेश करता है और मार्केट को यह विश्वास दिलाता है कि आरबीआई तेज उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए तैयार है।

रुपये के नए निचले स्तर पर पहुंचने के बावजूद आरबीआई द्वारा ब्याज दरों में कटौती की इच्छा ने कुछ जानकारों को चौंका दिया है, लेकिन कुछ जानकार एक संदेश के तौर पर देख रहे हैं। आरबीआई के इस रुख से पता चलता है कि रुपये में हालिया गिरावट ज्यादा बढ़ गई है और करेंसी में मौजूदा स्तरों पर कमतर आंकी गई है। उनका कहना है कि आरबीआई की भाष से यह विश्वास झलकता है कि महंगाई अनुकूल रहने पर रुपया स्थिर हो सकता है। एक्सपर्ट ने कहा कि लिक्विडिटी का सपोर्ट रुपये को सीधे तौर पर ऊपर नहीं उठाता, यह केवल एक अनियंत्रित गिरावट को रोक सकता है। जब फंडिंग की स्थिति सही होगी और ग्रोथ को सपोर्ट मिल रहा हो, तब विदेशी निवेशकों के अचान बाह निकलने की संभावना कम होती है। इससे अस्थिरता कम होती है और उम्मीदें स्थिर रहती हैं।

पुराने नामों से नई पहचान : ऑटो कंपनियों की रणनीति रंग ला रही

नई दिल्ली ।

भारतीय ऑटोमोबाइल कंपनियां पुराने और प्रसिद्ध ब्रांड नामों का इस्तेमाल करके ग्राहकों का ध्यान खींच रही हैं। नए मॉडल्स की भीड़ में यह रणनीति कंपनियों को अलग पहचान बनाने और पुराने ग्राहकों की भावनाओं से जुड़ने में मदद करती है। आईसीआरए के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, पुराने ब्रांड्स में पहले से भरोसा और पहचान मौजूद होती है, इसलिए नए मॉडल जल्दी अपनाए जाते हैं और मार्केटिंग खर्च भी कम होता है। टाटा मोटर्स ने लगभग तीन दशक बाद सिएरा को वापस लाया और 2021 में सफारी को रिवाइवल किया। मारुति सुजुकी ने 2015 में बालेनो को प्रीमियम हैचबैक के रूप में लॉन्च किया। हुंडै ने 2018 में सेंट्रो को पुनः पेश किया, जबकि महिंद्रा ने 2022 में स्कॉर्पियो-एन और स्कॉर्पियो क्लासिक लॉन्च किया। अन्य उदाहरणों में मारुति ग्रैंड विटारा और महिंद्रा बोलेरो नियो शामिल हैं। विशेषज्ञों के अनुसार पुराने नाम में भरोसा और पहचान होती है, लेकिन डिज़ाइन और फीचर्स सही न हों तो सफलता नहीं मिलती। पुराने नाम के साथ आधुनिक इंजीनियरिंग जोड़कर कंपनियां पुराने और नए दोनों ग्राहकों को आकर्षित कर रही हैं।

पुतिन की यात्रा से भारत रूस सम्बंधों में नया अध्याय शुरू

मनोज कुमार अग्रवाल

आपको बता दें कि दिल्ली के हैदराबाद हाउस में हुई वार्ता दूरगामी प्रभावों वाली भी साबित है। यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत-रूस संबंधों में यह क्षण डील ऑफ द डिकेड के रूप में दर्ज हो सकता है। रोजगार, व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, कनेक्टिविटी और भविष्य की तकनीकों जैसे क्षेत्रों में जिस पैमाने पर समझौते हुए हैं, वह बताते हैं कि दोनों देश संबंधों को एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुके हैं। यह मोड़ केवल कूटनीति का नहीं, बल्कि आर्थिक, तकनीकी, ऊर्जा, नौकरी, हेल्थकेयर और वैश्विक राजनीति के हर पहलू का है।

भारत और रूस के संबंध केवल दो देशों के बीच एक लंबा आपसी भरोसा सिर्फ कूटनीतिक संबंध नहीं हैं, बल्कि यह सात दशकों से चले आ रहे परस्पर विश्वास सहयोग और रणनीतिक साझेदारी की विरासत है। अनेक अंतरराष्ट्रीय उतार-चढ़ावों के बीच भी यह दोस्ती अपनी स्थिरता और परंपरा के लिए पहचाना जाता रहा है। आजादी के बाद भारत के सामने जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चुनौतियां आई, रूस सबसे आगे खड़ा दिखाई दिया। यही कारण है कि भारत-रूस संबंधों को एक राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दो दिवसीय भारत यात्रा से दोनों देशों की प्रमाणित दोस्ती बतौर देखा जा रहा है। दोनों देशों के बीच हुए समझौते और पुतिन और भारत यात्रा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई व्यापक चचाओं ने इस साझेदारी को एक नया आयाम दिया है।

आपको बता दें कि दिल्ली के हैदराबाद हाउस में हुई वार्ता दूरगामी प्रभावों वाली भी साबित है। यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत-रूस संबंधों में यह क्षण डील ऑफ द डिकेड के रूप में दर्ज हो सकता है। रोजगार, व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, कनेक्टिविटी और भविष्य की तकनीकों जैसे क्षेत्रों में जिस पैमाने पर समझौते हुए हैं, वह बताते हैं कि दोनों देश संबंधों को एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुके हैं। यह मोड़ केवल कूटनीति का नहीं, बल्कि आर्थिक, तकनीकी, ऊर्जा, नौकरी, हेल्थकेयर और वैश्विक राजनीति के हर पहलू का है। विशेष रूप से ऐसे समय में जब विश्व व्यवस्था तीव्र गति से बदल रही है, पश्चिम और रूस के बीच टकराव गहराया हुआ है, चीन का प्रभाव बढ़ रहा है और ग्लोबल साउथ नई भूमिका तलाश रहा है, भारत और रूस का यह नया अध्याय एशिया से यूरेशिया तक की भू-राजनीतिक धुरी को पुनर्परिभाषित करने की क्षमता रखता है। सबसे बड़ा संदेश इस यात्रा से यह निकल कर आया है कि भारत और रूस दोनों ही अब पारंपरिक मित्रता को आधुनिक वैश्विक जरूरतों के अनुरूप पुनर्स्थापित करना चाहते हैं। उदाहरण के लिए, 30 दिन का फ्री वीजा और माइग्रेशन मोबिलिटी समझौता भविष्य में दोनों देशों के बीच मानव संसाधन के आदान-प्रदान को बेहद सरल बनाएगा।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ हुए समझौते में भारत सरकार ने 30 दिनों का फ्री ई-वीजा जारी करने की सुविधा देने की घोषणा की है। इससे भारत आने वाले रूसी पर्यटकों के लिए बेहद आसानी हो जाएगी। पर्यटन मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक करीब 79.7 फीसदी रूसी पर्यटक मनोरंजन, छुट्टियां बिताने, स्मारक देखने के लिए भारत आते हैं। करीब 11.2 फीसदी रूसी पर्यटक ही व्यापार के लिए आते हैं लेकिन वह भी ताजमहल समेत अन्य स्मारक देखने पहुंचते हैं।

आपको पता रहे रूस के पास संसाधनों की कोई कमी नहीं, लेकिन उसे कुशल कामगारों की जरूरत है। दूसरी तरफ भारत युवा शक्ति वाला देश है, जहां लाखों युवाओं के सामने नए रोजगार के अवसरों की खोज सर्वोपरि है। इस समझौते से भारत के युवाओं के लिए रूस में रोजगार के व्यापक अवसर खुलेंगे, वहीं रूस को योग्य प्रशिक्षित मानव संसाधन मिलेगा। यह सहयोग केवल आर्थिक लाभ का नहीं, बल्कि दीर्घकालिक मानवीय और सांस्कृतिक जुड़ाव का भी आधार बनेगा। भारत-रूस आर्थिक कार्यक्रम 2030 ने दोनों देशों की महत्वाकांक्षा को और स्पष्ट किया है। 100 बिलियन डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य साधारण नहीं है। वर्तमान परिस्थितियों में जब रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण नए बाजार की तलाश में है, भारत उसकी आर्थिक संतुलन का विश्वसनीय भागीदार बनकर उभर रहा है। वहीं भारत के लिए रूस ऊर्जा, खनिज, दवाइयों, रक्षा और तकनीक का एक स्थाई स्त्रोत है। यह आर्थिक विस्तार दोनों देशों के लिए समान रूप से लाभकारी है। साथ ही यह भी उल्लेखनीय है कि इस बार सबसे अधिक फोकस हेल्थकेयर, शिक्षा, विज्ञान और तकनीक पर किया गया । यह संकेत है कि संबंध अब केवल रक्षा सौदों या बड़े औद्योगिक समझौतों पर निर्भर नहीं रहेंगे, बल्कि लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों और विकास की दिशा में आगे बढ़ेंगे। स्वास्थ्य साझेदारी में रूस की उच्चस्तरीय मेडिकल तकनीक और भारत की सस्ती जेनरिक दवाइयां, दोनों देशों को स्वास्थ्य सुरक्षा का नया मॉडल दे सकती हैं। मेडिकल रिसर्च और शिक्षा में सहयोग से युवाओं के लिए नए अवसर भी बनेंगे। समुद्री व्यापार पर हुए समझौते भी भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था को देखते हुए बेहद महत्वपूर्ण हैं। आर्कटिक रूट और पोलर वाटर्स के माध्यम से नए शिपिंग कॉरिडोर विकसित करने पर भारत-रूस की सहमति अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों में भारत की भूमिका बढ़ाएगी। इससे भारत का समुद्री व्यापार तेज, लागत, प्रभावी और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सक्षम होगा। रूस के लिए यह आय का स्थाई स्त्रोत तथा एशियाई बाजारों तक पहुंच का नया रास्ता बनेगा। हालांकि, इस यात्रा के दौरान किसी बड़े रक्षा समझौते की घोषणा नहीं की गई। यह स्वयं में एक संकेत है कि भारत अब रक्षा के पुराने ढांचे से निकलकर तकनीक और उत्पादन के नए विकल्प तलाश रहा है। भारत निजी क्षेत्र को रक्षा और अंतरिक्ष जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में प्रवेश दे चुका है, और अब मोदी सरकार सिविल न्यूक्लियर सेक्टर को भी निजी निवेश के लिए खोल रही है। यह कदम केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि एक वैचारिक परिवर्तन है जो भारत को विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेज गति से आगे बढ़ाएगा। पुतिन ने भी यह स्पष्ट कर दिया कि उनकी यात्रा केवल तेल और गैस के सौदों तक सीमित नहीं है। वे भारत के साथ साझेदारी को व्यापक, संतुलित और दीर्घकालिक बनाना चाहते हैं। यही सोच भारत-रूस रिश्ते को अन्य वैश्विक मित्रताओं से अलग बनाती है, जहां संबंध किसी एक एक क्षेत्र पर असंतुलित निर्भरता के बजाय बहुआयामी सहयोग पर आधारित हों। इसमें कोई दोमत नहीं है कि भारत मंडपम में प्रधानमंत्री मोदी और पुतिन की उपस्थिति में आयोजित इंडो-रूस विजनेस फोरम ने न केवल द्विपक्षीय आर्थिक संभावनाओं को नई दिशा दी, बल्कि बदलती वैश्विक राजनीति के बीच दोनों देशों की साझेदारी की गहराती मजबूती का भी स्पष्ट संदेश दिया। इस मंच से प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन की टिप्पणियों ने भारत-रूस संबंधों की वर्तमान गति, भविष्य की दिशा और वैश्विक संदर्भ में इन रिश्तों की अहमियत को कई स्तरों पर रेखांकित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में रूस को सबसे भरोसेमंद दोस्त बताते हुए कहा कि वैश्विक चुनौतियों का सामना केवल अस्थायी उपायों से नहीं किया जा सकता; इसके लिए दीर्घकालिक और टिकाऊ समाधान आवश्यक हैं। यह विचार आज की दुनिया में अत्यंत प्रासंगिक है, जहां भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा संकट, महामारी, आर्थिक अस्थिरता और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएं एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं। भारत और रूस, दोनों ही देश अपने-अपने तरीके से इन चुनौतियों से जूझ रहे हैं। इस संदर्भ में साझेदारी न केवल द्विपक्षीय हितों को आगे बढ़ाती है, बल्कि वैश्विक विमर्श में भी एक संतुलित आवाज का निर्माण करती है। राष्ट्रपति पुतिन ने भारत की आर्थिक प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि भारत स्वतंत्र नीति अपना रहा है और किसी दबाव में नहीं झुकता। यह टिप्पणी आज के परिवर्तित भू-राजनीतिक वातावरण में महत्वपूर्ण है। पश्चिमी देशों के दवाव के बावजूद भारत ने रूस के साथ ऊर्जा, रक्षा और व्यापार संबंधों में स्वतंत्र निर्णय क्षमता दिखाई है। पुतिन का यह बयान भारत की वैश्विक स्थिति को और मजबूती देता है। इसके साथ ही उन्होंने व्यापार वृद्धि के आंकड़े भी दिए कि पिछले तीन वर्षों में 80 प्रति की रिकॉर्ड की रिकॉर्ड वृद्धि और 64 अरब डॉलर का व्यापार। यह तथ्य भारत-रूस संबंधों में व्यावहारिकता और आर्थिक पूरकता की मजबूती का प्रमाण है। कुल मिलाकर देखा जाए तो पुतिन की यह यात्रा केवल कागजी समझौतों की सूची नहीं, बल्कि बदलती दुनिया में एक स्थायी और विश्वसनीय साझेदारी की पुनर्पुष्टि है। भारत और रूस दोनों जानते हैं कि भविष्य की विश्व व्यवस्था बहुध्रुवीय होगी, और ऐसी व्यवस्था में मजबूत, भरोसेमंद और दीर्घकालिक साझेदारियों सबसे बड़ा सामरिक पूंजी होंगी। यह यात्रा उसी दिशा में एक निर्णायक कदम है।

उधर इस यात्रा से अमेरिका में बेचैनी है। पूर्व पेंटागन अधिकारी माइकल रुबिन ने दावा किया कि भारत-रूस नजदीकियों का श्रेय पुतिन नहीं, बल्कि ट्रंप को जाता है. उन्होंने कहा कि मोदी की पुतिन के प्रति मेजबानी, अमेरिका की गलत नीतियों और भारत की रणनीतिक जरूरतों का परिणाम है. रुबिन ने कहा कि अमेरिका को भारत को लेक्चर देना बंद करना चाहिए। पाकिस्तान और चीन के माथे पर भी लकीरें खिंच गयी है। पुतिन का यह दौरा भारत और रूस के संबंधों की नयी सीढ़ी बना है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

आय की गणना और खर्च की गणना

जीडीपी वृद्धि दर को जितनी मोटी सुर्खियों में दिखाया जाता है, उतने ही ध्यानाकर्षक ढंग से यह नहीं बताया जाता कि यह दर किस आधार पर हासिल हुई और कुल (नोमिनल) और वास्तविक वृद्धि दर में कितना फर्क है। जुलाई से सितंबर तिमाही के जीडीपी आंकड़ों ने एक तरह का कौतुक पैदा किया है। जिस समय डॉलर की तुलना में रुपये की कीमत गिरने के बावजूद व्यापार घाटा बढ? का ट्रेंड हो, 8.2 फीसदी की वृद्धि दर हासिल करना अपने-आप में करिश्माई है। वैसे जीडीपी वृद्धि दर को जितनी मोटी सुर्खियों में दिखाया जाता है, उतने ही ध्यानाकर्षक ढंग से यह नहीं बताया जाता कि यह दर किस आधार पर हासिल हुई और कुल (नोमिनल) और वास्तविक वृद्धि दर में कितना फर्क है। 2024-25 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर सात तिमाहियों में सबसे निम्न स्तर पर रही थी। स्पष्टतः उस निम्न आधार के कारण ताजा दर काफी ऊंची नजर आती है। इस बार नोमिनल जीडीपी 8.07 प्रतिशत दर्ज हुई। सरकार ने इससे 0.5 प्रतिशत मुद्रास्फीति दर को घटाया, इसलिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 8.2 फीसदी बताई गई है। मगर दूसरी तिमाही में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति दर 1.9 प्रतिशत थी। पहले के चलन के तहत अगर नोमिनल दर को इससे डिफ्लेट किया जाता (यानी इसे घटाया जाता), तो जीडीपी वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत नजर आती। बहरहाल, ये सब आंकड़ों की बातें हैं। उन्हीं आंकड़ों का, जिन्हें जुटाने की विधि, आधार वर्ष, और अन्य खामियों को कारण बताते हुए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने सी ग्रेड में डाल दिया है। आईएमएफ के मुताबिक भारत के राष्ट्रीय खाता की संख्याओं में ऐसी खामियां हैं, जिनकी वजह से अर्थव्यवस्था के वास्तविक प्रदर्शन की निगरानी बाधित हो जाती है। उसने ध्यान दिलाया है कि भारत के संदर्भ में जीडीपी को मापने के दोनों तरीकों- आय की गणना और खर्च की गणना- से आने वाली संख्या में ठोस फर्क आ जाता है। भारत में जीडीपी सरकार, जनता और कंपनियों की आय के आधार पर मापी जाती है। आदर्श स्थिति वह होती है कि जब उनके खर्च को आधार बनाया जाए, तब भी संख्या कमोबेस समान रहे। मगर भारत में ऐसा नहीं हो रहा है। इससे जीडीपी आंकड़ा समस्याग्रस्त हो जाता है। यह गंभीर टिप्पणी है। इसका परिणाम होगा कि भारत की ऊंची वृद्धि दर को अनेक हलकों में संदेश की निगाह से देखा जाएगा।

चिंतन-मनन

ज्ञान के रास्ते पर

गौतम बुद्ध के प्रवचन में एक व्यक्ति रोज आता था और बड़े ध्यान से उनकी बातें सुनता था। बुद्ध अपने प्रवचन में लोभ, मोह, द्वेष और अहंकार छोड़ने की बात करते थे। एक दिन वह व्यक्ति बुद्ध के पास आकर बोला- मैं लगभग एक महीने से आपके प्रवचन सुन रहा हूं। पर क्षमा करें, मेरे ऊपर उनका कोई असर नहीं हो रहा है। इसका कारण क्या है? क्या मुझमें कोई कमी है?

बुद्ध ने मुस्कराकर पूछा- यह बताओ, तुम कहां के रहने वाले हो?

उस व्यक्ति ने कहा- श्रावस्ती।

बुद्ध ने पूछा- श्रावस्ती यहां से कितनी दूर है?, उसने दूरी बताई।

बुद्ध ने पूछा- तुम वहां कैसे जाते हो?

व्यक्ति ने कहा- कभी घोड़े पर तो कभी बैलगाड़ी में बैठकर जाता हूं।

बुद्ध ने फिर प्रश्न किया- कितना समय लगता है?, उसने हिसाब लगाकर समय बताया।

बुद्ध ने कहा- यह बताओ क्या तुम यहां बैठे-बैठे श्रावस्ती पहुंच सकते हो

व्यक्ति ने आश्चर्य से कहा- यहां बैठे-बैठे भला वहां कैसे पहुंचा जा सकता है। इसके लिए चलना तो पड़ेगा या किसी वाहन का सहारा लेना पड़ेगा।

बुद्ध मुस्कराकर बोले- तुमने बिल्कुल सही कहा। चलकर ही लक्ष्य तक पहुंचा जा सकता है। इसी तरह अच्छी बातों का प्रभाव भी तभी पड़ता है जब उन्हें जीवन में उतारा जाए। उसके अनुसार आचरण किया जाए। कोई भी ज्ञान तभी सार्थक है जब उसे व्यावहारिक जीवन में उतारा जाए। मात्र प्रवचन सुनने या अध्ययन करने से कुछ भी प्राप्त नहीं होता।

उस व्यक्ति ने कहा- अब मुझे अपनी भूल समझ में आ रही है। मैं आपके बताए मार्ग पर आज से ही चलूंगा। बुद्ध ने उसे आशीर्वाद दिया।

भ्रस्टाचार : लोकतंत्र की नींव को खोखला करती दीमक

दिलीप कुमार पाठक

अगर किसी देश को भ्रष्टाचार मुक्त होना है तो समाज के तीन प्रमुख सदस्य माता, पिता और शिक्षक मिलकर काम कर सकते हैं - अबुल कलाम आजाद...

भ्रष्टाचार का मतलब है कि कोई व्यक्ति अपनी शक्ति या पद का इस्तेमाल खुद के फायदे के लिए करता है। इससे लोगों का सरकार और संस्थानों पर भरोसा कम हो जाता है। लोकतंत्र कमजोर पड़ता है, आर्थिक विकास धीमा हो जाता है, और गरीबी, असमानता, सामाजिक झगड़े और पर्यावरण की समस्याएँ बढ़ती हैं। भ्रष्टाचार किसी भी देश या समुदाय पर वही असर डालता है जो लकड़ी में घुन डालता है–शनै?शनै वह देश को खोखला कर देता है। आम शब्दों में कहे तो जायज या नाजायज काम कराने के लिए दिया जाने वाला अनुचित लाभ ही भ्रष्टाचार कहलाता है ' हर साल 9 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस मनाया जाता है ' यह दिवस 31 अक्टूबर 2003 को भ्रष्टाचार के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के पारित होने के बाद से मनाया जाता है ' इसका उदेश्य लोगों को जगाना एवं जागरूक करना है, इसलिए आइए आज इसका अध्ययन करते हैं '

धनी देशों के कई लोग शायद यह मानते हैं कि भ्रष्टाचार उन्हें व्यक्तिगत रूप से प्रभावित नहीं करता, और सोचते हैं कि यह केवल विकासशील देशों की समस्या है। हालाँकि, भ्रष्टाचार इतना घातक है कि यह वैश्विक वित्तीय प्रणाली के सभी हिस्सों में अपनी पैठ बना रहा है और अर्थव्यवस्था, राजनीति और सामाजिक ताने-बाने को विकृत कर रहा है। हर साल लगभग 1 लाख करोड़ डॉलर रिश्वत के रूप में दिया जाता है, जबकि लगभग 2.6 लाख करोड़डॉलर भ्रष्टाचार के कारण चोरी हो जाते हैं। यह कुल राशि पूरी दुनिया के कुल आर्थिक उत्पादन के 5 प्रतिशत से भी अधिक है। विकासशील देशों में भ्रष्टाचार से हुए नुकसान का अनुमान, उन देशों को मिलने वाली आधिकारिक सहायता की राशि से 10 गुना अधिक है। बहुत बड़ी रकम रिश्वत में जाती है, और उससे भी बड़ी रकम भ्रष्टाचार के कारण खो जाती है–जो दुनिया की कुल आय का एक बड़ा हिस्सा है, और गरीब देशों को मिलने वाली मदद से कई गुना अधिक नुकसान पहुँचाती है।

विश्व आर्थिक मंच का कहना है कि हर साल भ्रष्टाचार की वजह से दुनिया की अर्थव्यवस्था को लगभग 3.6 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान होता है। अगर इस पैसे का थोड़ा-सा हिस्सा भी सही जगह इस्तेमाल किया जाए तो गरीबी हटाने, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और अन्य जरूरी सुविधाएँ बहुत बेहतर हो सकती हैं। हम सब एक ही धरती पर रहते हैं, इसलिए जब कुछ लोगों को जरूरत की चीजें नहीं मिलतीं, तो इसका असर हम सभी पर पड़ता है। ब्राजील के किसान खाने के लिए अमेजन के जंगल काट रहे हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन तेज हो रहा है। संसाधनों की कमी के कारण युद्ध शुरू हो रहे हैं, जिससे बहुत सारे लोग शरणार्थी बन रहे हैं। असमानता और अन्याय की वजह से आतंकवादी गतिविधियाँ भी बढ़ रही हैं। भ्रष्टाचार से बहुत सारा पैसा बर्बाद हो रहा है, जबकि वही पैसा गरीबी, बीमारी, शिक्षा और पर्यावरण जैसी बड़ी समस्याओं को हल कर सकता है। जब हम इन समस्याओं को नजरअंदाज करते हैं, तो पूरे दुनिया पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अधिक धन से नकारात्मक परिणाम ज़्यादा निकलते हैं, जब बहुत सारा पैसा राजनैतिक नेताओं और अधिकारियों को खरीद लेता है, तो उस क्षेत्र की सत्ता का ढाँचा बदल जाता है। गठबंधन और प्रभाव बदलने के साथ-साथ भू-राजनीतिक कारण भी काम करते हैं। निवेश योजनाएँ, कंपनियों का काम-काज और पैसे का प्रवाह सब पर असर पड़ता है, और इसका सीधा नुकसान उन लोगों को होता है जो सीधे भ्रष्टाचार में शामिल नहीं होते। जब भ्रष्ट धन को सफेद किया जाता है, तो बड़े शहरों में अचल संपत्ति की कीमतें बढ़ जाती हैं। साथ ही, भ्रष्ट अभिजात्य वर्ग लोकतंत्र को प्रभावित करने की कोशिश करता है, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर पड़ती है। सरल शब्दों में अगर कहा जाए तो बहुत अधिक पैसा सत्ता को खरीद लेता है, आर्थिक गतिविधियों को बिगाड़ता है, आम लोगों की ज़िन्दगी में कठिनाई बढ़ती जाती हैं '

इस साल संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम और संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय मिलकर एक वैश्विक अभियान चला रहे हैं, 'भ्रष्टाचार के खिलाफ एकजुट' अगर हम साथ मिलें तो कई चीजें बेहतर हो सकती हैं। लोकतंत्र को मजबूत बनाना, ताकि लोगों की आवाज सुनाई दे। न्याय को बढ़ावा देना, ताकि हर किसी को उसका हक मिले। शिक्षा का समर्थन करना, ताकि सभी को सीखने का मौका मिले। समृद्धि लाना, ताकि लोगों के पास काम और पैसे हों। विकास की सुरक्षा करना, ताकि प्रोजेक्ट्स बिना बाधा के चलें। जन स्वास्थ्य में सुधार करना, ताकि सभी को बेहतर इलाज मिल सके। इन छोटे-छोटे कदमों से दुनिया भर में भ्रष्टाचार को कम किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट का त्वरित सुनवाई से इनकार

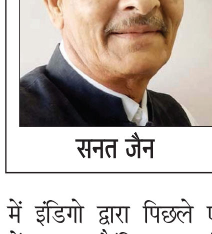
सनत जैन

भारत में इंडिगो द्वारा पिछले एक सप्ताह में हजारों फ्लाइट कैंसिल कर दी गई। दिल्ली, श्रीनगर, हैदराबाद, बेंगलुरु, अहमदाबाद सहित अन्य एयरपोर्ट में अभी तक हजारों फ्लाइट कैंसिल हो चुकी हैं। एक दिन पहले ही इंडगो एयरलाइन ने 650 से ज्यादा उड़ाने रद्द कर दी थीं। देश के सभी एयरपोर्ट में मारामारी मची हुई है। देसी और विदेशी यात्री एयरपोर्ट पर परेशान हो रहे हैं। उनका सामान उन्हें वापस नहीं मिल रहा है। फ्लाइट कैंसिल होने की सूचना उन्हें समय पर नहीं दी गई। जो यात्री विमानतल के अंदर थे, उनकी सुख-सुविधा का ध्यान भी नियमानुसार इंडिगो ने नहीं रखा। यात्रियों में महिलाएं और बच्चे बुरी तरह से परेशान होते रहे। बच्चों को पीने के लिए दूध नहीं मिला। महिलाओं को सैनिटरी पेड नहीं मिले। 24 घंटे से ज्यादा हवाई यात्री विमानतलों पर कैद रहे। उनको सुनने वाला कोई नहीं था। उन्हें विमानतल पर खाना नहीं मिला। इससे बड़ी अव्यवस्था क्या हो सकती थी। इंडिगो एयरलाइंस अपनी जिम्मेदारी से लगातार भागती रही। अन्य एयरलाइन कंपनियों ने इसका भरपूर फायदा उठाया। 40,000 से लेकर 100000 रुपए तक में टिकट बेची गई। सरकार चुपचाप तमाशा देखती रही। यात्री परेशान होते रहे। पिछले एक सप्ताह से भारत के विमानतलों पर जिस तरह से यात्री परेशान हो रहे हैं, उनका आर्थिक शोषण किया जा रहा है, उन्हें शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना दी जा रही है। इसके बाद भी सरकार और सुप्रीम कोर्ट जिस तरह से विमानन कंपनी इंडिगो के सामने आत्मसमर्पण करते हुए दिख रहे हैं, उसको लेकर यात्रियों में भारी गुस्सा है। हर कोई अपनी जवाबदारी से बच रहा है। हवाई जहाज के यात्रियों को उनके भाग्य भरोसे छोड़ दिया गया है। सरकार ने चार दिन बाद इंडगो एयरलाइन कंपनी से कहा, वह यात्रियों के टिकट के पैसे रविवार की शाम तक वापस कर दे। सरकार ने कारण बताओ नोटिस देकर इति श्री कर ली। हजारों की संख्या में यात्रियों की फ्लाइट कैंसिल हुई थी। कई को विदेश जाने की फ्लाइट नहीं मिली। हवाई यात्रियों को तरह-तरह की परेशानियां अभी भी हो रही हैं। देसी और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर इसका असर पड़ा है। डीजीसीए के अधिकारी हाथ पर हाथ धरे बैठे हुए हैं। उड्डयन मंत्रालय भी इंडिगो एयरलाइंस के सामने बेबस नजर आ रहा है। जिस तरह की स्थिति भारत में बनी है, उसको लेकर सारी दुनिया के देशों में भारत ओर एयरलाइन कंपनियों की सेवाओं को लेकर तरह-तरह की चर्चा होने लगी है। सारे विश्व में भारत की छवि धूमिल हो गई है। भारत में नियम-कानून और कानून व्यवस्था को लेकर किस तरह की स्थिति है इसे सारी दुनिया के देशों ने जान लिया है। 50000 से ज्यादा देसी और विदेशी यात्री पिछले एक सप्ताह से परेशान होकर यहां से वहां भटक रहे हैं। इतने गंभीर मामले को भी सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनने से मना कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस मामले को यह कहते हुए सुनने से मना कर दिया है, भारत सरकार पहले ही एक्शन ले चुकी है। इस मामले की सुनवाई वह 10 दिसंबर को करेंगे। सरकार ने क्या एक्शन लिया है यह भी सुप्रीम कोर्ट ने जानने की जहमत नहीं उठाई। मुख्य न्यायाधीश की यह टिप्पणी, वह एयरलाइन नहीं चला सकते हैं। इससे भारत के लोगों को बड़ी निराशा हुई है। नागरिकों का मानना था, कि सुप्रीम कोर्ट स्वयं संज्ञान लेकर इस मामले की सुनवाई करता। यात्रियों को फौरी तौर पर राहत देने के लिए कोई आदेश करता। वह तो सुप्रीम कोर्ट ने किया नहीं। जब यात्रियों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका लगाई गई। इंडिगो की फ्लाइट कैंसिल होने के कारण जिन यात्रियों को परेशानी हो रही है। उन्हें तत्काल राहत देने के निर्देश केंद्र सरकार और विमानन कंपनी को दिए जाएं। नियमों का पालन एयरलाइन कंपनी से कराया जाए। यात्रियों से जिस तरह का मनमाना किराया वसूल किया जा रहा है, उस पर तत्काल रोक लगाई जाए। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने याचिका की तत्काल प्रारंभिक सुनवाई करने से ही इनकार कर दिया। इस कारण यात्रियों को कहीं से भी कोई राहत मिलती हुई दिख नहीं रही है। यात्रियों को तत्काल राहत की आवश्यकता थी। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार और कंपनियों के भरोसे हजारों यात्रियों को उन्हीं के भरोसे छोड़ दिया, जो उन्हें तकलीफ दे रहे हैं। पिछले एक सप्ताह से यात्री परेशान हैं। उनके साथ छोटे बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं भी हैं। जो बुरी तरह से परेशान हैं। सरकार और विमानन कंपनियां गंभीरता के साथ यात्रियों की परेशानी का निराकरण कर रही होती। यात्रियों को राहत पहुंचाने का कोई प्रयास कर रही होती। तो यात्रियों को सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में याचिका लगाने की जरूरत नहीं होती। जिस तरह से न्यायपालिका ने मामले को सुनने से इनकार किया है। इसके बाद यह धारणा बनने लगी है। न्यायपालिका ऐसे किसी भी मामले की सुनवाई नहीं करना चाहती है। जिससे सरकार को कोई परेशानी हो। सुप्रीम कोर्ट जैसी सर्वोच्च संस्था यदि नागरिकों को सरकार और कार्यपालिका के भरोसे छोड़ देगी तो ऐसी स्थिति में न्यायपालिका की साख और न्यायपालिका के ऊपर आम नागरिकों का जो विश्वास होता है वह विश्वास भविष्य में देखने को नहीं मिलेगा। देश में अराजकता की स्थिति बनेगी। कार्यपालिका और विधायिका जिस तरह से अपनी जवाबदेही से बच रही है, न्याय पालिका मे भी जब नागरिकों के अधिकारों की रक्षा नहीं होगी, ऐसी स्थिति में न्याय पालिका की भूमिका भी कोई मायने नहीं रखेगी। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है। आगे चलकर कानून व्यवस्था की स्थिति भी प्रभावित हो सकती है। लोग अपने तरीके से न्याय पाने की कोशिश करेंगे। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट को इस तरह के मामले में स्वयं संज्ञान लेकर कार्रवाई करने की आशा की जाती है। हवाई यात्री भारी भरकम किराया देकर यहां से वहाँ यात्रा करते हैं। उनके समय की कीमत होती है। हजारों की संख्या में बूढ़े, बच्चे और महिलाएं यहां से वहां कई दिनों से मारे-मारे फिर रहे हैं। सरकार और विमानन कंपनियां अपने कर्तव्यों का पालन नहीं कर रही हैं। न्यायपालिका भी हजारों यात्रियों को उनके ही भरोसे छोड़कर, पल्ला झाड़ लेगी, तो इस स्थिति में भविष्य में क्या हो सकता है। इसका सहज अंदाजा लगाया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

बल प्रयोग कर सकते हैं ट्रंप, कथित ड्रग तस्करी से जुड़ी नावों पर हमलों को लेकर बोले रक्षा मंत्री हेगसेथ

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कथित ड्रग कार्टेल से जुड़ी नावों पर सैन्य हमलों का बचाव किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास देश की सुरक्षा के लिए जैसा वह उचित समझें कार्रवाई करने का अधिकार है। हेगसेथ ने कहा कि ट्रंप अपनी इच्छानुसार बल का इस्तेमाल कर सकते हैं। रोनाल्ड रीगन प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी में बोलते हुए हेगसेथ ने हमलों की आलोचनाओं को खारिज कर दिया। गौरतलब है कि इन सैन्य हमलों में 80 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। इन हमलों पर अंतरराष्ट्रीय कानून के संभावित उल्लंघन को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। पीट हेगसेथ ने तर्क दिया कि अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा के लिए ये ऑपरेशन वाजिब था। उन्होंने इसकी तुलना 11 सितंबर 2001 के हमलों के बाद लिए गए फैसलों से की। हेगसेथ ने कहा कि अगर आप किसी घोषित आतंकी संगठन के लिए काम कर रहे हैं और देश में नाव के जरिये ड्रग्स लाते हैं तो हम आपको ढूंढ लेंगे और डुबो देंगे। इसमें कोई शक नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप देश के हितों की रक्षा के लिए जैसा सही समझेंगे, वैसी निर्णायक सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं और करेंगे। उन्होंने कहा कि दुनिया के किसी भी देश को इस पर शक नहीं होना चाहिए। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने संदिग्ध ड्रग तस्करों की तुलना आतंकवादी संगठन अल-कायदा से की। उनकी यह टिप्पणी ट्रंप प्रशासन की ओर से राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति जारी करने के तुरंत बाद आई है, जिसमें यूरोपीय साझेदारों को कमजोर बताया गया है। इस रणनीति का मकसद अमेरिकी ताकत को पश्चिमी गोलार्ध में फिर से स्थापित करना है।

कंप के तेज झटकों से कांपी धरती, रिक्टर स्केल पर 7.0 रही तीव्रता...दहशत में लोग

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के अलास्का राज्य और कनाडा के युकोन इलाके की सीमा पर शनिवार को एक ताकतवर 7.0 की तीव्रता वाला भूकंप आया। यह इलाका पहाड़ी है और यहां आबादी बहुत कम रहती है, इसलिए नुकसान की जानकारी अभी सीमित है। इस भूकंप के कुछ ही मिनट बाद 5.6 और 5.3 तीव्रता के दो और आफ्टरशॉक दर्ज किए गए। लगातार आने वाले झटकों से इलाके में दहशत का माहौल है। यह इलाका जंगलों, पहाड़ों और बर्फीले मैदानों से घिरा है, इसलिए यहां पहुंचना मुश्किल होता है। फिर भी अधिकारी स्थिति का आकलन कर रहे हैं। अमेरिकी सुनामी वार्निंग सिस्टम ने साफ किया है कि इस भूकंप से सुनामी का कोई खतरा नहीं है, क्योंकि झटके समुद्र के बहुत अंदर नहीं आए। फिलहाल किसी बड़े नुकसान या जान-माल की हानि की खबर नहीं है, लेकिन आफ्टरशॉक जारी रहने की वजह से लोग सावधानी बरत रहे हैं और स्थानीय एजेंसियां हालात पर नजर बनाए हुए हैं।

ड्रोन हमला : 33 बच्चों समेत 50 लोगों की मौत, बढ़ सकता है मरने वालों का आंकड़ा

खार्तूम, एजेंसी। दक्षिण-मध्य सूडान में बच्चों के एक स्कूल पर एक अर्धसैनिक समूह द्वारा किये गये ड्रोन हमले में 33 बच्चों सहित 50 लोगों की मौत हो गई। चिकित्सकों के एक समूह ने यह जानकारी दी। सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क ने शुक्रवार देर रात एक बयान में कहा कि दक्षिण कोर्डोफन प्रांत के कलोगी शहर में पैरामेडिक्स को ﬓदूसरे अप्रत्याशित हमलेﬓ में निशाना बनाया गया। सूडान में नागरिकों के विरुद्ध हिंसा पर नजर रखने वाले एक अधिकार समूह, इमरजेंसी लॉयर्स ने शनिवार को एक बयान में बताया कि कलोगी में बचे लोगों का इलाज कर रहे पैरामेडिक्स पर दूसरा हमला हुआ है, तथा कहा कि ﬓपिछले दो के निकट एक तीसरे नागरिक स्थलﬓ पर भी हमला किया गया। समूह ने हमले की निंदा की तथा हमलों के लिए अर्धसैनिक समूह, रैपिड सपोर्ट फोर्सेस या आरएसएफ को दोषी ठहराया तथा इसे अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का घोर उल्लंघन बताया। मृतकों की संख्या अधिक होने की आशंका है, लेकिन इलाके में संचार व्यवस्था ठप होने के कारण हताहतों की सूचना देना मुश्किल हो गया है। बृहस्पतिवार को किया गया हमला अर्धसैनिक समूह 'रैपिड सपोर्ट फोर्सेस (आरएसएफ) और सूडानी सेना के बीच जारी जंग में नया घटनाक्रम है। दोनों समूह दो साल से भी ज्यादा समय से युद्धरत हैं। अब युद्ध तेल-समृद्ध कोर्डोफन राज्य में केंद्रित है। सूडान में यूनिसेफ प्रतिनिधि शेल्डन येट ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, स्कूल में बच्चों की हत्या बच्चों के अधिकारों का घोर उल्लंघन है। ऐसा नहीं होना चाहिए कि संघर्ष की कीमत बच्चों को चुकानी पड़े। उन्होंने कहा कि यूनिसेफ सभी पक्षों से ''इन हमलों को तुरंत रोकने और जरूरतमंद लोगों तक मानवीय सहायता की सुरक्षित व निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करने का आग्रह करता है।

संपत्तियां फ्रीज, कंपनियों पर भी प्रतिबंध; खालिस्तानी आतंकियों के खिलाफ ब्रिटेन की बहुत बड़ी कार्रवाई

लंदन, एजेंसी। भारत के दबाव के बीच ब्रिटेन ने खालिस्तानी आतंकवादी समूहों के खिलाफ बड़ा ऐतिहासिक कदम उठाया है। ब्रिटिश सरकार ने 4 दिसंबर को गुरप्रीत सिंह रेहल नामक एक व्यक्ति और बब्बर अकाली लहर संगठन पर आतंकवाद से जुड़े आरोपों के तहत प्रतिबंध लगा दिए हैं। यह कार्रवाई खासतौर पर बब्बर खालसा इंटरनेशनल नामक प्रतिबंधित खालिस्तानी आतंकवादी संगठन से इनकी सांठगांठ के लिए की गई है। इस कदम से ब्रिटेन की वित्तीय प्रणाली का दुरुपयोग करने वाले चरमपंथियों को झटका लगेगा और भारत-ब्रिटेन के बीच आतंकवाद विरोधी सहयोग को नई मजबूती मिलेगी। ब्रिटेन सरकार ने काउंटर-टेररिज्म (सैंक्शंस) (ईयू एग्जिट) रेगुलेशंस 2019 के तहत इन प्रतिबंधों को लागू किया है। मुख्य कार्रवाइयों में शामिल हैं- संपत्ति फ्रीजः रेहल, बब्बर अकाली लहर और इनसे जुड़ी कंपनियों की ब्रिटेन में स्थित सभी संपत्तियों, फंड्स और आर्थिक संसाधनों को तत्काल प्रभाव से फ्रीज कर दिया गया है। ब्रिटिश नागरिकों या संस्थाओं को इन संसाधनों से कोई सौदा करने, या इन्हें कुछ भी उपलब्ध कराने की अनुमति नहीं है, जब तक कि एचएम ट्रेजरी से लाइसेंस न मिले।

कंपनियों पर असरः रेहल से जुड़े संगठन सेविंग पंजाब सीआईसी, वाइटहॉक कंसल्टेशंस लिमिटेड और अनइनकॉर्पोरेटेड संगठन लोहा डिजाइन्स पर भी प्रतिबंध लगे हैं। गुरप्रीत सिंह रेहल को किसी कंपनी का निदेशक बनने या उसके प्रबंधन में प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से भाग लेने से रोक दिया गया है। प्रतिबंधों का उल्लंघन करने पर सात साल तक की कैद या 10 लाख पाउंड तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। ब्रिटेन के वित्त मंत्रालय के मूल्यांकन के अनुसार, यह पहली बार है जब घरेलू काउंटर-टेररिज्म रिजीम का इस्तेमाल खालिस्तानी मिलिटेंट ग्रुप्स के फंडिंग को बाधित करने के लिए किया गया है।

खालिस्तानी आतंक से जुड़े आरोपः भर्ती, फंडिंग और हथियार खरीद : गुरप्रीत सिंह रेहल पर भारत में आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्त संगठनों से जुड़ने का आरोप है। ब्रिटिश सरकार का मानना है कि वह बब्बर खालसा और बब्बर अकाली लहर की गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। इन आतंकी संगठनों की गतिविधियों में समूहों का प्रचार-प्रसार और प्रोत्साहन, भर्ती अभियान चलाना, वित्तीय सेवाएं प्रदान करना, हथियारों और अन्य सैन्य सामग्री की खरीद में सहायता और ऐसे ही संगठनों को समर्थन और सहयोग देना शामिल है। बब्बर अकाली लहर को बब्बर खालसा का सहयोगी संगठन माना जाता है, जो इसकी भर्ती, प्रचार और आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देता है। बब्बर खालसा इंटरनेशनल एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन है, जो खालिस्तान आंदोलन के नाम पर हिंसा और घृणा फैलाने के लिए फेमस है। ब्रिटेन सरकार की ये कार्रवाइयां भारत में हो रही आतंकवादी गतिविधियों को समर्थन देने वाले नेटवर्क को निशाना बनाती है।

ब्रिटिश अधिकारियों के बयानः आतंकवाद के फंडिंग को कुचलेंगे : आर्थिक सचिव लूसी रिग्बी केसी एमपी ने इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि जब आतंकवादी ब्रिटेन की वित्तीय प्रणाली का शोषण करेंगे तो हम चुपचाप नहीं देखेंगे। यह ऐतिहासिक कदम दर्शाता है कि हम हर उपलब्ध टूल का इस्तेमाल करके आतंकवाद की फंडिंग को रोकने के लिए तैयार हैं- चाहे वह कहीं भी हो। ब्रिटेन उन शांतिपूर्ण समुदायों के साथ दृढ़ता से खड़ा है, जो हिंसा और घृणा को बढ़ावा देने वालों के खिलाफ है।

भारत-ब्रिटेन सहयोग को मिली मजबूतीः वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त मोर्चा : यह कदम भारत और ब्रिटेन के बीच बढ़ते आतंकवाद विरोधी सहयोग का प्रतीक है। ब्रिटेन ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह विदेशी मिट्टी पर आतंकवाद को समर्थन देने वाले नेटवर्क को बर्दाश्त नहीं करेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे खालिस्तानी चरमपंथियों के वैश्विक फंडिंग चैनलों पर असर पड़ेगा। इससे भारत की सुरक्षा चिंताएं भी जुड़ी हुई हैं।

बब्बर खालसा का इतिहास और खतरा : बब्बर खालसा 1980 के दशक में खालिस्तान आंदोलन के दौरान उभरा। यह भारत में कई आतंकी हमलों के लिए जिम्मेदार रहा है। यह संगठन हथियार तस्करी, विस्फोटक हमले और राजनीतिक हत्याओं में लिप्त रहा है। ब्रिटेन में इसके समर्थक लंदन और अन्य शहरों में सक्रिय हैं, जहां वे फंडिंग और प्रचार के जरिए गतिविधियां चलाते हैं। हाल के वर्षों में, भारत ने ब्रिटेन से ऐसे नेटवर्क्स पर कार्रवाई की मांग की थी, और यह संयुक्त घोषणा उसी दिशा में एक बड़ा कदम है। यह कार्रवाई ब्रिटेन की व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जो वैश्विक आतंकवाद को फंडिंग रोकने पर केंद्रित है। आने वाले दिनों में और प्रतिबंधों की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, खासकर जब अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ रहा है।

न्यू साउथ वेल्स के जंगल में आग लगने से 12 घर जलकर खाक

सिडनी, एजेंसी। आस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स में जंगलों में आग लगने से कई घर जलकर खाक हो गये हैं। आस्ट्रेलिया की न्यू साउथ वेल्स रूरल फायर सर्विस ने पुष्टि की है कि आग से कई घर जलकर खाक हो गए हैं। ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (एबीसी) ने शनिवार दोपहर यह जानकारी दी। एबीसी ने बताया कि घरों में आग लगने की घटना तक सामने आई जब नेटवर्क के न्यूज़ हेलीकॉप्टर से चलाए गए लाइव वीडियो में निंबिन रोड, कोलूवोंग के पास कम से कम 12 घर आग लगने से पूरी तरह खाक हो गये थे। न्यू साउथ वेल्स रूरल फायर सर्विस ने आज दोपहर निंबिन रोड के लिए एक आपातकालीन चेतावनी जारी की। जंगल में लगी आग दक्षिण दिशा के ग्लेनरॉक परेड से लारा स्ट्रीट की ओर बढ़ रही है। अधिकारियों ने आग में फंसे लोगों से कहा, अगर आप निंबिन रोड, ग्लेनरॉक परेड, लारा स्ट्रीट और निमाला एवेन्यू के क्षेत्र में हैं, तो आपके लिए खतरा हैं। यदि रास्ता साफ मिलता है तो अभी वॉय वॉय की ओर सुरक्षित बाहर निकल सकते हैं। कोलूवोंग न्यू साउथ वेल्स के सेंट्रल कोस्ट का

एक उपनगर है, जो सिडनी सीबीडी से लगभग एक घंटे की दूरी पर स्थित है। एबीसी ने यह भी रिपोर्ट दी है कि कोलूवोंग में पटरियों के पास आग लगने के कारण सेंट्रल कोस्ट और न्युकैसल रेलवे लाइन पर ट्रेनों को आवागमन नहीं हो रहा है। एनएसडब्ल्यू आरएफएस ने बाद में बैरामी, बैरामी क्रीक, विडन, यारावा और केराबी क्षेत्रों के लिए एक और आपातकालीन चेतावनी जारी की, क्योंकि वहां जंगल के एक बड़े क्षेत्र में जबरदस्त आग लगी है। ये क्षेत्र एनएसडब्ल्यू के ऊपर क्षेत्र में हैं और सिडनी सीबीडी से 200 किलोमीटर से अधिक उत्तर-पश्चिम में स्थित हैं। अधिकारियों ने इन क्षेत्रों के लोगों को सूचित किया कि उनकी जान खतरे में हैं और अब इलाके से बाहर निकलने में बहुत देर हो चुकी है। उन्होंने लोगों से एक मजबूत संरचना के अंदर शरण लेने का आग्रह किया है।

चीनी सैन्य विमान ने जापानी विमानों पर दो बार लॉक किया रडार, जापान ने दर्ज कराया कड़ा विरोध; तनाव बढ़ा

टोक्यो , एजेंसी। चीन के एक सैन्य विमान ने शनिवार (स्थानीय समयानुसार) को ओकिनावा के पास जापानी लड़ाकू विमानों पर अपना रडार लॉक किया। जापान ने आज इस घटना को लेकर चीन के सामने विरोध दर्ज कराया है। चीनी सैन्य विमान ने विमानवाहक पोत लियानओनिंग से उड़ान भरी थी। यह घटना ऐसे समय हुई है, जब हाल ही में जापानी प्रधानमंत्री के ताइवान पर दिए बयान के बाद दोनों देशों के संबंध खराब हो गए हैं। जापान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, लियाओनिंग से उड़ान भरने वाले जे-15 लड़ाकू विमान ने शनिवार को दो बार जापान के एफ-15 विमानों पर अपना रडार लॉक किया। पहली बार देर दोपहर करीब तीन मिनट के लिए और दूसरी बार शाम में लगभग 30 मिनट तक रडार लॉक किया गया। हालांकि जापान के हवाई क्षेत्र का कोई उल्लंघन नहीं हुआ और न ही किसी तरह का नुकसान हुआ। रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने इसे बेहद खतरनाक हरकत बताया। उन्होंने कहा कि चीन का यह कदम सुरक्षित सैन्य उड़ान संचालन की सीमा से बाहर है। उन्होंने कहा कि जापान ने चीन के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की है। घटना के बाद दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ सकता है। चीन पहले ही जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची के उस बयान पर नाराजगी जता चुका है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर चीन ताइवान पर कोई कार्रवाई करता है तो जापान भी इसमें शामिल हो सकता है। घटना के दौरान लियाओनिंग ओकिनावा और मियाको द्वीपों के बीच से गुजर रहा था और वह प्रशांत महासागर में विमान संचालन का अभ्यास कर रहा था। जापानी एफ-15 विमान सतर्कता के तौर पर हवा में भेजे गए थे और वे सुरक्षित दूरी पर रहते हुए चीनी विमानों पर नजर रख रहे थे। रक्षा विशेषज्ञों ने बताया कि लड़ाकू विमान रडार का इस्तेमाल सामान्य खोज के लिए भी करते हैं और मिसाइल दागने से पहले फायर कंट्रोल के रूप में भी। माना जा रहा है कि जापान और चीन के बीच रडार लॉक की यह पहली घटना है। इससे पहले साल 2013 में एक चीनी युद्धपोत ने जापानी डेस्ट्रॉयर पर रडार लॉक किया था।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया की हालत नाजुक, लंदन रवाना होने की तैयारी फिर टली

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और तीन बार देश का नेतृत्व कर चुकीं खालिदा जिया की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। लंदन ले जाने की तैयारी कई दिनों से चल रही थी, लेकिन डॉक्टरों ने एक बार फिर उनकी यात्रा टाल दी है। शनिवार को मेडिकल बोर्ड ने साफ कहा कि इस समय खालिदा जिया का विदेश जाना सुरक्षित नहीं है। इसी वजह से लंदन रवाना करने की योजना अनिश्चित काल के लिए टाल दी गई। डॉक्टरों के मुताबिक, खालिदा जिया को फिलहाल ढाका के एवरकेयर अस्पताल के CCU में रखा गया है। 80 साल की जिया को पिछले महीने सीने में गंभीर संक्रमण होने के बाद भर्ती कराया गया था। उनकी हालत लगातार उठ-बैठ रही है, इसलिए मेडिकल बोर्ड ने यात्रा को 'जोखिम भरा' बताया। डॉक्टरों का कहना है कि एयर

एम्बुलेंस तैयार है, लेकिन मरीज की स्थिति यात्रा योग्य होने पर ही उड़ान होगी। पहले तय था कि जिया शुक्रवार को लंदन रवाना होंगी, लेकिन कतर की ओर से भेजी जा रही एयर एम्बुलेंस तकनीकी खराबी के कारण ढाका नहीं पहुंच सकी। बाद में मीडिया रिपोर्ट में दावा हुआ कि कतर ने जर्मनी से दूसरा विमान मंगवाया, लेकिन डॉक्टरों ने कहा कि मरीज की हालत अब यात्रा की अनुमति नहीं देती। BNP नेता डॉक्टर जाहिद हुसैन ने बताया कि जिया की विदेश यात्रा उनकी सेहत सुधरते ही कराई जाएगी।

बेटे तारीक की पत्नी ढाका पहुंचीं : खालिदा जिया के बेटे और BNP के कार्यवाहक प्रमुख तारीक रहमान लंदन में रहते हैं और कई कानूनी कारणों से बांग्लादेश नहीं लौट पा रहे। हालांकि उनकी पत्नी जुबैदा रहमान शुक्रवार को ढाका पहुंच गईं ताकि जिया को लंदन ले जाने की प्रक्रिया में सहयोग कर सकें। तारीक रहमान ने सोशल मीडिया पर लिखा कि वे मां के पास आना चाहते हैं, लेकिन यह निर्णय सिर्फ उनके हाथों में नहीं है।

हेलीकॉप्टर लैंडिंग की भी तैयारी : जिया की हालत बिगड़ने के बाद सेना और वायुसेना ने एवरकेयर अस्पताल की छत पर हेलीकॉप्टर लैंडिंग ट्रायल भी किया था। योजना यह थी कि जरूरत पड़ने पर सीधे अस्पताल से उन्हें एयरपोर्ट ले जाया जाएगा। इससे साफ होता है कि सरकार और चिकित्सा बोर्ड पूरी प्रक्रिया को बेहद गंभीरता से संभाल रहे हैं। क्ष्ह्वक्क नेता देशभर में मस्जिदों और मंदिरों में जिया के स्वास्थ्य लाभ के लिए दुआ और प्रार्थना कर रहे हैं। बांग्लादेश की बदलती राजनीतिक स्थिति के बीच क्ष्ह्वक्क पहले ही मुख्य राजनीतिक शक्ति के रूप में उभर चुकी है। अब खालिदा जिया की खराब सेहत ने पार्टी के भविष्य को और संवेदनशील बना दिया है।

ताइवान के करीब चीन ने बढ़ाई सैन्य गतिविधियां, गश्त करते दिखे दो विमान और सात नौसैनिक जहाज

ताइपे , एजेंसी। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने रविवार को बताया कि उसके क्षेत्र के आस-पास चीनी सेना (पीएलए) के दो विमान उड़ान भरते हुए और सात नौसैनिक (पीएलएएन) जहाज गतिविधि करते हुए दिखाई दिए। इसी समय एक चीनी गुब्बारा भी देखा गया। मंत्रालय ने एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा, आज सुबह छह बजे (स्थानीय समयानुसार) तक ताइवान के आसपास पीएलए के दो विमानों और पीएलएएन के सात जहाजों की गतिविधि दर्ज की गई। इसी समय एक चीनी गुब्बारा भी पाया गया। ताइवान के रक्ष बलों ने स्थिति की निगरानी और प्रतिक्रिया दी। शनिवार को ताइवान के आसपास चीनी सैन्य गतिविधियां बढ़

गईं। उस दिन चीन के 29 लड़ाकू विमानों ने उड़ान भरी और छह नौसैनिक जहाजों की गतिविधि देखी गई। इस बीच, जो बाइडन प्रशासन के पूर्व रक्षा अधिकारी एलि रैटनर ने जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची के बयान को समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि ताइवान की रक्षा में जापान के शामिल होने की संभावना पर चीन की प्रतिक्रिया अनुचित है। ताइपे टाइम्स के मुताबिक, एलि रैटनर 2021 से इस वर्ष तक हिंद-प्रशांत सुरक्षा मामलों के लिए सहायक रक्षा सचिव थे। उन्होंने कहा कि ताइवान पर टिप्पणी कर ताकाइची ने केवल जापान की आधिकारिक नीति दोहराई है। सात नवंबर को जापानी प्रधानमंत्री ने संसद में कहा था कि अगर चीन ताइवान पर हमला करता है, तो इसे जापान के अस्तित्व के लिए खतरा माना जा सकता है और जापान को कदम उठाना पड़ सकता है। ताकाइची दशकों में पहली जापानी नेता हैं, जिन्होंने खुलकर कहा कि ताइवान जलडमरूमध्य में संकट के समय जापान की सेना शामिल हो सकती है। उनके बयान से चीन नाराज हुआ और उसने जापान की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने के लिए कई कदम उठाए, जिनमें जापान की यात्रा और शिक्षा पर चेतावनी और जापानी समुद्री भोजन के आयात को रोकना शामिल है।

संदिग्ध गुब्बारों से हड़कंप, लिथुआनिया का विलनियस एयरपोर्ट बंद

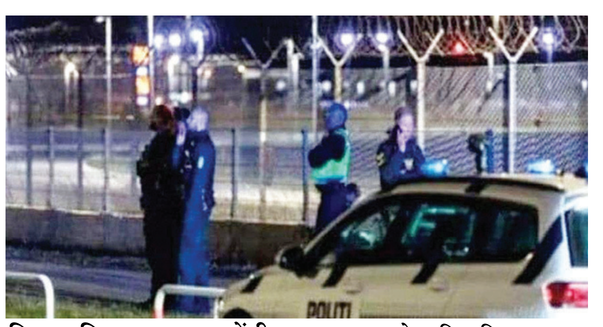

लिथुआनिया , एजेंसी। लिथुआनिया के विलनियस एयरपोर्ट ने शनिवार को अपने सभी ऑपरेशंस रोक दिए। वजह थी एयरपोर्ट के ऊपर अचानक कुछ गुब्बारे दिखाई देना। देश की नेशनल क्राइसिस मैनेजमेंट सेंटर ने बताया कि एयर ट्रैफिक 1905 त्रस्स्न तक बंद रहेगा। यह पहली बार नहीं है जब ऐसा हुआ हो। विलनियस एयरपोर्ट, जो बेलारूस की सीमा से सिर्फ 30 किलोमीटर दूर है, अक्टूबर की शुरुआत से अब तक 10 से ज्यादा बार इसी वजह से बंद किया जा चुका है। आखिरी बार एयरपोर्ट 3 दिसंबर को बंद किया गया था।

गुब्बारे कौन भेज रहा है : लिथुआनिया का कहना है कि ये गुब्बारे बेलारूस से तस्करों द्वारा भेजे जा रहे हैं, जो इनके जरिये सिगरेट की तस्करी करते हैं। लेकिन बात सिर्फ तस्करी तक सीमित नहीं है, लिथुआनिया बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्ज़ेंडर लुकाशेंको पर भी उंगली उठा रहा है। लिथुआनिया का आरोप है कि बेलारूस की सरकार इन्हें रोक नहीं रही बल्कि यह एक तरह का ÷हाइब्रिड अटैक÷ है, जिससे लिथुआनिया के हवाई यातायात को बाधित किया जा रहा है। लुकाशेंको रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीबी हैं, इसलिए ये घटनाएं राजनीतिक तौर पर भी संदेह पैदा करती हैं

हाइब्रिड अटैक क्या होता है : जब किसी देश को सीधे हमला किए बिना असामान्य तरीकों से तनाव पैदा किया जाए। आर्थिक या सुरक्षा व्यवस्था को बाधित किया जाए तो इसे हाइब्रिड अटैक कहा जाता है। लिथुआनिया का कहना है कि गुब्बारों को लगातार भेजकर एयरपोर्ट को बंद करने की नौबत खड़ी की जा रही है, जिससे देश की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर असर पड़ रहा है।

एयरपोर्ट बंद होने का असर : बार-बार एयरपोर्ट बंद होने से फ्लाइटें देरी से उड़ रही हैं या कैंसल हो रही हैं। यात्रियों को असुविधा हो रही है। एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था पर दबाव बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता बढ़ रही है कि यह सिलसिला कहां तक जाएगा। सरकारी एजेंसियां अब लगातार एयरस्पेस की निगरानी कर रही हैं, ताकि गुब्बारों के कारण फिर से एयरपोर्ट को बंद न करना पड़े।

पुतिन की भारत यात्रा ट्रंप की नाकामी, पेंटागन के पूर्व अधिकारी का बड़ा बयान; अमेरिकी नीति को बताया पाखंड

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन के पूर्व अधिकारी माइकल रूबिन ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे को बहुसंख्य अमेरिकी नागरिक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोर नाकामी के रूप में देख रहे हैं। अमेरिकी नागरिक ट्रंप को पसंद नहीं करते। रूबिन ने दावा किया कि हालिया सर्वे में पाया गया है कि अमेरिका के 65 प्रतिशत लोग ट्रंप को नापसंद करते हैं। अमेरिकी पूर्व अधिकारी ने कहा कि रूस से रियायती तेल खरीदने पर भारत को लेक्चर देकर अमेरिका पाखंड कर रहा है क्योंकि वॉशिंगटन खुद मॉस्को के साथ व्यापार में शामिल है। उन्होंने नई दिल्ली की अपनी जरूरतों को प्राथमिकता देने की स्थिति को सही ठहराया। पेंटागन के पूर्व अधिकारी ने अमेरिका की कड़ी आलोचना तब की जब उनसे नई दिल्ली दौरे के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की उस

टिप्पणी के बारे में पूछा गया कि मॉस्को बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए ईंधन की बिना रुकावट आपूर्ति जारी रखने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है और उसकी अपनी ऊर्जा जरूरतें हैं। उन्होंने अगस्त में भारतीय आयात पर अमेरिका की तरफ से 50त्न टैरिफ लगाने की आलोचना की। वाशिंगटन का दावा है कि यह तेल यूक्रेन में मॉस्को के युद्ध प्रयासों को बढ़ावा देता है।

रूसी तेल खरीद पर अमेरिका कर रहा पाखंड : रूबिन ने खास बातचीत में कहा, जो बात अमेरिकियों को समझ नहीं आती, वह यह है कि भारतीयों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना है। अमेरिका पाखंड कर रहा है क्योंकि हम रूस से खरीदते हैं। हम ऐसे सामान और मटीरियल खरीदते हैं जिनके लिए हमारे पास कोई दूसरा बाजार नहीं है। उन्होंने कहा, अगर हम नहीं चाहते कि भारत रूसी तेल खरीदे तो हमें भारत को सस्ती कीमत पर और जितनी मात्रा में उसे जरूरत है उतनी मात्रा में ईंधन देने के लिए हम क्या करने वाले हैं।

पाकिस्तान को गले लगाने पर भी सवाल : पूर्व पेंटागन अधिकारी ने पाकिस्तान को गले लगाने के लिए अमेरिका के पास कोई रणनीतिक तर्क नहीं होने का दावा करते हुए कहा कि इस्लामाबाद को आतंकवाद का स्टेट स्पॉन्सर घोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने जून में पाकिस्तान के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के व्हाइट हाउस दौरे पर भी आपत्ति जताई और कहा कि मुनीर को अमेरिका में गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

जानकारी

रोजाना इन पीली गोलियों का सेवन आपके शरीर को देता है ये फायदे

ओमेगा 3 फैटी एसिड पोलीअनसैच्यूरेटेड फैटी एसिड का एक समूह है, जो हमारे शरीर की गतिविधियों के लिए बेहद जरूरी है। ओमेगा 3 फैटी एसिड प्राकृतिक रूप से सैल्मन, टूना और ट्रॉट जैसे सीफूड में पाया जाता है। एक और तरीके का ओमेगा 3 भी होता है, जिसे एएलए कहते हैं, जो कि कुछ सब्जियों, सोया और सफेद सरसों के तेल में पाया जाता है। ओमेगा 3 का सेवन करना बहुत जरूरी है, क्योंकि हमारा शरीर खुद से इसे नहीं बना सकता जैसा कि अन्य फैट्स करते हैं। पीले रंग की इस गोलियों का सेवन आपको रोजाना करना चाहिए। इन पीली गोलियों के रोजाना सेवन से आप इन 4 रोगों से दूर रह सकते हैं।

अवसाद और चिंता से लड़ने में मदद करता है ओमेगा-3

अवसाद और चिंता वर्तमान में सबसे आम मानसिक बीमारियों में से हैं। अवसाद के लक्षणों में उदासी, आलस्य और किसी काम में मन न लगना जैसी चीजें शामिल हैं। जबकि चिंता में निरंतर घबराहट जैसी समस्या रहती है। हैरानी की बात ये कि कई अध्ययनों से यह संकेत मिले हैं कि जो लोग रोजाना ओमेगा 3 का सेवन करते हैं, उनके अवसादग्रस्त या चिंतित होने की संभावना बहुत कम होती है। इसके साथ ही अवसाद और चिंता से पीड़ित लोगों ने ओमेगा 3 का रोजाना सेवन करने के बाद अपने लक्षणों में सुधार की बात भी कही है।

आपको आंखों को तेज बनाने का काम करता है ओमेगा 3

जब आपको पर्याप्त डीएचए नहीं मिला पाता तब आपको देखने की समस्या होने लगती है। डीएचए भी एक प्रकार का ओमेगा-3 है। नियमित रूप से ओमेगा-3 का सेवन मैक्यूलर डिजेनेरेशन के जोखिम को कम करता है। इस रोग के कारण कोई भी व्यक्ति स्थायी रूप से आंखों की रोशनी खो सकता है।

ऑटोइम्युन डिजिज से लड़ने में मदद करता है ओमेगा-3

ऑटोइम्युन डिजिज में आपका इम्युन सिस्टम आपके हेल्दी सेल्स को बाहरी सेल्स मानकर उनपर हमला कर देता है। आपको ये जानकर हैरानी होगी कि आपके पैंक्रियाज में इंसुलिन पैदा करने वाले सेल्प पर भी आपका इम्युन सिस्टम हमला करता है, जिसका कारण आप टाइप-1 डायबिटीज का शिकार हो जाते हैं।

डेंगू और जीका वायरस को रोकने के लिए खोजा गया नया तरीका

मच्छरों से फैलने वाली बीमारियां जैसे डेंगू और जीका वायरस को रोकने का अब एक प्राकृतिक उपाय निकाल लिया गया है। सबसे अच्छी बात ये है कि इस बीमारी की रोकथाम में अब एक ऐसी पद्धति का इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे पर्यावरण को कोई हानि नहीं पहुंचेगी। यानी कि अब हम बीमारियों को रोकने में भी एक सस्टेनेबल मेथड का इस्तेमाल करने की ओर बढ़ रहे हैं। बता दें कि आज पूरी दुनिया को सस्टेनेबल डेवलपमेंट सिद्धांत के तहत विकास के कार्यों की जरूरत है और बीमारियों के लिए ऐसे उपचार पद्धति को ढूंढना एक बड़ी बात है। दरअसल डेंगू और जीका वायरस जैसे मच्छर जनित बीमारियों के रोकथाम में बैक्टीरिया वल्बाचिया नामक बैक्टीरिया स्ट्रेन का इस्तेमाल किया जाएगा। आइए हम आलेख में आपको विस्तार से बताते हैं इसके बारे में।

36 डिग्री सेल्सियस तापमान वाली जगहों पर सफल

अब, मेलबोर्न, ग्लासगो और मलेशिया के शोधकर्ताओं की इस अंतरराष्ट्रीय टीम ने दिखाया है कि वल्बाचिया का डब्ल्यूएएलबी स्ट्रेन 36 डिग्री सेल्सियस और उससे अधिक के दैनिक चरम तापमान में भी स्थिर और प्रभावी है, जैसा मलेशिया के डेंगू क्षेत्रों में। मेलबर्न यूनिवर्सिटी के बायो 21 इंस्टीट्यूट के प्रोफेसर हॉफमैन ने कहा कि निष्कर्ष उन कई देशों में फर्ककर सकते हैं, जहां डेंगू बड़ी मात्रा में लोगों को बीमार कर रही है। उन्होंने कहा कि यह अध्ययन हमें क्षेत्र में सफल शुरुआत के लिए के लिए सही है पर एक घनी शहरी आबादी पर इसके इस्तेमाल को लेकर हम अभी कुछ भी कह पाने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हस्तक्षेप कीटनाशक अनुप्रयोगों और अन्य चुनौतियों के बावजूद सफल हुआ, जो कि वल्बाचिया के प्रयोग के लिए अच्छा है।

क्या है बैक्टीरिया वल्बाचिया?

बैक्टीरिया वल्बाचिया नामक ये बैक्टीरिया स्ट्रेन मच्छरों को मनुष्यों में अपने वायरस को स्थानांतरित करने से रोक सकता है। मेलबोर्न और ग्लासगो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं और मलेशिया में इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल रिसर्च ने कुआलालंपुर में साइटों पर डेंगू के मामलों को इस तरीके का इस्तेमाल करके कम करने में सफलता प्राप्त की है। उनके द्वारा प्रकाशित तथ्यों की मानें, तो करंट बायोलॉजी दिखाता है कि वल्बाचिया के डब्लूए1बीबी स्ट्रेन को ले जाने वाले मच्छरों पर जब इसका इस्तेमाल किया गया, तो डेंगू के मामलों में 40 फीसदी तक की कमी आई। इससे पहले मेलबर्न विश्वविद्यालय के प्रोफेसर आर्य हॉफमैन सहित वैज्ञानिकों ने इस बैक्टीरिया के एक अलग स्ट्रेन का उपयोग करके मच्छर पर सफल प्रयोग किया है, लेकिन कुछ स्थितियों में ये असफल भी रहा। वहीं मलेशिया जैसे भूमध्यरेखीय देशों में मचछरों की जंगली आबादी पर ये बैक्टीरिया इन्हें रोकने में सक्षम नहीं दिखे।

फॉगिंग भी हुआ कम

शोधकर्ताओं ने डेंगू वाले कुआलालंपुर में छह अलग-अलग साइटों में वल्बाचिया के डब्ल्यूएएलबीबी स्ट्रेन को एडीज एजिप्टी मच्छरों पर इस्तेमाल किया। वोल्बाचिया नर और मादा दोनों जंगली मच्छरों की आबादी में संभोग करते वक्त अंदर चली गई, जिसके परिणामस्वरूप वायरस-फैलाने वाले बैक्टीरिया का प्रसार हुआ और इसने अपना काम करना शुरू कर दिया। इन साइटों पर डेंगू के मामलों को कम करने की सफलता ने इन क्षेत्रों में कीटनाशक फॉगिंग को समाप्त कर दिया है, जिससे इस पद्धति के पर्यावरणीय और आर्थिक लाभ दोनों उजागर होते हैं। मआरसी-यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लासगो सेंटर फॉर वायरस रिसर्च के प्रोफेसर स्टीवन सिंकिन्स ने कहा कि यह सफलता उन देशों के लिए खुशखबरी है, जो मच्छर जनित बीमारियों को सहन कर रहे हैं।

सेहत

कान से पानी निकालने के लिए सिर को झटका देने से हो सकता है ब्रेन डैमेज

नहाने के बाद कान से पानी निकालने के लिए सिर को झटका देने से ब्रेन डैमेज हो सकता है। जानें कान से पानी निकालने का सुरक्षित और आसान तरीका क्या है?

नहाने या स्विमिंग करने के बाद कान में भरे पानी को निकालने के लिए अक्सर लोग सिर को तेजी से झटका देते हैं। मगर हाल में हुई एक रिसर्च के बाद वैज्ञानिकों ने लोगों को आगाह किया है कि ऐसा करना उनके लिए खतरनाक हो सकता है। दरअसल नया शोध बताता है कि कान से पानी निकालने के लिए सिर को झटका देने से मस्तिष्क को नुकसान पहुंच सकता है। ये रिसर्च वर्जीनिया की Cornell University द्वारा की गई है। शोधकर्ताओं के अनुसार सिर को झटका देने से ब्रेन के डैमेज होने का खतरा बच्चों में ज्यादा होता है।

भारतीय मूल के वैज्ञानिक ने किया है शोध

भारतीय मूल के शोधकर्ता और इस रिसर्च पेपर के प्रमुख लेखक अनुज बस्कोटा कहते हैं कि हमारी रिसर्च मुख्य रूप से इस बात पर आधारित थी कि कान से पानी निकालने के लिए कितना झटका देना सही है। उन्होंने ये रिसर्च पेपर सीएटल शहर में पिछले सप्ताह अमेरिकन फिजिकल सोसायटी की Division of Fluid Dynamics की सालाना मीटिंग के दौरान प्रस्तुत किए थे। अनुज ने आगे बताया कि शोध में हमने ग्लास ट्यूब और थ्री-डी प्रिंटेड ईयर कैनाल का इस्तेमाल कर पता लगाया कि छोटे बच्चों के कान के लिए ग्रैविटी (गुरुत्वाकर्षण) के बल से 10 गुना तेज बल खतरनाक हो सकता है। इससे उनके मस्तिष्क को नुकसान भी पहुंच सकता है।

क्यों जाकर रुक जाता है कान में पानी?

जब आप नहाते हैं या स्विमिंग करते हैं, तो आपके कान में पानी का जाना स्वाभाविक है। मगर कान का आकार पाइप जैसा होता है और इसकी बनावट भी ऐसी होती है कि पानी बहुत अंदर तक नहीं जाता है। जो थोड़ी बहुत मात्रा में पानी जाता भी है, तो वो अपने आप बाहर आ जाता है। मगर कई बार कान में पानी जाने के बाद अपने आप न निकलने के कारण ऐसा महसूस होता है कि पानी की एक पर्त कान में जमा हो गई है। शोधकर्ताओं ने शोध के दौरान पाया कि पानी का पृष्ठ तनाव ज्यादा होता है, इसलिए ये कान में जाकर फंस जाता है।

बच्चों को होता है ज्यादा खतरा

मस्तिष्क के डैमेज होने का खतरा आमतौर पर छोटे बच्चों में ज्यादा होता है, क्योंकि उनके कान का ट्यूब काफी छोटा होता है, जिसके कारण पानी को बाहर निकालने के लिए ज्यादा तेज झटके की जरूरत होती है। शोधकर्ताओं ने कान में फंसे हुए पानी को निकालने के कुछ आसान तरीके भी बताए हैं।

पानी निकालने का सुरक्षित तरीका

शोधकर्ताओं ने बताया कि सिर को तेजी से झटका देने से बेहतर है कि आप कान में भरे पानी को निकालने के लिए कुछ अन्य उपाय अपनाएं। पानी से कम पृष्ठ तनाव वाले अन्य लिक्विड जैसे- एल्कोहल या सिरका डालने से कान में भरा पानी अपने आप बाहर आ जाता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-3-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-3-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। मनोबल ऊंचा रखें और काम में लगे रहें। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-6-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। दान-पुण्य का कार्य करें। यात्रा शुभ रहेगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-1-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-6-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति होगी। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2671

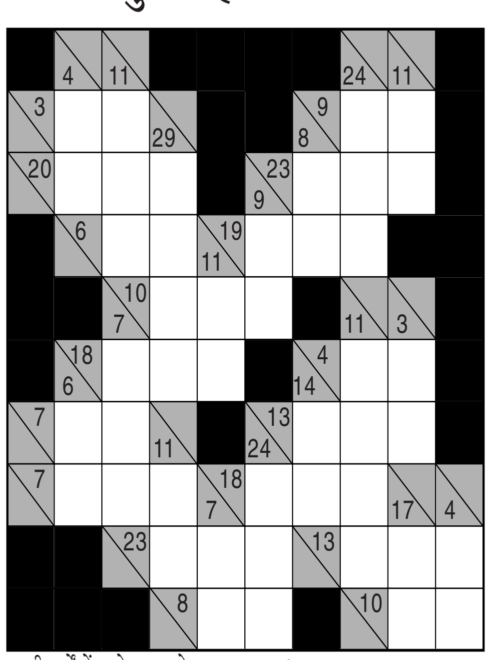

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2670 का हल

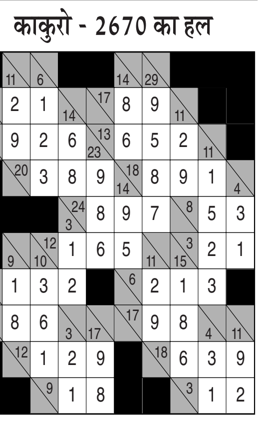

हंसी के फूव्वारें

अपराधी का पहला अपराध होने के कारण न्यायाधीश ने उसे क्षमा करते हुए कहा- 'हमें पूरा विश्वास है तुम कभी यहां दिखाई नहीं दोगे.'

हां हजूर, मेरी कोशिश होगी कि पुलिस मुझे न पकड़ सके और फिर कभी मैं यहां न दिखाई दूँ.

□ □ □

'अरे यह क्या ? आप कहां से आ रहे हैं ? कपड़े फटे हुए हैं. खून निकल रहा है, सिर पर चोट लगी है. चलो आपको घर पहुंचा दूं.' मित्र ने संवेदनाभरे स्वर में कहा.

नहीं, नहीं मैं घर नहीं जाऊंगा, घर से ही आ रहा हूँ, घायल ने शीघ्रतापूर्वक कहा.

□ □ □

एक यात्री ने बड़े तेज स्वर में रेलवे के स्टेशन मास्टर से शिकायत कि-चालीस मिनट हो गये, ट्रेन अभी तक नहीं पहुँची.

स्टेशन मास्टर ने कहा-घबराइये नहीं, यह टिकट चौबीस घण्टे तक चल सकता है.

□ □ □

क्या आप जानते हैं कि नाव को स्त्रीलिंग क्यों माना जाता है ?

'क्योंकि नाव हवा के साथ-साथ अपना रुख बदलती रहती है.'

□ □ □

शिक्षक: पानी पर मच्छर क्यों बैठते हैं ?

राजीव: इसलिए कि पानी उड़ न जाये.

फिल्म वर्ग पहेली- 2671

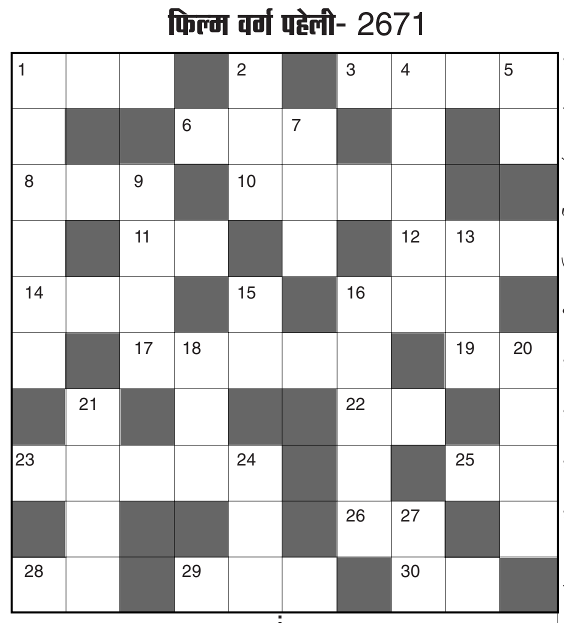

बायें से दायें:-

१. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'चलती है पुरवाई' गीतवाली फिल्म-३
३. 'मेरा मन तेरा प्यासा' गीत वाली देव आनंद, जाहिदा, जाहिरा की फिल्म-४
६. सनी, मीनाक्षी की सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
८. 'कब तक हुजूर रूठे रहोगे' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली फिल्म-४
११. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज, उर्मिला की फिल्म-२
१२. रघुवीर यादव, कुणालकपूर, तब्बू, नादिरा बब्बर की 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'क्या करे क्या ना करें' गीत वाली जैकी श्रॉफ, उर्मिला की फिल्म-३
१६. सनी देओल, करिश्मा की 'छम्मक छल्लो जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-३
१७. जैकी श्रॉफ, संजय, माधुरी की फिल्म-५
१९. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, दीप्ति नवल की सई परांजपे निर्देशित एक फिल्म-२
२२. 'कंधों से मिलते हैं कंधे' गीत वाली अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२३. राकेश रोशन, रेखा की 'सुन सुन सुन दीदी तेरे लिये' गीत वाली फिल्म-५
२५. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
२६. संजय दत्त, सलमान खान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
२९. मिलिंद सोमण, विक्रम सलूजा, किरण झवेरी की फिल्म-३
३०. फिल्म 'रफूचक्कर' में नायिका थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'मेरा नाम है चमेली' गीत वाली संजीव कुमार, नाजिमा, कुमकुम की फिल्म-२,२,२
२. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'सिर्फतुम ही तो हो जिसपे' गीत वाली शम्मीकपूर, साधना की फिल्म-५
५. अभिषेक बच्चन, भूमिका चावला की 'दिल में जो बात' गीत वाली फिल्म-२
७. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली आमिरखान, ग्रेसीसिंह की फिल्म-३
९. संजयखान, बबीता की 'आ लगजा गले' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिल कपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. 'क्या सही प्यार है' गीत वाली फिल्म 'रॉकी' में संजयदत्त, के साथ नायिका कौन थी-३
१६. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'आई लव यू आई लव यू' गीत वाली फिल्म-५
१८. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
२०. संजय दत्त, माधुरी दीक्षित की 'तम्मा तम्मा लोगे' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'लो आगई उनकी याद' गीत वाली मनोज कुमार, आशा पारेख की फिल्म-१,३
२४. अक्षय कुमार, करीना कपूर की 'तूने कहा जब से हाँ' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'और क्या अहद ए वफा' गीत वाली सनी देओल, अमृतासिंह की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2670

सूडोकु -2671

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2670 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

शब्द पहेली - 2671

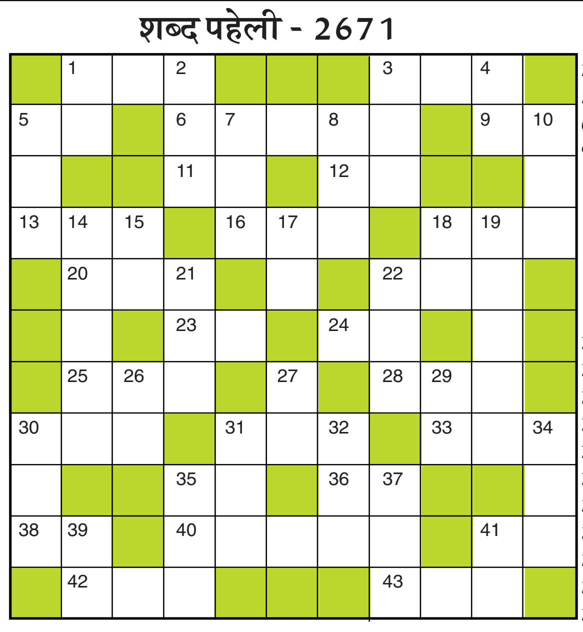

बाएँ से दाएँ

1.ईश्वर,करतार-3
3.मुस्कुराहट-3
5.ईख-2
6.रजनीगंधा -2,1,2
9.समुद्र तट (अंग्रेजी-2)
11.ताकत,दम-2
12.अमिताभ व किमी काटकर की फिल्म-2
13.वेतन,पगार-3
16.मनोनीत,नामकृत-3
18.बंधक,गिरवी वस्तु-3
20.निशा,रात्री-3
22.वचन,प्रतिज्ञा-3
23.श्रीनगर की झील-2
24.मूल्य,कीमत-2
25.असावधान-3
28.धिक्कार,फटकार-3
30.हवा,पवन-3
31.झाझर,कुंभ-3
33.चिंतन-3
35.संस्कृत में मेरा-2
36.मादा का विलोम-2
38.कुबेर,भूत-2
40.परोपकारी,जितेंद्र की एक फिल्म-5
41.फलों का राजा-2
42.फूल चुननेवाली-3
43.घोड़ों की देखभाल करनेवाला-3

ऊपर से नीचे

1.तमिल भाषा में बड़ा भाई-2
2.बेकार-3
3.दीवान,खजांची-3
4.पैगंबर,रसूल-2
5.झूठ,मिथ्या -3
7.तेल में पकाना-3
8.आराम,मदद-3
10.गुलिस्ता-3
14.नरकभोगी-5
15.खुजली-2
17.सखा,दोस्त-2
18.मजा,आनंद-2
19.स्वदेशवासी-5
21.सुई (अंग्रेजी-3)
22.विष्णुप्रिया-3
26.पुनः,वापस-2
27.मर्करी,पारद-2
29.भीगा हुआ-2
30.वक्त,टाईम-3
31.अच्छी बुद्धि-3
32.निम्नता-3
34.मुलायम-3
35.बड़ा,विशाल-3
37.धनवान-3
39.माफी-2
41.उम्मीद-2

शब्द पहेली -2670 का हल

आईआईटी खड़गपुर करेगा स्मार्ट इंडिया हैकाथोन 2025 के हार्डवेयर ग्रैंड फिनाले की मेजबानी

एजेंसी

खड़गपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर स्मार्ट इंडिया हैकाथोन (एसआईएच) 2025 (हार्डवेयर संस्करण) के ग्रैंड फिनाले की मेजबानी करेगा। आगामी 8 से 12 दिसंबर के बीच होने जा रहा यह आयोजन संस्थान के प्लेटिनम जयंती वर्ष उत्सव के बीच सम्पन्न होगा। ग्रैंड फिनाले में गणमान्य अतिथियों के साथ संस्थान के सम्मानित पूर्व छात्र भी विशेष उपस्थिति दर्ज करेंगे। जमशेदपुर के जिलाधिकारी और संस्थान के पूर्व छात्र कर्ण सत्यार्थी (आईएएस) उद्घाटन सत्र में शामिल होंगे। वहीं डॉ. अर्पन पाल, मुख्य वैज्ञानिक एवं अनुसंधान प्रमुख (टीसीएस रिसर्च), विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। प्रतिभागियों के लिए तीन विशेष अतिथि व्याख्यान आयोजित होंगे, जिनमें अकादमिक, औद्योगिक और स्टार्टअप क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल होंगे। इस संस्करण में रिकॉर्ड सहभागिता दर्ज हुई है– इनमें 72 हजार 165 विचार प्रस्तुतियां, 68 हजार 766 छात्र टीमें, 271 समस्या विवरण, दो हजार 587 उच्च शिक्षा संस्थान, एक लाख 42 हजार 715 टीमें तथा आठ लाख 26 हजार 635 विद्यार्थी आन्तरिक चरण में शामिल होंगे।

85 वर्ष की उम्र में भी ऊर्जा से भरपूर आनंदीबेन पटेल प्रेरणास्रोत : अमित शाह

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुजरात के अहमदाबाद में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के जीवन पर आधारित पुस्तक 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' के गुजराती संस्करण का विमोचन किया। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल सहित कई लोग मौजूद रहे। गुजरात के अहमदाबाद में हुए बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था एवं स्थानीय प्रशासन के सहयोग से आयोजित इस पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में आनंदीबेन पटेल के सामाजिक, शैक्षिक और राजनीतिक जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई गई। कार्यक्रम के दौरान उनके संघर्ष, सेवा और नेतृत्व से जुड़ी प्रेरक झलकियों को प्रस्तुत किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, विद्यार्थी और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। अमित शाह ने कहा कि यह पुस्तक एक साधारण निम्न-मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मी बेटी के संघर्ष से लेकर गुजरात की पहली महिला मुख्यमंत्री और तीन राज्यों की राज्यपाल बनने तक की प्रेरक यात्रा को जीवंत रूप से प्रस्तुत करती है। उन्होंने कहा कि इस पूरे जीवन दर्शन को एक वाक्य में समेटा जाए तो वह यह है कि नेतृत्व पद के लिए नहीं, उद्देश्य के लिए होता है।

बच्चों में सीखने की ललक बढ़ाने के लिये शिक्षक प्राप्त करते रहें नई-नई जानकारी : केन्द्रीय शिक्षा मंत्री

भोपाल । केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा है कि बच्चों के व्यक्तित्व का बहुआयामी विकास हो, इसके लिये जरूरी है कि उन्हें मातृभाषा में पढ़ने के लिये प्रेरित किया जाएं। उन्होंने कहा कि बच्चों को पढ़ाई गई बातें समझने में मातृभाषा ज्यादा कारगर होती है। नई शिक्षा नीति में मातृभाषा में अध्ययन को प्राथमिकता दी गई है। बच्चों में सीखने की ललक बढ़ाने के लिये शिक्षक नई-नई जानकारी प्राप्त करते रहें। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान राजधानी भोपाल के शासकीय कमला नेहरू सांदीपनि विद्यालय टी.टी. नगर के निरीक्षण के बाद शिक्षकों से चर्चा कर रहे थे। इस मौके पर उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार और विधायक भगवानदास सबनानी भी उनके साथ थे। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान ने सांदीपनि विद्यालय की कक्षाओं में जाकर बच्चों से संवाद किया। उन्होंने बच्चों की पाठ्यपुस्तकों को देखा और बच्चों से पढ़ाई के संबंध में बात की। मंत्री प्रधान के विद्यालय पहुँचने पर छात्राओं ने बैंड की धुनों पर उनका स्वागत किया। उन्होंने आर्ट गैलरी, पुस्तकालय, बच्चों की मार्शल आर्ट 'वुशु' के अभ्यास को देखा और विद्यालय के म्यूजिक रूम का भ्रमण किया।

साढ़े आठ साल में योगी सरकार ने साढ़े आठ लाख सरकारी नौकरियां दीं : सुरेश खन्ना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री सुरेश खन्ना ने समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के जमाने में क्या था, 'खाली प्लॉट हमारा है, समाजवादी का नारा है।' सुरेश खन्ना ने बातचीत में समाजवादी पार्टी पर हमला करते हुए कहा कि उनके जमाने में जिस गाड़ी पर सपा का झंडा होता था, उसमें सबसे बड़ा गुंडा बैठा होता था। अपराधी ही सरकार चलाते थे। सरकार अपराधियों के इशारे पर चलती थी। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में मेरिट के आधार पर फैसले लिए जाते हैं। साढ़े आठ साल की सरकार में योगी आदित्यनाथ ने साढ़े आठ लाख सरकारी नौकरियां दीं और एक पैसे की घूस नहीं ली गई। सभी को काबिलियत और योग्यता के आधार पर नौकरी मिली है। उन्होंने कहा कि किसानों को सम्मान निधि दी जा रही है, गरीबों को राशन दिया जा रहा है, महिलाओं को उज्ज्वला गैस योजना के माध्यम से रसोई गैस दी जा रही है। हमने सबका साथ, सबका विकास के मंत्र को चरितार्थ किया है।

योगी आदित्यनाथ सरकार ने सौर ऊर्जा के तीन लाख इंस्टॉलेशन का रचा इतिहास

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और स्पष्ट नीति निर्देशन का ही परिणाम है कि राज्य में सौर ऊर्जा के तीन लाख इंस्टॉलेशन (3,00,654) का लक्ष्य पार कर लिया गया है। उत्तर प्रदेश ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में जो उपलब्धि हासिल की है वह ऐतिहासिक है। यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश को देश के अग्रणी सौर राज्यों में शामिल करती है और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इस मामले में गुजरात और महाराष्ट्र ही उत्तर प्रदेश से आगे हैं। आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में कुल 9,83,915 आवेदनों में से 3,00,654 इंस्टॉलेशन पूरे किए जा चुके हैं। राज्य में सौर ऊर्जा की कुल इंस्टॉलेशन क्षमता 1038.27 मेगावॉट तक पहुंच चुकी है जिससे लाखों परिवारों को स्वच्छ और किफायती ऊर्जा प्राप्त हो रही है। इसके साथ ही राज्य सरकार अब तक 2074.53 करोड़ की सब्सिडी जारी कर चुकी है जिसने उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ को काफी हद तक कम कर दिया है। पिछले 8 वर्षों में योगी सरकार ने नवीकरणीय ऊर्जा को अपनी प्राथमिकता में शामिल किया है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सोलर रूफटॉप की पहुंच बढ़ाने के लिए पारदर्शी प्रक्रिया डिजिटल मॉनिटरिंग और समयबद्ध इंस्टॉलेशन पर विशेष जोर दिया गया है। पीएम सूर्यघर योजना और राज्य की नई सौर नीति के जरिए बड़े पैमाने पर अवसंरचना तैयार की गई जिसने ऊर्जा क्षेत्र में विश्वास और सरलता का नया माहौल बनाया है। ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा की यह तेज प्रगति आने वाले वर्षों में प्रदेश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव लाएगी। मौजूदा 1038.27 मेगावॉट क्षमता न सिर्फ बिजली की मांग को संतुलित कर रही है बल्कि अतिरिक्त ऊर्जा उत्पादन का मार्ग भी प्रशस्त कर रही है। इसका लाभ उद्योगों कृषि और घरेलू उपभोक्ताओं को समान रूप से मिल रहा है जिससे प्रदेश की आर्थिक गति और तेज हो रही है। इस उपलब्धि का सबसे बड़ा लाभ ग्रामीण क्षेत्रों में दिखाई दे रहा है। सोलर इंस्टॉलेशन से गांवों में बिजली बिलों में उल्लेखनीय कमी दर्ज हुई है। कई परिवार अतिरिक्त ऊर्जा ग्रिड को बेचकर सालाना आय भी बढ़ा रहे हैं। यही वजह है कि सौर ऊर्जा के लिए आवेदन संख्या लगातार बढ़ रही है और उत्तर प्रदेश देश के सबसे बड़े रिन्यूएबल एनर्जी बाजारों में तेजी से उभर रहा है। सरकारी आंकड़ों और जमीनी स्थितियों से यह स्पष्ट होता है कि योगी सरकार ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में गति और पारदर्शिता दोनों को प्राथमिकता दी है। विशेषज्ञ मानते हैं कि तीन लाख इंस्टॉलेशन का लक्ष्य पार करना केवल एक आंकड़ा नहीं बल्कि यह उस नए ऊर्जा ढांचे का प्रतीक है जिसकी ओर उत्तर प्रदेश लगातार आगे बढ़ रहा है। ऊर्जा आत्मनिर्भरता पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक सशक्तिकरण के तीनों मोर्चों पर उत्तर प्रदेश ने जो उपलब्धि दर्ज की है।

बाबरी मस्जिद के बाद ब्रिगेड में गीता पाठ, हुमायूं पर भाजपा का निशाना

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में छह दिसंबर को बाबरी मस्जिद की आधारशिला रखने के बाद तृणमूल कांग्रेस से निलंबित भरतपुर के विधायक हुमायूं कबीर ने नई राजनीतिक बहस छेड़ दी है। कबीर ने नई पार्टी बनाने की बात कही है। दूसरी ओर पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत राजधानी कोलकाता के ब्रिगेड ग्राउंड में रविवार को पांच लाख कंठों से गीता पाठ का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस भव्य कार्यक्रम में कार्तिक महाराज, साध्वी ऋतंभरा, रामदेव, धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जैसी हस्तियों के साथ-साथ भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी, शमीक भट्टाचार्य, केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार भी मौजूद रहे। गीता पाठ को लेकर भी राजनीति के मैदान में पारा चढ़ता रहा। गीता पाठ के कार्यक्रम में पहुंचकर बंगाल भाजपा के पूर्व राज्य अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने हुमायूं की बाबरी मस्जिद को लेकर तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी पर कटाक्ष किया। केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने साफ कहा कि हमने कल जो देखा, उससे साफ पता चलता है कि हिंदू वोट को बांटने और मुस्लिम वोट को एक करने की साजिश चल रही है। जो कुछ हो रहा है, उसके लिए ममता बनर्जी जिम्मेदार हैं। उन्होंने इस तरह की सांप्रदायिक ताकतों को बार-बार बढ़ावा दिया है और उन्हें ऊपर उठाया है। 2021 के चुनाव में ममता बनर्जी को बहुसंख्यक हिंदू वोट नहीं मिला था। हिंदू ममता बनर्जी पर विश्वास नहीं करते। हालांकि, सुकांत ने कहा कि चुनाव का गीता पाठ से कोई सीधा संबंध नहीं है। गीता पाठ हिंदुओं का कार्यक्रम है। राजनीति राजनीति की तरह रहेगी, गीता तो शाश्वत है।

सरहद पार से हथियार तस्करी करने वाले गिरोह का सदस्य गिरफ्तार, पांच पिस्तौल बरामद

एजेंसी

चंडीगढ़। काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) अमृतसर ने पाकिस्तान समर्थित हथियार तस्करी मॉड्यूल के एक सदस्य को गिरफ्तार करके गिरोह का पर्दाफ़ाश किया है। उसके पास से पांच आधुनिक पिस्तौल बरामद हुई हैं। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने बताया कि तरनतारन जिला के गांव खालड़ा निवासी संदीप सिंह को पकड़ा गया है।उसके पास से चार .30 बोर पिस्तौल (मैगज़ीन सहित) और एक 9 मिमी पिस्तौल (मैगज़ीन सहित) बरामद की गई है। पुलिस टीमों ने अपराध में उपयोग की जा रही संदिग्ध की रॉयल एनफ़ील्ड (बुलेट) मोटरसाइकिल भी ज़ब्त की है, जिसे हथियारों की ढुलाई के लिए इस्तेमाल किया जाता था।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि संदीप सिंह ने साथी सैफ़ली सिंह के साथ मिलकर एक पाकिस्तानी हैंडलर के निर्देश पर हथियारों की खेप प्राप्त करता था और इन्हें पंजाब के अपराधियों व गैंगस्टरों तक पहुंचाता था। उन्होंने यह भी बताया कि सैफ़ली सिंह ड्रोन की मदद से पाकिस्तान की तरफ़ से नशीले पदार्थों की तस्करी भी करता था। पुलिस को उसकी भी तलाश है।डीजीपी ने कहा कि सीआई अमृतसर को भारत-पाकिस्तान सीमा क्षेत्र के पास स्थित गांव खालड़ा के नज़दीक बड़ी मात्रा में अवैध हथियारों की खेप मिलने की खुफिया सूचना मिली थी। तत्परता से कार्रवाई करते हुए सीआई-अमृतसर की टीम ने तरनतारन के गांव ठठा के पास संदीप सिंह को तब काबू किया, जब वह हथियारों की खेप किसी पार्टी को सौंपने जा रहा था। उसके कब्जे से सभी अवैध हथियार बरामद कर लिए गए।

धोखाधड़ी मामले में बॉलीवुड फिल्ममेकर विक्रम भट्ट गिरफ्तार

एजेंसी

मुंबई। राजस्थान के एक आईवीएफ विशेषज्ञ से जुड़े 30 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी के मामले में बॉलीवुड फिल्म निर्माता विक्रम भट्ट गंभीर कानूनी संकट में फंस गए हैं। उदयपुर में दर्ज एफआईआर के बाद मुंबई पुलिस ने उन्हें यारी रोड के गंगा भवन अपार्टमेंट में उनकी साली के घर से गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला उन फिल्म और डॉक्यूमेंट्री प्रोजेक्ट्स से संबंधित है, जिनके लिए करोड़ों रुपये लिए जाने का आरोप है, लेकिन आरोपकर्ता के अनुसार ये प्रोजेक्ट या तो पूरे नहीं हुए या उन्हें उचित श्रेय नहीं दिया गया। हालांकि, विक्रम भट्ट ने इन आरोपों को पूरी तरह भ्रामक बताते हुए खारिज कर दिया है।

उदयपुर के भूपालपुरा पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर के मुताबिक इंदिरा आईवीएफ के संस्थापक डॉ. अजय मुर्डिया ने दावा किया कि उन्हें चार फिल्मों और कुछ डॉक्यूमेंट्री प्रोजेक्ट्स, जिनमें उनकी दिवंगत पत्नी पर आधारित एक बायोपिक भी शामिल है, उनके लिए करीब 30 करोड़ रुपये निवेश करने को राजी किया गया। आरोप है कि इन फिल्मों से 200 करोड़ रुपये तक

के मुनाफे का अनुमान बताकर उन्हें निवेश के लिए प्रेरित किया गया, लेकिन धनराशि देने के बाद कुछ परियोजनाओं का काम रोक दिया गया जबकि पूरी हो चुकी परियोजनाओं में उन्हें वादानुसार श्रेय भी नहीं मिला।एफआईआर में विक्रम भट्ट, उनकी पत्नी श्वेतांबरी भट्ट, बेटी कृष्णा भट्ट, और सहयोगी महबूब अंसारी, दिनेश कटारिया सहित कुल 8 लोगों के नाम शामिल हैं। राजस्थान पुलिस ने मामले में जांच प्रारंभ कर दी है और लेन-देन से जुड़े दस्तावेज़, बैंक रिकॉर्ड और संचार की जांच कर रही है। फिल्म के सह-निर्माता महबूब अंसारी और मुंबई के एक विक्रेता संदीप त्रिलोभान को पहले ही गिरफ्तार कर उदयपुर की अदालत में पेश किया जा चुका है, जहां से उन्हें पुलिस ने जेल भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि जांच आगे बढ़ने पर और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। इस बाबत विक्रम भट्ट ने अपनी गिरफ्तारी से पहले मीडिया से बातचीत में खुद पर लगे आरोपों को सीधा खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, एफआईआर भ्रामक है। पुलिस गुमराह है। इसमें लिखी कई बातें पूरी तरह तथ्यहीन हैं। विक्रम भट्ट ने दावा किया कि शिकायतकर्ता द्वारा बीच में ही भुगतान रोक देने के कारण प्रोजेक्ट अटक गए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस को प्रभावित करने के लिए जाली दस्तावेज़ इस्तेमाल किए गए होंगे।

मोहाली हवाई अड्डे पर यात्रियों की सुविधा के लिए पंजाब सरकार ने बनाया कंट्रोल रूम

एजेंसी

चंडीगढ़। देश में चल रहे इंडिगो संकट के मद्देनज़र पंजाब सरकार ने यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए शहीद भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 24म7 कंट्रोल रूम स्थापित किया है। मुख्यमंत्री ने स्थिति को सुचारू करने के लिए हवाई अड्डा प्राधिकरण, सीआईएसएफ और एयरलाइन कंपनियों के साथ विस्तृत चर्चा की।

पंजाब शहरी उड्डयन विभाग की सचिव सोनाली गिरि ने रविवार को बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार इंडिगो उड़ानों में देरी या रद्द होने से प्रभावित यात्रियों की सुविधा के लिए कंट्रोल रूम तुरंत शुरू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि रिफंड एवं री-शेड्यूलिंग, सामान की डिलीवरी और उड़ानों से जुड़े रीयल टाइम अपडेट उपलब्ध कराने के लिए ड्यूटी टर्मिनल मैनेजर के कार्यालय में एक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि टीमें उड़ान संचालन, देरी, रद्दीकरण और सामान से जुड़े मुद्दों की निरंतर निगरानी कर, समय पर सहायता सुनिश्चित कर रही हैं।उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की सहायता के लिए यात्री हेल्पलाइन नंबर 95010-15832 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा लोग एयरपोर्ट अथॉरिटी के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल, विशेषकर @i&cairport पर भी अपने सवालों के जवाब प्राप्त कर सकते हैं। इसी तरह यात्री अपनी समस्याओं के समाधान के लिए इंडिगो एयरलाइंस के 92899-38532, एयर इंडिया के 88001-97833 / 0172-2242201, एयर इंडिया एक्सप्रेस के 92055-08549, और अलायंस एयर के 98184-28648 नंबरों पर भी संपर्क कर सकते हैं। सचिव ने समय पर रिफंड, री-शेड्यूलिंग, सामान की डिलीवरी और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए शिकायतों के तत्काल निपटारे पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि इंडिगो एयरलाइन के पास लगभग 30 यात्रियों के बैग/लग्गेज हैं, जिन्हें यात्रियों के पते पर निःशुल्क भेजा जाएगा। सोनाली गिरि ने कहा कि एयरलाइन यह भी सुनिश्चित करेगी कि उड़ान रद्द होने की जानकारी यात्रियों को उड़ान समय से कम से कम 10 घंटे पहले दे दी जाए। हवाई टिकटों के किराए की सीमा निर्धारित करने संबंधी भारत सरकार के दिशा-निर्देशों पर चर्चा करते हुए सचिव ने बताया कि यह पहले ही लागू किया जा चुका है, ताकि यात्रियों का किसी भी प्रकार से शोषण न हो सके। उन्होंने कहा कि इस संकट के दौरान टैक्सी ऑपरेटरों और होटलों द्वारा यात्रियों से किसी भी प्रकार की मनमानी वसूली बर्दाश्त नहीं की जाएगी और राज्य सरकार इस पर कड़ी नजर रख रही है। उन्होंने बताया कि हवाई अड्डा प्राधिकरण और राज्य सरकार की ओर से यात्रियों की दवाइयों, भोजन एवं अन्य जरूरतों का भी ध्यान रखा जा रहा है। सचिव ने बताया कि हवाई अड्डे के नज़दीक स्थित टू-टियर, थ्री-टियर एवं अन्य होटलों की सूची भी राज्य सरकार द्वारा साझा की जाएगी, ताकि बाहरी यात्रियों को किसी तरह की असुविधा न हो।

हमारी सांस्कृतिक विरासत जीवंत धरोहरः गजेंद्र शेखावत

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि हमारी सांस्कृतिक विरासत सिर्फ़ पत्थरों में नहीं बल्कि जीवंत और गहन रूप से अमूर्त है। शेखावत ने यह बात नई दिल्ली स्थित लाल किले में आयोजित यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए अंतर-सरकारी समिति (आईजीसी) की 20वीं अंतरराष्ट्रीय बैठक के उद्घाटन समारोह में कही। शेखावत ने कहा, भारत हमेशा से मानता रहा है कि सांस्कृतिक विरासत सिर्फ़ स्मारकों, अभिलेखागारों या संग्रहालयों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह एक जीवंत अमूर्त धरोहर है जो हमारे दैनिक जीवन, परंपरा और कलाओं में गहराई से निहित है। हम इन जीवंत परंपराओं को बचाकर रखें, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियाँ न केवल भौतिक संपदा, बल्कि दुनिया की इस पारंपरिक बुद्धिमत्ता को भी विरासत में पा सकें। मंत्री ने मीडिया को बताया कि आने वाले सात दिनों तक दुनिया भर के प्रतिनिधिमंडल विश्व की धरोहर के लिए नामित सभी आवेदनों पर विचार करेंगे और अमूर्त धरोहर के संरक्षण की भावी नीतियों पर चर्चा होगी। शेखावत ने बताया कि इस वर्ष दीपावली को अमूर्त विरासत के रूप में नामित करने के लिए भारत ने आवेदन दिया है, जिस पर अब समिति फैसला लेगी। विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर ने यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए अंतर-सरकारी समिति (आईजीसी) की 20वीं अंतरराष्ट्रीय बैठक के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारत एक संस्थापक सदस्य के रूप में वैश्विक शांति और समझ को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है।

मप्र के पेंच टाइगर रिजर्व में खुशखबरी, बाघिन 'जुगनी' ने खवासा बफर में पाँच शावकों को दिया जन्म

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के सिवनी जिले स्थित विश्वविख्यात पेंच टाइगर रिजर्व से एक हर्षित करने वाली खबर सामने आई है। रिजर्व के खवासा बफर क्षेत्र अंतर्गत कोठार बीट में रह रही प्रसिद्ध बाघिन जुगनी ने एक साथ पाँच शावकों को जन्म दिया। यह घटना पेंच के वन्यजीव जैव-विविधता के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है और प्रदेश में बाघ संरक्षण प्रयासों की सकारात्मक सफलता का प्रतीक भी है। सुबह खवासा बफर में भ्रमण कर रहे कुछ पर्यटकों ने झाड़ियों के बीच बाघिन जुगनी को अपने पाँच नवजात शावकों के साथ देखा। यह दृश्य उनके लिए रोमांचकारी और यादगार अनुभव था। पर्यटकों ने तुरंत इसकी सूचना पार्क प्रबंधन को दी, जिसके बाद विभाग ने क्षेत्र की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्थाएँ बढ़ा दीं। वन विभाग ने पुष्टि की है कि जुगनी और उसके पाँचों शावक पूरी तरह सुरक्षित हैं। शावकों को फिलहाल उनकी मां के साथ प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया है। विभाग यह सुनिश्चित कर रहा है कि उनके क्षेत्र में किसी प्रकार की मानवीय दखलंदाजी न हो। अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक 6-8 सप्ताह शावकों की सुरक्षा के लिए बेहद संवेदनशील होते हैं। इस दौरान बाघिन संभावित खतरों से बचने के लिए स्थान बदल सकती है और इसी वजह से पार्क प्रबंधन ने निगरानी बढ़ा दी है। उल्लेखनीय है

कि पेंच टाइगर रिजर्व में पर्यटकों द्वारा इस प्रकार प्राकृतिक अवस्था में शावकों को देख पाना बेहद दुर्लभ माना जाता है। आमतौर पर बाघिन प्रसव के बाद कई सप्ताह तक अत्यधिक सतर्क रहती है और शावकों को कोर इलाके में छिपाकर रखती है, इसलिए यह दृश्य पर्यटकों के लिए किसी सौभाग्य से कम नहीं था। पार्क प्रबंधन के अनुसार बाघिन जुगनी पिछले कई वर्षों से इस क्षेत्र में सक्रिय रही है। उसका परिचालन क्षेत्र खवासा बफर के बड़े हिस्सों में फैला है। वन अधिकारियों का कहना है कि जुगनी का व्यवहार स्थिर रहा है और वह अक्सर शिकार के लिए इस इलाके का सहारा लेती रही है। पाँच शावकों के जन्म से उसकी इस सक्रियता में और भी वृद्धि होने की उम्मीद है, क्योंकि अब वह शावकों के संरक्षण के लिए अधिक सतर्क रहेगी और शिकार का दायरा भी बढ़ा सकती है।बाघिन जुगनी द्वारा एक साथ पाँच शावकों को जन्म देना पेंच के स्वस्थ पारिस्थितिक तंत्र, पर्याप्त शिकार उपलब्धता और सुरक्षित आवास का संकेत माना जा रहा है।

आपकी बहुत याद आती है पापा, पिता धर्मेंद्र को याद कर भावुक हुई ईशा देओल

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा देओल ने अपने दिवंगत पिता और बॉलीवुड के ही-मैन धर्मेंद्र को याद किया है। एक्ट्रेस ने अपने पिता को मिस करते हुए वादा किया है कि वे उनकी विरासत और संस्कारों को पूरी जिम्मेदारी से आगे ले जाएंगी। पिता के निधन के बाद एक्ट्रेस ने पहली बार सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी भावनाओं को फैंस के साथ शेयर किया। 8 नवंबर को ही धर्मेंद्र का जन्म पंजाब में हुआ था। अपने पिता को याद करते हुए एक्ट्रेस ने लंबा और भावुक कर देने वाला पोस्ट लिखा। अपने पिता के साथ एक फोटो शेयर कर ईशा देओल ने लिखा, 'मेरे प्यारे पापा, आप किसी भी लोक में रहें, चाहे वो स्वर्ग हो या धरती, हम हमेशा साथ हैं। हमने अपने दिलों में आपको पूरी कोमलता, सावधानी और अनमोलता से बसा लिया है। आपके साथ बिताई जादुई अनमोल यादें, आपके दिए सबक, शिक्षा, मार्गदर्शन, बिना शर्त प्यार करना, सम्मान और ताकत, जो कुछ आपने मुझे अपनी बेटी के रूप में दिया है।

मप्र के बालाघाट में मुख्यमंत्री मोहन यादव के समक्ष 10 इनामी नक्सलियों ने किया समर्पण

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में नक्सलवाद के सफ़ाये की दिशा में एक बड़ी सफलता मिली है। मुख्यमंत्री के समक्ष बालाघाट में 10 नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया। इनमें चार महिला नक्सली भी शामिल हैं। इन दस नक्सलियों पर विभिन्न राज्यों में कुल 2 करोड़ 36 लाख रुपये का इनाम घोषित था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उन्हें संविधान की प्रति प्रदान कर मुख्यधारा से जोड़ा। आत्म समर्पण करने वाले नक्सलियों ने अपने हथियार मुख्यमंत्री को सौंपे। आत्म समर्पण करने वालों में इन दस नक्सलियों 62 लाख का सबसे बड़ा इनामी 50 वर्षीय सुरेंद्र उर्फ कबीर उर्फ सोमा सोढी पुत्र उंगा सोढी, निवासी पुलमपाढ थाना गुल्लापल्ली जिला सुकमा, (छत्तीसगढ़) शामिल है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप सरकार तक मध्य प्रदेश को नक्सल मुक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। सतत निगरानी, सघन जांच और कार्रवाइयों से प्रदेश में नक्सली दायरा तेज़ी से घटा है। उन्होंने कहा कि एक भी व्यक्ति को हथियार उठाने की अनुमति नहीं है। उन्होंने नक्सलियों से आह्वान किया कि वे सरकार की पुनर्वास नीति अपनाएं। सरकार उनके जीवन को सुरक्षित करने, विकास सुनिश्चित करने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों और जवानों की हौसला अफजाई करते हुए कहा कि एंटी नक्सल अभियान को लगातार सशक्त और सुदृढ़ किया जा रहा है। प्रदेश में 15 नवीन अस्थायी कैंप और विशेष सहयोगी दस्ता के 882 पद स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पुनर्वास के लिए नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पिछले वर्ष 46 एकल सुविधा केंद्र खोले गए। इन केंद्रों के माध्यम से रोजगार, वन अधिकार पत्र और अन्य आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने शहीद आशीष शर्मा की वीरता को नमन करते हुए कहा कि कर्तव्यपथ में उत्कृष्टता से कार्य करने वाले 328 हॉक फोर्स सहित पुलिस अधिकारियों को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन दिया गया है। उन्होंने कहा कि जो कानून की राह अपनाते हैं, उनकी पुनर्वास की चिंता सरकार की है। मप्र के डीजीपी कैलाश मकवाना ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में एंटी नक्सल अभियान को सशक्त किया गया है। नए कैंप स्थापित किए गए हैं, हॉक फोर्स और पुलिस बल में वृद्धि की गई है। साथ ही अधिकारियों और जवानों को सतत प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इन कार्रवाइयों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों में भी नक्सल समर्पण लगातार बढ़ रहा है।

छत्तीसगढ़ के ताड़मेटला और झीरम कांड में शामिल रहे 33 लाख के इनामी नक्सली दंपति ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के ताड़मेटला और झीरम कांड में शामिल रहे 33 लाख के इनामी नक्सली दंपति माड़वी गंगी ने आंध्र प्रदेश में आत्मसमर्पण कर दिया। सुकमा जिले की सबसे बड़ी नक्सली वारदातों ताड़मेटला, जिसमें सीआरपीएफ के 76 जवान बलि?दान हुए थे और झीरम घाटी हमला, जिसमें कांग्रेस के कई शीर्ष नेता मारे गए थे। इन जघन्य वारदातों में शामिल 25 लाख के इनामी नक्सली, दरभा डिवीजन इंचार्ज जयलाल उर्फ दिरदो विज्जा और उसकी पत्नी 8 लाख की इनामी महिला नक्सली मलंगेर एरिया कमेटी इंचार्ज माड़वी गंगी उर्फ भीमे ने आज सीमावर्ती आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिला मुख्यालय में आंध्र प्रदेश के एसपी अमित बरदार और सुकमा एएसपी (नक्सल) रोहित शाह के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पित नक्सली दंपति जयलाल और संगठन के लिए सबसे अधिक लेवी वसूलने वाली भीमे कई बड़े नक्सली वारदातों में शामिल रहे थे। सुकमा एएसपी (नक्सल) रोहित शाह ने बताया कि सुकमा में लगातार चल रहे एंटी-नक्सल ऑपरेशन और नए कैंपों की स्थापना से संगठन पर दबाव बढ़ा है, जिसके चलते दोनों के पास पुनर्वास ही एकमात्र विकल्प बचा था। उन्होंने कहा कि सरकार की पुनर्वास नीति का पूरा लाभ आत्मसमर्पित नक्सली दंपति को दिया जाएगा और अन्य नक्सलियों से भी हिंसा का रास्ता छोड़कर विकास में भागीदारी की अपील की गई । पुलिस के अनुसार जयलाल पिछले 40 वर्षों से नक्सली संगठन से जुड़ा हुआ था। उसने 1994 में बाल संगम के रूप में नक्सल संगठन में प्रवेश किया। इसके बाद वह सीएनएम सदस्य, एलओएस कमांडर, सेक्शन कमांडर, मिलिट्री कमांडर और अंत में एसजेडसीएम पद पर सक्रिय रहा। वह 2010 के ताड़मेटला हमले, 2013 के झीरम कांड, 2020 मिनपा घटना (17 जवान बलीदान), 2021 टेकलगुड़म (22 जवान बलिदान) और 2024 में धर्मपेंटा व टेकलगुड़ा कैंप पर हुए हमलों का मुख्य सहभागी रहा। उसकी पत्नी भीमे 20 वर्षों से संगठन में सक्रिय थी। वह टेकलगुड़ा घटना में शामिल रही और जिला मुख्यालय के आस-पास ठेकेदारों, व्यापारियों और नेताओं से लेवी वसूली का काम संभालती थी । केरलापाल, बड़ेशेट्टी और नीलावरम क्षेत्र में उसका खासा दबदबा था।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत के साथ शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

कटक (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम यहां मंगलवार को पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत करने के इरादे से उतरेगी । इससे पहले हुई एकदिवसीय सीरीज में जीत से भारतीय टीम के हौंसले बुलंद हैं। इस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव, वहीं दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी एडन मार्कराम के पास रहेगी। इसी मैच को जीतकर सीरीज में दोनो ही टीम बढ़त लेने के इरादे से उतरेंगी। भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि शुभमन गिल फिट हो गये हैं और वह इस मैच में खेलेंगे। उनके अलावा ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या भी इस सीरीज से वापसी करेंगे।

ये सीरीज अगले साल होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप को देखते हुए काफी अहम मानी जा रही है। इससे दोनों टीमें अपनी अपनी तैयारियों का आंकलन करेंगी। भारतीय टीम की बल्लेबाजी आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के अलावा , तिलक वर्मा, कप्तान सूर्यकुमार व शुभमन गिल पर अधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह संभालेंगे। स्पिनर के तौर पर वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव रहेंगे। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी मार्कराम के अलावा डेविड मिलर, क्विंटन डी कॉक पर आधारित रहेगी। गेंदबाजी की कमान केशव महाराज, क्वेना मफाका, लुंगी एनगिडी व, एनरिक नोर्खिया संभालेंगे।

टीमें इस प्रकार हैं

भारतीय टीम : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेट कीपर), संजू सैमसन (विकेट कीपर), जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वाशिंगटन सुंदर।

दक्षिण अफ्रीका : एडन मार्कराम (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, टोनी डी जोरजी, रीजा हेंड्रिक्स, डेविड मिलर, जॉर्ज लिंडे, कॉर्बिन बॉश, मार्को जेनसन, क्विंटन डी कॉक, डोनोवन फरेरा, ट्रिस्टन स्टब्स, ओटनील बार्टमैन, केशव महाराज, क्वेना मफाका, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्खिया।

अभिषेक एक साल में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने एक अहम रिकार्ड बनाया है जिससे अंदाजा होता है कि वह कितने अच्छे फार्म में हैं। अभिषेक ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में ही पंजाब की कप्तानी करते हुए 250 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। इस बल्लेबाज ने 6 मुकाबलों में 300 से अधिक रन बनाये हैं। सर्विसेज के खिलाफ हुए मुकाबले में उन्होंने तीन छक्के लगाकर अर्धशतक बनाया था।

अभिषेक इसी के साथ ही एक एक कैलेंडर ईयर में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज भी बने हैं। अभिषेक ने सर्विसेज के खिलाफ एलीट ग्रुप सी मैच में 34 गेंदों में 8 चौकों और 3 छक्कों की सहायता से 62 रन की आक्रामक खेली। इस मैच में दूसरा छक्का लगाते ही अभिषेक एक साल में 100 टी20 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने हैं।

अभिषेक ने इस साल भारतीय टीम की ओर से 17 टी20आई मैचों में 47 छक्के लगाए हैं। आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 14 मैचों में 28 छक्के लगाये हैं। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के 2025 सत्र में अभिषेक ने अब तक 6 मैचों में 26 छक्के लगाए हैं। कुल मिलाकर इस साल अब तक खेले गए 37 टी20 मैचों में उनके नाम 101 छक्के हैं। अभिषेक ने पिछले साल भी 39 मैच में सबसे अधिक 39 87 छक्के लगाए थे। वहीं साल 2022 में सूर्यकुमार यादव ने 41 टी20 मैचों में 85 छक्के लगाए थे।टी20 में एक साल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान निकोलस पूरन के नाम है। साल 2024 में पूरन ने 76 मैच में 170 छक्के लगाए थे। इस साल उन्होंने डरबन सुपर जायंट्स, लखनऊ सुपर जायंट्स, एमआई अमीरात, एमआई न्यूयॉर्क, नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स (पुरुष), रंगपुर राइडर्स, ट्रिनबागो नाइट राइडर्स और वेस्टइंडीज की ओर से खेला था। वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज क्रिस गेल विश्व के पहले खिलाड़ी थे, जिन्होंने टी20 में एक कैलेंडर ईयर में 100 छक्के लगाए थे।

जसप्रीत बुमराह के पास तीन बड़े रिकॉर्ड अपने नाम करने का मौका

नई दिल्ली । भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह कुछ ऐतिहासिक माइलस्टोन्स बनाने की कगार पर हैं क्योंकि साउथ अफ्रीका के खिलाफ मंगलवार से कटक में टी20आई सीरीज शुरू हो रही है। टेस्ट सीरीज में 0-2 से शर्मनाक हार के बाद वनडे में वापसी करते हुए भारत ने सीरीज 2-1 से अपने नाम की। सूर्यकुमार यादव और गौतम गंभीर की लीडरशिप में टीम इंडिया टी20 में अभी तक कोई सीरीज नहीं हारी है और प्रोटियाज के खिलाफ बड़ी सीरीज़ जीतकर घरेलू टी20 वर्ल्ड कप की तैयारियों को तेज करने का लक्ष्य रखेगी, यह टीम अनुभव और युवाओं के जोश से बराबर भरी हुई है।

बुमराह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के बाद भारत के लिए टी20आई विकेटों का शतक लगाने वाले दूसरे बॉलर बनने की लाइन में हैं। इसके लिए बुमराह को सिर्फ एक विकेट की जरूरत है। उन्होंने 80 टी20आई में 18.11 के औसत से 99 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका बेस्ट फिगर 3/7 रहा है। टॉप पर अर्शदीप (68 मैचों में 105) हैं। इसके साथ बुमराह खेल के सभी फॉर्मेट में कम से कम 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय बॉलर बन जाएंगे। बुमराह साथ ही सभी फॉर्मेट में 500 विकेट लेने वाले आठवें भारतीय बॉलर बनने से 18 विकेट दूर हैं। 221 मैचों में बुमराह ने 20.60 के औसत से 482 विकेट लिए हैं जिसमें उनके नाम 6/19, 13 चार विकेट हॉल और 18 बार 5 विकेट हॉल का बेस्ट रिकॉर्ड है।

जोफ्रा आर्चर पर भड़के रिकी पोंटिंग, स्टीव स्मिथ के साथ तीखी बहस के लिए साधा निशाना

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने गाबा में खेले गए दूसरे एशेज टेस्ट के दौरान इंग्लैंड के तेज़ गेंदबाज जोफ्रा आर्चर के अचानक सामने आए जोश पर तीखी प्रतिक्रिया दी। ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच आठ विकेट से जीता, लेकिन अंतिम चरण में आर्चर की तेज़ गेंदबाज़ी और स्टीव स्मिथ से हुई बहस सोशल मीडिया पर छा गई। पोंटिंग के अनुसार, आर्चर पूरे मैच में अपनी धार नहीं दिखा पाए और जब मुकाबला लगभग खत्म हो चुका था, तब उनका गुस्सा उभरकर सामने आया। इस देर से दिखे आक्रामक रवैये पर पोंटिंग ने खुलकर सवाल उठाए।

पोंटिंग की कड़ी आलोचना: 'बहुत कम, बहुत देर से'

रिकी पोंटिंग ने कमेंट्री के दौरान कहा कि आर्चर की अचानक तेज़ी मैच की वास्तविक परिस्थितियों के बिल्कुल विपरीत थी। चौथे दिन जब इंग्लैंड 64 रन के छोटे लक्ष्य की रक्षा कर रहा था, तभी आर्चर ने 150 द्मद्बश्चद्ध के करीब रफ्तार पकड़ ली। पोंटिंग के अनुसार, अगर यह ऊर्जा और तीखापन पहले दिखाई देता, तो इंग्लैंड मैच में बेहतर स्थिति में हो सकता था। उन्होंने स्पष्ट कहा, ÷सीरीज के छह दिन बाद आर्चर में जान आई है – वह भी तब, जब दूसरा टेस्ट लगभग खत्म हो चुका था। यह बहुत देर हो चुकी है, चैंप।÷

स्मिथ-आर्चर में गर्मागर्म बहस

ऑस्ट्रेलिया के जीत सुनिश्चित करने से कुछ मिनट पहले आर्चर और स्मिथ के बीच हुए वाक्य-विवाद ने माहौल और गर्म कर दिया। आर्चर ने स्मिथ को कई बाउंसर फेंककर उकसाया, जिस पर स्मिथ ने तीखे शब्दों में पलटवार किया। आर्चर ने कहा, 'तुम ऐसे शॉट तब ही खेलते हो जब स्कोर कम हो।' स्मिथ ने तुरंत जवाब दिया, 'तुम तेज़ बॉलिंग तभी करते हो जब कुछ नहीं बचा होता, चैंप।' यह संवाद तुरंत वायरल हो गया और मैच का सबसे चर्चित पल बन गया।

'चार दिन चूक गए इंग्लैंड': पोंटिंग का तंज

पोंटिंग ने इंग्लैंड की समग्र बॉडी लैंग्वेज और रवैये पर भी सवाल उठाए। उनके मुताबिक, इंग्लैंड चार दिन तक संघर्ष करता रहा और अचानक अंतिम घंटों में आक्रामक दिखने लगा। उन्होंने कहा, 'अब आप लड़ने निकले हो? बहुत देर हो चुकी है। चार दिन का मौका था।'

स्मिथ पर 'द वुड' होने की धारणा को पोंटिंग ने बताया गलत

2019 में लॉर्ड्स टेस्ट में लगे खतरनाक बाउंसर के बाद यह माना जाता है कि आर्चर, स्मिथ के खिलाफ मानसिक बढ़त रखते हैं। पर पोंटिंग ने इस धारणा को पूरी तरह मिथक बताया। टेस्ट क्रिकेट में आर्चर ने स्मिथ को कभी आउट नहीं किया। उन्होंने 220 गेंदों पर 130 रन दिए, जो मौजूदा सांख्यिकी के अनुसार आर्चर के प्रभुत्व वाली कहानी नहीं दिखाते।

एशेज की असली तीखी शुरुआत?

पोंटिंग ने माना कि गाबा में दिखा यह छोटा-सा भिड़ंत टेस्ट क्रिकेट की असली तीव्रता को दर्शाती है। लेकिन पहले दो टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की बढ़त ने इंग्लैंड के लिए चुनौती और कठिन बना दी है। उन्होंने कहा, 'अब खेल असली रूप में आ गया है। एशेज क्रिकेट इसी के लिए जाना जाता है।'

रूट के नाम दर्ज हुआ अनचाहा रिकार्ड, ऑस्ट्रेलिया में लगातार 16 वां टेस्ट हारे

ब्रिस्बेन ।इंग्लैंड की यहां एशेज के दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के साथ ही अनुभवी बल्लेबाज जो रूट के नाम एक ऐसा रिकार्ड दर्ज हो गया है जिसे वह भूलना चाहेंगे। अब रूट के नाम ऑस्ट्रेलिया में लगातार 16 टेस्ट में हार का शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। इससे पहले पाकिस्तान में लगातार 15 हार का रिकार्ड भारतीय टीम के महान ऑलराउंडर कपिल देव के नाम था।इनके अलावा किसी भी अन्य क्रिकेटर के नाम किसी देश में बिना किसी जीत के इतने मुकाबले हारने का रिकॉर्ड नहीं है। जिस प्राकर रूट का ऑस्ट्रेलिया में रिकॉर्ड कमजोर रहा, वैसे ही कपिल देव का पाकिस्तान में व्यक्तिगत रिकॉर्ड खराब रहा है।कपिल ने पाक में 22 पारियों में 548 रन बनाए, औसत 26.10 रहा, और 44 विकेट लिए, औसत 40.02 रहा।ये उनके करियर का दूसरे सबसे खराब औसत रहा है। रूट ने हालांकि इस बार अच्छा प्रदर्शन किया था पर वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये।इंग्लैंड टीम के बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये जिससे टीम हार गयी।उसके बल्लेबाज दोनों पारियों में रन बनाने में विफल रहे।रूट ने हालांकि पहली पारी में शतक लगाया था पर उन्हें किसी से साथ नहीं मिला।

रोहित और कोहली की जगह को लेकर अब सवाल नहीं उठाने चाहिये : बांगर

विशाखापट्टनम।भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगर ने कहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा बढ़ती उम्र के बाद भी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।ऐसे में टीम में इनकी जगह को लेकर किसी भी प्रकार के सवाल नहीं उठाये जाने चाहिये।बांगर ने कहा कि पिछले कुछ समय के अंदर दोनो ने अपने प्रदर्शन से दिखा दिय है कि वे अभी भी विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से हैं।इसलिए इन दोनो के साथ अलग तरह से व्यवहार होना चाहिये।इसके अलावा इसकी टीम में जगह को लेकर किसी प्रकार प्रकार की आशंकाएं नहीं लगायी जानी चाहिये।इन किन ने पिछले छह एकदिवसीय मैचों में अपने को साबित किया है। ऑस्ट्रेलिय और दक्षिय अफीका के खिलाफ देखा जाये तो इन दोनो ने जो खेल दिखाया वह कोई और नहीं दिखा पाया। बांगर ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि अबटीम में इनकी की जगह को लेकर सवाल उठाए जाने चाहिए।उनके इतने वर्षों में टीम को दिए गए योगदान पर ध्यान देना चाहिए।'' कोहली और रोहित अब केवल एकदिवसीय प्रारूप में ही खेलते हैं।भारतीय टीम ने पिछले कुछ समय में इस प्रारूप में बहुत कम मैच खेले हैं। बांगर का मानना है कि उन्हें लय हासिल करने में कुछ समय लग सकता है। उन्होंने कहा, ''वे दो प्रारूपों से संन्यास ले चुके हैं, इसलिए ज़ाहिर है कि उन्हें लय हासिल करने में कुछ समय लग सकता है पर वे ऐसा कई बार कर चुके हैं।उन्हें किसी युवा खिलाड़ी जितने मैच खेलने की जरूरत नहीं है।एक बार वे जब अपनी लय हासिल कर लेते हैं तो उन्हें रन बनासे से रोकना संभव नहीं होता।ऐस में अगर आप इस तरह के खिलाड़ियों को टीम में चाहते हैं।आपको उनके साथ अलग तरह से व्यवहार करना होगा और उन्हें अपना स्वाभाविक खेल खेलने की आजादी देनी होगी।''उन्होंने कहा, '''जब वे लय में होते हैं तो आपको अंतर साफ नजर आता है।उनके रहने से ही से ड्रेसिंग रूम का माहौल बदल जाता है।।''

एफआईएच जूनियर विश्व कप 2025 क्वालीफाइंग मुकाबला : भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने वेल्स को 3-1 से हराया

सैंटियागो (एजेंसी)। भारतीय महिला जूनियर हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वेल्स को 3-1 से हरा दिया। भारतीय टीम ने एफआईएच जूनियर विश्व कप 2025 के नौ से 16वें स्थान के लिए हुए इस क्वालीफाइंग मुकाबले में वेल्स को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। भारतीय टीम की ओर से हिना बानो ने 14वें मिनट, सुनेलिता टोप्पो ने 24वें मिनट और इशिका ने 31वें मिनट में गोल किये। वहीं वेल्स की ओर से एकमात्र गोल एलोइस मोट ने 52वें मिनट में किया।

भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत में से ही आक्रमण करने शुरु कर दिये। पहले क्वार्टर के अंत में साक्षी राणा के शानदार पास पर हिना ने गोल करा भारतीय टीम को बढ़त दिला दी। वहीं दूसरे क्वार्टर में सुनेलिता टोप्पो ने एक गोल कर भारतीय टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया।

वहीं तीसरे हाफ में इशिका से गोल से भारतीय टीम की बढ़त 3-0 की हो गयी। भारतीय टीम अपने आक्राक रुख से वेल्स पर परे समय हावी रही। वेल्स की ओर से 52वें मिनट में एलोइस मोट ने गोल कर भारतीय टीम की बढ़त को कम जरुर किया पर इसके बाद उनकी ओर से कोई खिलाड़ी गोल नहीं कर पाया।

शाकिब ने संन्यास का फैसला वापस लिया, बांग्लादेश लौटकर खेलना चाहते हैं एक घरेलू सीरीज

सेन डियागो ।पिछले काफी समय से अमेरिका में रह रहे बांग्लादेश क्रिकेट टीम से पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन ने संन्यास से वापसी का फैसला किया है।शाकिब का कहना है कि वह एकसाथ ही तीनों प्रारुपों को अलविदा कहना चाहते हैं। उन्होंने इंग्लैंड के स्पिनर मोईन अली से बातचीत के दौरान कहा कि उन्होंने अभी तक तीनों प्रारुपों से आधिकारिक रुप से संन्यास नहीं लिया है।साथ ही कहा कि वह बांग्लादेश लौटकर एक पूरी घरेलू सीरीज खेलने के बाद ही तीनों प्रारुपों से एक साथ संन्यास लेंगे। शाकिब पिछले एक साल से ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर हैं। उन्होंने पिछले साल ही टेस्ट और टी20 से संन्यास ले लिया था।उन्होंने मोईन से बातचीत के दौरान कहा, मैं आधिकारिक रूप से अभी तीनों प्रारुपों से रिटायर नहीं हुआ हूं।ये पहला मौका है जब मैं इसका खुलासा कर रहा हूं। मेरी योजना है कि मैं बांग्लादेश जाकर, एक पूरी एकदिवसीय, टेस्ट और टी20 सीरीज खेलूं और फिर रिटायरमेंट लूं। शाकिब ने साथ ही कहा कि मैं तीनों प्रारुपों से एकसाथ संन्यास ले सकता हूं।मुझे बस एक पूरी सीरीज खेलनी है और फिर संन्यास लेना है। गौरतलब है कि शाकिब मई 2024 से ही बांग्लादेश वापस नहीं लौटे हैं।छात्र आंदोलन और अवामी लीग सरकार को सत्ता से हटाये जाने के हटने के बाद से ही वह देश से बाहर ही हैं।शाकिब अवामी लीग से सांसद भी बने थे।उनके नाम पर कई मामले भी बांग्लादेश में दर्ज हुए थे।इसके बाद उन्होंने पाकिस्तान और भारत में टेस्ट मैच भी खेले।भारत के खिलाफ कानपुर में उन्होंने दूसरा टेस्ट व अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था।वहीं जब उनसे पूछा गया कि क्या वे बांग्लादेश लौटेंगे, तो शाकिब ने कहा कि मुझे उम्मीद है।इसलिए मैं कई टी20 लीग खेल रहा हूं मुझे लगता है, ऐसा होगा। शाकिब ने ये भी कहा कि वह अपने देश में एक घरेलू सीरीज खेलकर सम्मानजनक विदाई चाहते हैं, ताकि अपने प्रशंसकों का आभार वयक्त कर सके।

भारतीय टीम बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार, अधिक बदलाव नहीं होंगे : सूर्यकुमार

कटक । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां होने वाले पहले टी 20 मैच में बेहतर प्रदर्शन के लिए उनकी टीम तैयार है।सूर्यकुमार ने बताया कि टीम का माहौल काफी अच्छा और इसमें अधिक बदलाव नहीं होंगे।सूर्या ने कहा कि मैच में ओस सहित कुछ चीजें हमारे नियंत्रण में नहीं होती और उसके लिए कुछ नहीं किया जा सकता है।सूर्यकुमार ने कहा कि इस समय सर्दियों का मौसम चल रहा है और रात के समय ओस का गिरना स्वाभाविक है।ऐसे मुकाबलों में ओस से भी प्रभाव पड़ता है। कप्तान ने कहा कि इसमें हमारा बस नहीं है।हमें खेलना ही है, ओस अगर होगी तो उसके हिसाब से ही प्रबंधन करेंगे क्योंकि हम मैदान छोड़कर भाग तो नहीं सकते।भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को एकदिवसीय सीरीज में हराया है जिससे वह इस मैच में उत्साहित होकर उतरेगी।वहीं अपने दौरे के इस अंतिम चरण में मेहमान टीम जीत हासिल करना चाहेगी।

फरवरी में नीदरलैंड के खिलाफ डेविस कप की मेजबानी करेगा भारत

मुम्बई।भारत अगले साल की शुरुआत में नीदरलैंड के खिलाफ डेविस कप मैचों की मेजबानी करेगा।ये मैच सात-आठ फरवरी को बेंगलुरु में खेले जाएंगे।डेविस कप की मेजबानी में बेंगलुरु के अलावा दिल्ली भी शामिल थी पर अंत में बेंगलुरु को मेजबानी मिली।दिल्ली लॉन टेनिस संघ (डीएलटीए) ने इस साल फरवरी में टोगो की मेजबानी की थी और उसने भी इस अहम मुकाबले को आयोजित करने में रुचि दिखाई थी।बेंगलुरु ने पिछली बार 2017 में उज्बेकिस्तान के खिलाफ डेविस कप मुकाबले की मेजबानी की थी जिसमें मेजबान टीम 4-1 से जीत गई थी।वहीं कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस संघ (केएसएलटीए) ने बिली जीन किंग कप प्ले-ऑफ की मेजबानी की थी।तब भारत ने सितंबर में विश्व ग्रुप एक के पहले दौर में स्विट्जरलैंड को हराकर क्वालीफाइंग चरण में प्रवेश किया था जबकि नीदरलैंड को दूसरे दौर में अर्जेंटीना के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।यह 1993 के बाद यूरोपीय धरती पर भारत की पहली जीत थी।तब सुमित नागल और दक्षिणेश्वर सुरेश के नेतृत्व में भारत को जीत मिली थी।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल 2025: सिमरनप्रीत कौर ने गोल्ड मेडल जीता, मनु भाकर पदक से चूकी

दोहा [क़तर] (एजेंसी)। भारतीय शूटर सिमरनप्रीत कौर ने आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला 25 मीटर पिस्टल इवेंट में गोल्ड मेडल अपने नाम किया और जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड के बराबरी की। वहीं, ओलिंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर इस बार पदक जीतने में सफल नहीं रही।

सिमरनप्रीत की ऐतिहासिक जीत

21 वर्षीय सिमरनप्रीत ने फाइनल में 41/50 का स्कोर बनाते हुए विश्व स्तर पर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उनका यह स्कोर दक्षिण कोरिया की पेरिस 2024 ओलिंपिक चैंपियन यांग जी-इन के जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड के बराबर है। चीन की याओ चियान्शुन ने 36/50 के साथ सिल्वर मेडल और जर्मनी की डॉरेन वेनेकंप ने 30/45 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। यह सिमरनप्रीत का ढ्ढस्स्स्न वर्ल्ड कप फाइनल में पहला पदक है, जिससे वह विश्व की शीर्ष युवा शूटिंग प्रतिभाओं में शामिल हो गई हैं।

मनु भाकर का निराशाजनक प्रदर्शन

वहीं, मनु भाकर इस बार निराशा में रही। उन्होंने महिला 25 मीटर पिस्टल क्वालिफिकेशन राउंड में नौवां स्थान प्राप्त किया और फाइनल में जगह नहीं बना पाईं। इससे पहले, उन्होंने महिला 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में पांचवां स्थान हासिल किया था, जिससे उनका दोहा अभियान बिना पदक के समाप्त हुआ।

पुरुषों में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर का सिल्वर

पुरुष 50 मीटर राइफल 3 पोज़िशन इवेंट में ओलिंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने चेक शूटर जीरी प्रिव्रात्सकी के 414.2 वर्ल्ड रिकॉर्ड स्कोर से केवल 0.9 अंकों से पिछड़कर यह पदक हासिल किया। चीन के पेरिस 2024 गोल्ड मेडलिस्ट लियू युकुन ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल की विशेषताएं

दोहा मीट ने 2025 आईएसएसएफ सीज़न का समापन किया। इस फाइनल में कुल 10 शूटरों ने भाग लिया, जिनमें क्वालिफिकेशन के आधार पर चयनित खिलाड़ी शामिल हैं। डिफेंडिंग चैंपियन अपने आप क्वालीफाई होते हैं, जबकि चार वर्ल्ड कप स्टेज के विजेताओं को सीधे जगह मिलती है। शेष पांच स्थानों में दो खिलाड़ी वर्ल्ड कप रैंकिंग और तीन आईएसएसएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप पदक विजेताओं के आधार पर चुने गए। इस फाइनल में केवल व्यक्तिगत 12 ओलिंपिक शूटिंग इवेंट (राइफल, पिस्टल और शॉटगन) आयोजित किए गए, टीम इवेंट शामिल नहीं थे।

मस्ती 4 फिल्म का हिस्सा बनने से पहले काफी सोच-विचार किया था

आज के दौर में फिल्मों और वेब सीरीज में बोल्ड कंटेंट को लेकर दर्शकों की राय पहले से कहीं ज्यादा बंटी हुई है। छोटे से छोटे सीन या डायलॉग्स भी अक्सर बड़े विवाद का कारण बन जाते हैं। इसी माहौल में जब कोई कलाकार एडल्ट-कॉमेडी जैसी संवेदनशील शैली में कदम रखने का फैसला करता है, तो यह उनके लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जाता है। इसी तरह का अनुभव अभिनेत्री एलनाज नोरौजी ने भी किया। उन्होंने मस्ती 4 जैसी बोल्ड कॉमेडी फिल्म का हिस्सा बनने से पहले काफी सोच-विचार किया था। इंटरव्यू में एलनाज नोरौजी ने कहा, मस्ती 4 में काम करने को लेकर मैं शुरू में काफी झिझक रही थी। आज के समय में दर्शक जिस तरह से बोल्ड कॉमेडी पर प्रतिक्रिया देते हैं, उससे कलाकारों पर ज्यादा दबाव बन जाता है। मुझे डर था कि कहीं मेरी छवि पर इसका गलत असर न पड़े। लेकिन, जैसे-जैसे फिल्म की कहानी पढ़ी, मेरा नजरिया बदलता गया।

उन्होंने कहा, इस बार की कहानी सिर्फ पहले वाली फिल्मों की तरह चुटकुलों और मजाक तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें कुछ नया, अलग और ज्यादा मनोरंजक जोड़ने की कोशिश की गई है। इस खासियत के चलते मैंने इस प्रोजेक्ट से जुड़ने का फैसला लिया। उन्होंने कहा, इस फिल्म ने मुझे अपने अभिनय का एक अलग पहलू पर्दे पर दिखाने का मौका दिया। एक कलाकार के रूप में मैं हमेशा से चाहती हूं कि दर्शक मुझे केवल एक ही तरह के किरदारों में सीमित न देखें। इस फिल्म में बिंदिया का रोल मेरी एक्टिंग रेंज को सामने लाने का मौका था, और इसलिए मैंने इसे स्वीकार किया। मस्ती 4 एक एडल्ट-कॉमेडी फिल्म है, जिसे मिलाप मिलन जावेरी ने निर्देशित किया है। यह मशहूर मस्ती फिल्म सीरीज का चौथा भाग है। फिल्म में रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी पहले की तरह लीड रोल में नजर आ रहे हैं। मस्ती 4 सिनेमाघरों पर 21 नवंबर को रिलीज हो चुकी है।

क्या दीपिका पादुकोण के बाद प्रियंका चोपड़ा भी होंगी कल्कि 2898 एडी 2 से बाहर?

प्रियंका ने भी रखी शर्त

साल 2024 में दीपिका पादुकोण फिल्म कल्कि 2898 एडी में नजर आई थीं। इस फिल्म का सीक्वल बन रहा है। इसमें भी दीपिका नजर आने वाली थीं, मगर उन्होंने फिल्म छोड़ दी। दीपिका के फिल्म का हिस्सा न होने की बात का एलान मेकर्स ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करके किया था।

झमीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि दीपिका ने फीस में इजाफा किया था और साथ ही आठ घंटे शिफ्ट की डिमांड रखी थी, जिस पर मेकर्स के साथ सहमति नहीं बनी। बीते दिनों खबर आई कि दीपिका की जगह प्रियंका चोपड़ा फिल्म का हिस्सा बनेंगी। मगर, देसी गर्ल को साइन करना मेकर्स के लिए आसान नहीं है।

क्या दीपिका को रिप्लेस करेंगी प्रियंका चोपड़ा?

एक तरफ खबरें चल रही हैं कि कल्कि 2 में प्रियंका चोपड़ा ने दीपिका पादुकोण को रिप्लेस कर दिया है। वहीं, अब रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि प्रियंका चोपड़ा की एंट्री मुश्किल लग रही है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट के लिए प्रियंका चोपड़ा से बातचीत चल रही है। हालांकि, मेकर्स को वैसी ही मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, जिनकी वजह से दीपिका पादुकोण ने फिल्म छोड़ी थी। खबर है कि एक्ट्रेस ने दीपिका जितनी ही फीस मांगी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रियंका चोपड़ा के अलावा इस फिल्म में दीपिका पादुकोण की जगह लेने के लिए और भी फीमेल स्टार्स रेस में हैं। इस रोल के लिए आलिया भट्ट और साई पल्लवी जैसी एक्ट्रेस के नाम पर भी विचार किया जा रहा है। रिपोर्ट्स की मानें तो मेकर्स ऐसी एक्ट्रेस को लेना चाहते हैं जो स्टार पावर के मामले में प्रभास के बराबर हो। मालूम हो कि फिल्म से दीपिका के बाहर होने की ऑफिशियल घोषणा कल्कि 2 के मेकर्स ने अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट से की थी। पोस्ट में लिखा था, यह ऑफिशियली घोषणा है कि दीपिका कल्कि 2898 एडी के आने वाले सीक्वल का हिस्सा नहीं होंगी। बहुत सोच-विचार के बाद हमने अलग होने का फैसला किया है। हम उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

प्रियंका ने रखी हैं ये डिमांड

इसके अलावा प्रियंका चोपड़ा ने काम के घंटों में फ्लेक्सिबिलिटी की डिमांड भी रखी है। एक सोर्स ने वेबसाइट को बताया, प्रियंका चोपड़ा ने अपने टाइम और शेड्यूल में फ्लेक्सिबिलिटी की डिमांड रखी है, ताकि वे अपनी बेटी मालती को वक्त दे सकें। हालांकि, यह कोई मुश्किल बात नहीं है, क्योंकि प्रियंका अपनी बेटी के साथ लोकेशन पर ट्रैवल करने के लिए तैयार हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि प्रियंका चोपड़ा के साथ मेकर्स की बातचीत बन पाती है या देसी गर्ल भी इस फिल्म को छोड़ देंगी।

राहु केतु को लेकर बेहद उत्साहित हैं पुलकित सम्राट

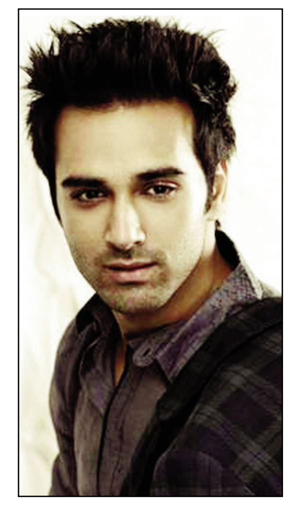

अगले वर्ष की शुरुआत में ही अपनी फिल्म राहु केतु से सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रहे पुलकित सम्राट फिलहाल अपनी पहली फ़ैंटेसी फ़िल्म प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित हैं। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि यह फिल्म सिर्फ उनके करियर की पहली फ़ैंटेसी फ़िल्म नहीं, बल्कि एक ऐसा मुक़ाम है, जिसका इंतज़ार उन्हें बचपन से था। अपनी कल्पनाशक्ति को आकार देने वाले बचपन की यादों को साझा करते हुए पुलकित ने कहा, राहु केतु को लेकर मैं बहुत एक्साइटेड हूँ, क्योंकि यह मेरी पहली फ़ैंटेसी फ़िल्म है। मैं सच में अजूबा, छोटा चेतन जैसी फ़िल्में देखकर बड़ा हुआ हूँ, और आज जब मैं खुद ऐसी फ़िल्म का हिस्सा बना हूँ तो मेरे लिए यह सबसे रोमांचकारी है। मुझे ऐसा लग रहा है, मेरा सफ़र पूरा घेरा बनाकर वापस उसी जादुई दुनिया में लौट आया है। गौरतलब है कि रोमांच, भव्यता और इमोशन से भरपूर पुलकित की आने वाली फ़िल्म राहु केतु भी कुछ उसी तरह की फ़ैंटेसी स्पेस को एक्सप्लोर करती है, जैसा हममें से कई लोगों ने अपने बचपन में देखी होगी। हालांकि फ़िल्म से जुड़ी अधिकतर जानकारी अभी गुप्त रखी गई है, लेकिन पुलकित का उत्साह इस बात का संकेत है कि दर्शकों को उनसे कुछ नया और ताज़ा देखने को मिलेगा, तो तैयार रहिए पुलकित के साथ अपने भी बचपन की कल्पनाओं को आधुनिक फ़िल्ममेकिंग के अंदाज़ में साकार होते हुए।

तलाक के सवाल पर दिव्या खोसला ने दिया जवाब

अभिनेत्री दिव्या खोसला ने हाल ही में सोशल मीडिया पर आस्क मी एनीथिंग सेशन शुरू किया। सेशन में उन्होंने कई यूजर्स के सवालों के जवाब दिए। उन्होंने लोगों को अपने एक्टिंग के सफर और बॉलीवुड में अपने अनुभव के बारे में बताया। उन्होंने वीडियो के जरिए यूजर्स के सवालों के जवाब भी दिए। उनके एक जवाब ने लोगों को हैरान कर दिया। एक यूजर ने दिव्या खोसला से पूछा बॉलीवुड में इतनी बेचैनी होने के बावजूद अपनी मेंटल हेल्थ का ख्याल कैसे रख पाती हैं? इसके जवाब में अभिनेत्री ने कहा मैं सोचती हूं कि बॉलीवुड ऐसी जगह है, जहां आपके आस-पास बहुत सारे मगरमच्छ हैं। ऐसे में मैं महसूस करती हूं कि इसके बीच से रास्ता निकालना होगा। मुझे लगता है कि सबसे जरूरी चीज है अपने आप से ईमानदार रहें। एक दूसरे यूजर ने अभिनेत्री से पूछा कौन सी फिल्म है जिसमें काम करते हुए आपको सबसे ज्यादा अच्छा लगा? इसके जवाब में अभिनेत्री ने कहा सवी। इसकी शूटिंग यूके में हुई। -10 डिग्री पर पूरे 42 दिन शूटिंग हुई। इसका प्रोडक्शन बहुत सही था। सवी का अनुभव एक तरफ बाकी मेरी सभी फिल्मों का अनुभव एक तरफ। एक और यूजर ने उनसे पूछा क्या आपका तलाक हो चुका है? इस पर दिव्या ने कहा नहीं। हालांकि लोग यही चाहते हैं। दिव्या खोसला ने साल 2005 में भूषण कुमार से शादी की थी। कुमार फिल्म और म्यूजिक प्रोड्यूसर हैं। हाल ही में दिव्या खोसला फिल्म एक चतुर नार में नजर आईं। इसमें नील नितिन मुकेश भी थे।

ऐतिहासिक किरदार निभाना चाहती हैं कृति खरबंदा

अपनी खूबसूरती और बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस कृति खरबंदा अब ऐसे किरदारों की तलाश में हैं, जो उन्हें एक नए, गहरे स्तर पर चुनौती दें। हाल ही में एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि वह आगे किस तरह के रोल या जॉनर एक्सप्लोर करना चाहेंगी, तो उनका जवाब महत्वाकांक्षी होने के साथ-साथ अतीत की मधुर स्मृतियों और परफॉर्मेंस के प्रति जुनून से भरा हुआ था। उन्होंने बताया कि भविष्य में वे ऐतिहासिक ऐपिक फिल्मों जैसे मुगल-ए-आज़म, बाजीराव मस्तानी और राम लीला जैसी कालजयी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहेंगी, जहाँ भव्यता के साथ-साथ इमोशन और दमदार किरदारों की दुनिया हो। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैं मुगल-ए-आज़म और बाजीराव मस्तानी जैसी किसी फिल्म में काम करना पसंद करूंगी। हाउसफुल 4 के जरिए मैंने उस दुनिया की थोड़ी झलक देखी थी, लेकिन अब मैं पूरी तरह से ऐसा किरदार निभाना चाहती हूँ, जो ऐतिहासिक हो। गौरतलब है कि कृति के लिए इन विशालकाय फिल्मों का सौंदर्य, उनकी भावनाएँ, शानदार कॉस्ट्यूम, और मजबूत महिला किरदार, सब मिलकर एक एसी दुनिया रचते हैं जिसमें वह बतौर एक्टर अपनी सीमाओं को और आगे बढ़ा सकें। वे कहती हैं, मेरे लिए ज़्यादा स्क्रीन प्रेज़ेंस से ज़्यादा ज़रूरी है, एक दमदार किरदार। हालांकि मैं अपने पर्सनल पैशन की बात करूं तो मैं मशहूर टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्ज़ा का किरदार निभाना चाहूंगी क्योंकि मैंने अपनी लाइफ का एक बड़ा हिस्सा टेनिस खेलते हुए बिताया है। इसके अलावा इस बायोपिक को करने की एक वजह यह भी है कि मैं सानिया मिर्ज़ा की प्रेरणादायक कहानी से काफी प्रभावित हूँ।

अब थोड़ा उदंड होना है, थोड़ा फिर से मस्ती में जीना है

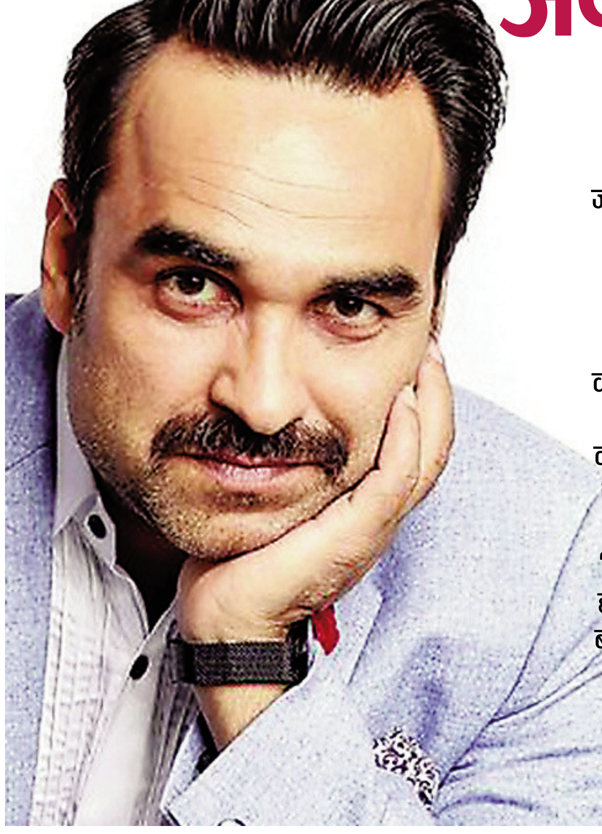

पंकज त्रिपाठी वो एक्टर हैं जिनकी आंखों में अभिनय से ज्यादा अनुभव घुला है। वह कहते हैं कि मैं अभिनय को ध्यान मानता हूं और जीवन को प्रयोग। उन्होंने संघर्ष के दिनों से जो धैर्य सीखा, वो आज भी उनके भीतर स्थिर है। सफलता उन्हें मोहित नहीं करती और असफलता विचलित नहीं करती। वह अपने अभिनय में संवाद से ज्यादा भाव पढ़ते हैं और कहते हैं कि कैमरा झूठ नहीं पकड़ता। अब जब वह बहुत कुछ पा चुके हैं तो 20 साल पहले वाला मस्ती भरा पंकज फिर पाना चाहते हैं, जो दोस्तों को डराने के लिए नींबू-सिंदूर रख आता था। अब उन्हें ना 'सेंस' चाहिए, ना 'गुरुज्ञान'। पंकज कहते हैं कि अब थोड़ा उदंड होना है, थोड़ा फिर से मस्ती में जीना है। खास बातचीत में उन्होंने वही सब बताया, जो इंटरव्यू की तयशुदा लकीरों से बाहर था।

जिंदगी जितनी गहरी, अभिनय उतना सच्चा

पंकज त्रिपाठी बोले, मैंने सात्विक अभिनय करना एनएसडी से सीखा। वहां अपने समकक्षों के साथ रहकर, उनकी ऐक्टिंग देखकर और उनकी थ्योरी समझकर इसे जाना। सात्विक अभिनय नाट्य शास्त्र का हिस्सा है, जिसमें अभिनय को चार वर्गों में बांटा गया है, आंगिक (शारीरिक), वाचिक (वाणी से), अहार्य (मेकअप-कॉस्ट्यूम) और सात्विक (आंतरिक भाव)।

सात्विक अभिनय वह है, जो दिखता नहीं, सिर्फ महसूस होता है और यही सबसे कठिन होता है। ऐसा कहा जाता है कि जैसे क्लासिकल सिंगर 35 की उम्र के बाद निखरता है, वैसे ही सात्विक अभिनय भी उम्र और अनुभव की साधना से आता है। ये केवल एक्टिंग नहीं बल्कि जीवन की समझ से जुड़ा होता है। ऐक्टर की सबसे बड़ी कला उसकी जिंदगी ही होती है। जिंदगी में हर तरह के रस श्रृंगार, हास्य, करुण खुद बनते हैं। ये जीवन में क्रिएट हो रहे हैं और अभिनय में इन्हें रीक्रिएट करना है। अगर रीक्रिएट करना है तो साधना चाहिए, जो निरंतर अभ्यास से आएगी।

धैर्य सबसे बड़ा सबक, बाकी सब बोनस

संघर्ष के दिनों से मुझे सबसे बड़ा सबक मिला धैर्य। यही आज भी मेरे भीतर बसा हुआ है। इससे बड़ा कुछ नहीं। अगर आप अपने रास्ते पर ईमानदारी और जागरूकता के साथ चलते रहो, बिना ज्यादा मांगे या लालसा के तो बहुत कुछ अपने-आप मिलने लगता है, इतना कि जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होती है। मैंने यही अनुभव किया। मैं सच्चा था अपनी मेहनत और नीयत के प्रति। कभी किसी का बुरा नहीं चाहा और ना किसी की चमचागिरी की। सच कहूं तो मैंने ऊपरवाले से भी कुछ खास मांगा नहीं था। मैं सिर्फ यही सोचकर आया था कि अच्छा काम करना है। हां, कुछ छोटी भौतिक इच्छाएं थीं जैसे एक छोटा घर हो जाए, एक गाड़ी हो जाए। हालांकि, आज जो कुछ भी हो रहा, वो सब बोनस की तरह है। मेहनत और धैर्य अगर साथ हैं तो जीवन बहुत कुछ दे देता है।

एक ही जीवन है तो प्रयोग भी जरूरी हैं

कभी-कभी सोचता हूं कि क्या ये विनम्रता, यह जीवन-दर्शन मेरे संस्कारों का बोझ तो नहीं बन गए? या क्या ये मेरी खुद की समझ है? जीवन एक ही है तो प्रयोग करना भी जरूरी है। अगर एक अनुभव देख लिया है तो अब थोड़ा उदंड अनुभव भी कर लिया जाए। यहां उदंडता का मतलब है, हर किसी की वेदना खुद में समा लेना। मेरे साथ यही होता है कि मैं स्पंज की तरह औरों का दुख सोख लेता हूं और वही मुझे सबसे ज्यादा तोड़ता है। कल किसी ने मुझसे राजनीति में आने की बात की। मैंने कहा कि मेरी इसमें कोई खास रुचि नहीं है और मैं नहीं जानता कि कल क्या होगा। वो एक आईएएस अधिकारी थे। बोले, 'तुम जैसे लोगों को भगवान ने कुछ सोचकर ही बनाया होगा।' मैं रात को इसी सोच में पड़ गया, वो ऐसा क्यों बोले होंगे?

अब फिर से मस्तीखोर पंकज बनना चाहता हूं

अब मैं चाहता हूं कि फिर से वही पंकज बन जाऊं जो 20 साल पहले था। तब मैं उदंड तो नहीं था लेकिन मस्तीखोर जरूर था। पढ़ाई के दिनों की बात है, एक दोस्त काले जादू से डरता था तो मैं हर दूसरे दिन उसके कमरे के बाहर नींबू, सुई, सिंदूर रख आता था और फिर उसका डर देखता था। वो ड्रामा बड़ा मजेदार होता था। अब सोचता हूं, वो पंकज कहां चला गया? हर जगह कुछ ना कुछ खुराफात करता रहता था। अब मन करता है कि वो पुराना वाला पंकज फिर से लौट आए।

बाइक राइडिंग का रखते हैं शौंक तो बेस्ट हैं ये जगहें!

अगर आप भी काम करते-करते थक गए हैं और बाइंकिग का भी शौंक रखते हैं तो और किसी छोटे वेकेशन की प्लानिंग कर रहे हैं तो निकल जाएं इन शानदार सड़कों के सफर पर। जहां ऊंचे पहाड़, गहरे झरने खूबसूरत हरे-भरे जंगल आपका इंतजार कर रहे हैं। ऐसी जगह खास तौर पर उन लोगों के लिए अच्छी है जो कि बाइक राइडिंग के शौकीन हैं। यहां पर आप कुदरती नजारों, पहाड़ों, झरनों का भी मजा ले सकते हैं। आइए जानते है उन जगहों के बारे में....

1. लेह, लद्दाख

चारो तरफ पहाड़ों से घिरे इस रूट पर ड्राइविंग का अपना एक अलग ही मजा आता है। ऊंचे पहाड़ों के बीच से निकलता खारदूंगला रोड, जो दुनिया भर में अपनी ऊंचाई के लिए जाना जाता है पर घूमने का अलग ही मजा है। इसके अलावा यहां का मैग्नेरटिक रोड खासतौर से मशहूर है। यहां पर टूरिस्ट अप्रैल से अगस्त तक बाइक राइडिंग करने के लिए आते हैं।

2.स्पीति वैली, हिमाचल

लद्दाख से थोड़ी ही दूर हिमाचल की स्पीति वैली हैं। बाइक से स्पीती वैली तक पहुंचने के लिए काजा, टैबो, स्पीती और पीन वैली जैसी कई खूबसूरत जगहें देखने को मिलती हैं। यहां पर सड़कों के किनारे सेब, खूबानी के पेड़ और सतलुज नदी की खूबसूरती के साथ प्राचीन मंदिरों को भी देख सकते है।

3.वालपराई और वाझाचल फॉरेस्ट

बाइक राइडिंग के लिए यह सबसे बेस्ट रूट है। यहां राइडिंग के दौरान घने, हरे-भरे जंगल और कई सारे छोटे-छोटे वाटर फॉल्स का नजारा देखने को मिलता है।।

4.गोवा, मुंबई

इंडिया के बिजनेस कैपिटल मुंबई से गोवा तक बाइक से सफर करना भी काफी मजेदार है। अमेरिका के 101 हाइवे से काफी मिलती-जुलती इस सड़क को इंडिया में बेस्ट कोस्टल राइडिंग के लिए जाना जाता है।

5.वेस्टर्न, अरुणाचल प्रदेश

हिमालय की ऊंची चोटियों को राइडिंग के वक्त देखना बहुत ही अच्छा एक्सपीरिएंस होता है। हालांकि यहां सड़कों की कमी है जिसके चलते ऊंचे-नीचे पहाड़ी रास्तों से गुजरना होता है। सफर के दौरान बर्फ से ढ़की सड़कें, ट्राइबल कल्चर और उनकी अलग सी लाइफस्टाइल को कैमरे में आसानी से कैद किया जा सकता है।

6. जैसलमेर, जयपुर

दोनों तरफ रेगिस्तारन और बीच में हाईवे का सफर में आपको राजस्थाानी कल्चर देखने के कई मौके मिलते हैं। इसके साथ ही बीच-बीच में जोधपुर, ओसियां, पोकरन जैसे स्टॉकपेज आते हैं जो आपकी सैर को और भी मजेदार बनाएंगे।

एलीफेंट बीच अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है। छुट्टियों में परिवार के साथ यदि आप भीड़भाड़ से अलग शांति और सूकुन वाली जगह की तलाश में है तो अंडमान-निकोबर बेस्ट जगह है। खूबसूरत कुदरती नज़ारों और साफ समुद्री तटों वाले अंडमान की शांति और सुंदरता हर किसी का मन मोह लेती है।

खूबसूरत कुदरती नज़ारों और बीचों की सैर करनी है तो जाएं अंडमान-निकोबार

साफ-सुंदर बीच

पानी से अटखेलियां करना पसंद है तो अंडमान के बीच आपको बुला रहे हैं। यहां के साफ पानी में आप स्कूबा डाइविंग, स्विमिंग, स्कीइंग, पैरास्लाइडिंग, बनान बोट राइड, अंडर वॉटर वॉकिंग आदि एडवेंचर गेम्स का मजा ले सकते हैं। स्कूब डाइविंग के दौरान समुद्र के नीचे रंग-बिरंगी मछलियों से मिलने का अनुभव यादगार बन जाएगा। यहां के बीच अपनी खूबसूरती और स्वच्छता के लिए मशहूर हैं। बीचों की सफेद और चमकीली रेत पर लेटकर जूस और कोल्ड ड्रिंक का मजा लें। क्योंकि अंडमान अपने बीचों के लिए ही मशहूर है तो कुछ खास बीचों की सैर करना न भूलें।

एलीफेंट बीच

यह अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है।

राधानगर बीच

हैवलॉक द्वीप पर स्थित यह बीच भी बहुत मनोरम हैं यहां के दृश्य बेहद सुंदर हैं। अंग्रेजी मैगज़ीन टाइम द्वारा इसे भारत के सबसे अच्छे बीचों में से एर माना गया और पूरी दुनिया का यह सांतवा बेस्ट बीच है। फोटोशूट के लिए यह बीच एकदम परफेक्ट हैं तो यदि आप अंडमान जाएं तो इस बीच पर फोटो खिंचवाना न भूलें।

विजयनगर बीच

यह बीच भी अंडमान के बेस्ट बीचों में से एक है जो सैलानियों के बीच बहुत पॉप्युलर है। यहां का पानी बहुत साफ है और वातावरण स्वच्छ और सुंदर। यहां आप स्वीमिंगस बोटिंग, सर्फिंग और फोटोग्राफी का मज़ा ले सकते हैं। अंडमान के बीच फिलहाल अन्य जगहों के बीचों से साफ और सुंदर है, तो आप यदि कुदरत की गोद में सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं तो अगली छुट्टी अंडमान में बिताएं।

काला पत्थर बीच

यह बीच भी बहुत सुंदर और शांत है। परिवार के साथ सुकून भरे तो पल बिताने वालों के लिए यह परफेक्ट जगह है। यहां की रेत चांदी की तरह चमकती है। इस बीच पर आप सनबाथ का मज़ा ले सकते हैं।

बेस्ट टाइम

572 छोटे-बड़े द्वीपों से मिलकर बना है अंडमान। यह देश के सबसे आकर्षक टूरिस्ट प्लेसेज में से एक है। सिंतबर से लेकर मार्च तक का समय यहां जाने के लिए सबसे अच्छा है, क्योंकि तब आप यहां की कुदरती खूबसूरती के साथ ही सुहावने मौसम का पूरा मजा ले सकेंगे।

मलेशिया है बेहद ही खूबसूरत, बिताए गर्मियों की छुट्टियां

मलेशिया की राजधानी क्वालालम्पुर के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कदम रखते ही मुझे लगा कि मैं यूरोप, आस्ट्रेलिया या अमेरिका जैसे किसी विकसित देश की धरती पर खड़ी हूं। क्रोम और शीशे से बना यह हवाई अड्डा विश्व के सबसे आधुनिक हवाई अड्डों में एक है। चमकते हुए ग्रेनाइट के फर्श, नवीनतम तकनीक से लैस सभी सुविधाएं तथा ड्यूटीफ्री सामानों से भरी चमचमाती हुई दुकानें यहां आने वाले हर पर्यटक को सहज ही प्रभावित कर लेती हैं। मुझे लगा कि जब इतने ही दिनों में मलेशिया इतनी तरक्की कर सकता है तो हम क्यों नहीं? पर इस प्रश्न का जवाब सोचने से पहले ही मुझे पता लगा कि क्वालालम्पुर से पिनांग जाना है और वहां पहुंचने के लिए लगभग 40 मिनट की उड़ान फिर भरनी है। अभी भारतीय समय के अनुसार सुबह के पांच बजे थे, पर हवाई अड्डे की घड़ी सुबह साढ़े सात का समय दिखा रही थी यानी मलेशिया व भारत के समय में ढाई घंटे का अंतर था। मैंने स्थानीय समय के अनुसार अपनी घड़ी मिलाई और पिनांग जाने वाले विमान में बैठ गई।

सुपारी के पेड़ों वाला द्वीप

मलेशिया पर्यटन विभाग की ओर से गए हम आठ लोग थे जिनका स्वागत बहुत ही गर्मजोशी से पिनांग हवाई अड्डे पर टूर गाइड लेना व एडी ने किया। हवाई अड्डे से अपने होटल मुतियारा बीच रिसोर्ट तक जाते हुए लेना व एडी ने हमें पिनांग के बारे में तमाम जानकारियां दीं। पिनांग की खूबसूरती की एक झलक हमें रास्ते में ही मिल गई। हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा पिनांग एक द्वीप है जिसका आकार एक तैरते हुए कछुए की तरह है। पिनांग की खूबसूरती से प्रभावित होकर ही ब्रिटिश रचनाकार सॉमरसेट मॉम ने लिखा था, यदि किसी ने पिनांग नहीं देखा, तो उसने संसार नहीं देखा। मुझे भी यहां आकर लगा कि मॉम ने कुछ गलत नहीं लिखा है। पूर्वी देशों के सबसे सुंदर शहरों में गिना जाता है पिनांग, जिसका नाम इस द्वीप पर बहुतायत से पाए जाने वाले सुपारी के पेड़ों के कारण पड़ा। मलय भाषा में पिनांग पान की सुपारी को कहते हैं। पूरब का मोती कहा जाने वाला यह द्वीप 1786 में सुदूर पूर्वी देशों में ब्रिटिश राज्य का पहला व्यापारिक केंद्र बना, पर आज यह पूरब और पश्चिम के मिलन का एक आकर्षक बिंदु है। चूंकि विश्व के लगभग सभी देशों से पर्यटक यहां वर्ष भर आते रहते हैं, अतः यहां की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख स्त्रोत पर्यटन है। पर्यटन संबंधी सुविधाएं यहां बहुत विकसित हैं और कई अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों का विकास भी काफी अच्छा है।

असर चीनी संस्कृति का

कई वर्षो तक ब्रिटिश शासन के अधीन रहने के कारण यहां की पुरानी इमारतों में ब्रिटिश स्थापत्य की झलक दिखती है। साथ ही चीनी संस्कृति का प्रभाव आज भी यहां के लोगों पर देखा जाता है। लेना व एडी ने चीनियों द्वारा बनाए गए कुआन यिन तेंग, वाट चैया मांगकालाराम तथा अन्य बौद्ध मंदिरों को दिखाते हुए बताया कि पिनांग की राजधानी जॉज टाउन में चीनियों द्वारा बनाए गए ऐसे कई बौद्ध मंदिर हैं, जहां एक विशेष जाति के चीनी लोग विभिन्न त्योहार मनाने के लिए आज भी इकट्ठे होते हैं। इन मंदिरों पर बनी अत्यंत महीन चीनी पेंटिंग व लकड़ी की नक्काशी से सजे पैनल इस देश के कलाकारों की प्रतिभा का परिचय देते हैं। थाईलैंड की स्थापत्य कला से प्रभावित वाट चैया मांगकालाराम मंदिर में भगवान बुद्ध की लेटने की मुद्रा में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी प्रतिमा है।

एक अनुभव अनोखा सा

मीलों तक फैले रेतीले मैदान व नारियल के पेड़ों की कतारों से सजे पिनांग के समुद्र तट विदेशी पर्यटकों को वर्षो से आकर्षित करते आ रहे हैं। दो दिन की पिनांग यात्रा के दौरान लेना व एडी हमें यहां के लगभग सभी दर्शनीय स्थलों पर ले गए, हमने स्थानीय भोजन का स्वाद लिया और बटरवर्थ तथा पिनांग के द्वीप के बीच चलने वाली फेरी में बैठकर द्वीप के चारों ओर फैले नीले पानी की सैर की। इस फेरी में लगभग 100 से अधिक गाड़ियां लोड की जा सकती हैं और 20-25 मिनट में समुद्र के जरिये अपनी गाड़ी में बैठे-बैठे आप पिनांग द्वीप तक आ-जा सकते हैं। यह मेरे लिए एक अनोखा अनुभव था। चीन, ब्रिटेन, थाईलैंड, बर्मा आदि देशों से प्रभावित पिनांग के इतिहास की जानकारी लेते और यहां के शौकीन व बहुत ही मिलनसार लोगों की यादें दिल में लेकर हम पिनांग ब्रिज से होते हुए क्वालालम्पुर की ओर चल दिए। यह ब्रिज पिनांग द्वीप व मलेशिया प्रायद्वीप को जोड़ने वाला विश्व का तीसरा सबसे लंबा ब्रिज है। यहां इस ब्रिज से जाते हुए पिनांग द्वीप की आखिरी झलक हमें मिल रही थी।

ऐतिहासिक इमारतों के शहर में

क्वालालम्पुर जाते हुए हम मलेशिया के एक और राज्य पेराक से गुजरे जिसका मलय भाषा में अर्थ है चांदी। इस राज्य का यह नाम यहां पाई जाने वाली टिन की खानों के कारण पड़ा जिसका पेराक के इतिहास और अर्थव्यवस्था पर काफी गहरा प्रभाव रहा। पेराक की राजधानी ईपोह भी साफ सुथरे पार्क, चैड़ी सड़कों व आकर्षक ऐतिहासिक इमारतों के कारण दर्शनीय है। क्वाला कांगसार पेराक का शाही शहर है और यहां की प्राचीन खूबसूरत इमारतों में उबूदिहाह मसजिद व इस्कंदारियाह महल खास हैं। उबूदियाह मसजिद का निर्माण पेराक के 28वें सुलतान इदरीस मुर्शिदुल अदजाम शाह प्रथम के जमाने में शुरू हुआ पर इसके पूरा होने में काफी अड़चनें आई। प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान हाथियों द्वारा यहां के इटैलियन मार्बल के फर्शो को तोड़ दिया गया और इसका उद्घाटन 1917 में हो सका। लगभग 100 वर्ष से भी अधिक पुराना रबर का पेड़ भी क्वाला कांगसार में दर्शनीय है। इसके अलावा पेराक की लाइमस्टोन गुफाएं और उनमें बौद्ध चित्रकला व बुद्ध की विशाल प्रतिमाएं भी देखने लायक हैं। लेटे हुए भगवान बुद्ध की 24 मीटर लंबी प्रतिमा के दर्शन करने हों, जो मलेशिया में सबसे लंबी प्रतिभा है, तो थाई बौद्ध मंदिर मेकप्रसित जाएं। यह ईपोह से तीन किलोमीटर उत्तर की ओर है। परिवार सहित आने वाले पर्यटकों के लिए आधुनिक राइड व झूलों से लैस बुकिट मेराह थीम पार्क भी यहां है, जो 600 हेक्टेयर में फैले लेक टाउन रिसोर्ट का एक हिस्सा है। पेराक टांग, सैम पोह टांग, शाही मसजिद, जैपनीज गार्डन, दारुल रिदजुआन संग्रहालय, ताम्बुन, सुंगकाई हिरण फार्म, क्वाला वोह जंगल पार्क, लता इस्कंदर वाटर फॉल आदि भी परोक के मुख्य दर्शनीय स्थलों में से हैं।

रोशनी के बाग में

क्वालालम्पुर देखने की उत्सुकता ने हमें चैथे दिन मलेशिया की राजधानी पहुंचा दिया। गार्डन सिटी ऑफ लाइट्स कहे जाने वाले अपने शहर को यहां के लोग प्यार से केएल कहते हैं। 88 मंजिलों वाले विश्व के सबसे ऊंचे फ्री स्टैंडिंग टॉवर्स पेट्रोनाज ट्विन टॉवर्स क्वालालम्पुर में प्रवेश करते ही दिखने लगते हैं। इस्लाम के पांच स्तंभों से प्रेरित यह इमारत मलेशिया की पहचान है। रात को ये टॉवर्स इतने खूबसूरत दिखते हैं कि इनकी ओर से आंखें हटाने की इच्छा नहीं होती। क्वालालम्पुर सिटी सेंटर के बीचोंबीच निर्मित पेट्रोनाज टॉवर्स मलय व आधुनिक आर्किटेक्चर का बेमिसाल नमूना है। इसके भीतर पेट्रोनाज फिलहारमोनिक हॉल है तथा पेट्रोनाज परफॉर्मिंग आर्ट्स ग्रुप भी। क्वालालम्पुर में हमने विश्व की चैथी सबसे लंबी (421 मीटर) तथा एशिया की सबसे ऊंची मीनार क्वालालम्पुर भी देखी, जिसके भीतर जाकर ऑब्जर्वेटरी डेक से आप पूरे क्वालालम्पुर तथा क्लैंग वैली का नजारा देख सकते हैं। यहां के रिवॉल्विंग रेस्टोरेंट में कई तरह के स्वादिष्ट भोजन का मजा लेते हुए आप क्वालालम्पुर की एक-एक इमारत, पार्क, संग्रहालय व घर आदि दूरबीन से देख सकते हैं। क्वालालम्पुर टॉवर दूरसंचार नेटवर्क, रेडियो व टीवी स्टेशन की ट्रांसमिशन टॉवर भी है।